सुविचार
नया इतिहास लिखता है हमारा देश तन्मय हो, नए विज्ञान के युग में हमारे देश की जय हो।
–आरसी प्रसाद सिंह

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Tuesday, 06 May 2025 ● Year : 03 ● Issue : 110 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Alia Bhatt Steps Out After Gym...

झारखंड सहित सभी हाईकोर्ट में पेंडिंग केसों की सुप्रीम कोर्ट ने मांगी जानकारी

PHOTON NEWS RANCHI : सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड हाईकोर्ट सहित देश के सभी हाईकोर्ट से पेंडिंग केसों की जानकारी मांगी। कोर्ट ने कहा– हाईकोर्ट उन केसों की रिपोर्ट जमा करें, जिनमें 31 जनवरी 2025 से पहले फैसला सुरक्षित रखा गया, लेकिन आज तक सुनाया नहीं गया। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एनके सिंह की बेंच ने कहा– केसों की सुनवाई में होने वाली इस तरह की देरी बेहद परेशान करने वाली है। वक्त पर न्याय मिले। इसके लिए हमें कुछ जरूरी दिशा–निर्देश तय करने होंगे। ऐसा चलता नहीं रह सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश एक रिट याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया। इसमें चार दोषियों ने शिकायत की थी कि उनकी आपराधिक अपीलों पर झारखंड हाईकोर्ट ने 2022 में फैसला सुरक्षित किया था, लेकिन अब तक फाइनल सुनवाई नहीं हुई।

कहा- वक्त पर न्याय मिले, इसके लिए गाइडलाइन बनाना हमारा मकसद
एक याचिका पर सुनवाई के दौरान उच्चतम न्यायालय ने दिया यह आदेश

हफ्तेभर में झारखंड हाईकोर्ट ने 75 केसों पर सुनाया फैसला

याचिकाकर्ताओं के वकील फौजिया शकील ने बताया– वर्तमान केस में सुप्रीम कोर्ट के नोटिस के बाद झारखंड हाईकोर्ट ने कई मामलों में सुनवाई पूरी की है। हालांकि याचिकाकताओं की अपील पर अब भी फैसला आना बाकी है। सुप्रीम कोर्ट ने इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा– नोटिस जारी होने के बाद झारखंड हाईकोर्ट ने एक हफ्ते में 75 आपराधिक मामलों पर सुनवाई पूरी की। इसके बाद बेंच ने झारखंड हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को निर्देश दिया कि उन 75 अपीलों की लिस्ट प्रस्तुत करें जिन पर हाल ही में निर्णय हुआ है। यह भी बताएं कि इन मामलों में फैसला कब सुरक्षित किया गया था।

वक्फ कानून पर 15 मई को सुप्रीम कोर्ट में होगी सुनवाई

सोमवार को वक्फ संशोधन कानून पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई टल गई है। अगली सुनवाई 15 मई को होगी। इससे पहले 17 अप्रैल को कोर्ट ने केंद्र को जवाब देने के लिए सात दिन का समय दिया था। साथ ही अगली सुनवाई तक वक्फ बोर्ड में नई नियुक्तियों पर रोक लगा दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र का जवाब आने तक वक्फ घोषित संपत्ति पर यथास्थिति बनाए रखने को कहा था।

डीजीपी अनुराग गुप्ता की नियुक्ति के मामले पर आज नहीं होगी सुनवाई

आइपीएस अनुराग गुप्ता को डीजीपी पद पर नियुक्ति के मामले में दायर अवमानना याचिका पर अब 6 मई को सुनवाई नहीं होगी। सुप्रीम कोर्ट द्वारा 6 मई के लिए जारी कारण सूची में इस अवमानना याचिका को शामिल नहीं किया गया है। सरकार की ओर से भी शपथ पत्र दायर नहीं किया गया है। बता दें कि अनुराग गुप्ता को डीजीपी के पद पर नियुक्ति के बाद नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी की ओर से सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका दायर की गई थी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बंद किया राहुल की ब्रिटिश नागरिकता से जुड़ा केस, केंद्र की ओर से पेश नहीं की जा सकी रिपोर्ट

LUCKNOW : सोमवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने राहुल गांधी को ब्रिटिश नागरिक बताने वाले केस को बंद कर दिया। कोर्ट ने कहा– राहुल की नागरिकता की रिपोर्ट केंद्र सरकार पेश नहीं कर पाई। कोर्ट ने कहा– केवल रिपोर्ट के इंतजार में याचिका को लंबित नहीं रखा जा सकता। जब भी रिपोर्ट केंद्र सरकार से प्राप्त होती है, तो याचिकाकर्ता को उसकी एक प्रति उपलब्ध कराएं और उसे कोर्ट में भी प्रस्तुत करें। केंद्र सरकार के वकील ने कहा कि यह मामला दो देशों के बीच की संवेदनशील जानकारी से जुड़ा है। संबंधित देश को कई रिमाइंडर भेजे जा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई जवाब नहीं मिला है, इसलिए कुछ और समय दिया जाए।

- कोर्ट ने कहा- रिपोर्ट के इंतजार में पेंडिंग नहीं रख सकते याचिका
- याचिकाकर्ता को किसी भी अन्य फोरम या कोर्ट में याचिका दाखिल करने की छूट

निशिकांत दुबे के खिलाफ अवमानना याचिका खारिज

NEW DELHI : सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ दायर रिट याचिका को खारिज कर दिया। याचिका में सुप्रीम कोर्ट और सीजेआई संजीव खन्ना पर अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए दुबे पर अवमानना कार्यवाही करने की मांग की गई थी। सीजेआई ने कहा– हमारे कंधे मजबूत हैं, हम याचिका पर विचार नहीं करना चाहते हैं। हम फिलहाल कोई दलील या बहस नहीं सुनना चाहते लेकिन हम एक शॉर्ट ऑर्डर पास करेंगे।

SHARE

संसेक्स	:	80,796.84
निफ्टी	:	24,461.15

SARAFA

सोना	:	8,950
चांदी	:	108.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

दो नक्सली गिरफ्तार, एक कुकर आईईडी बरामद

NARAYANPUR : छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में जिले के छोटेडोंगर थानांतर्गत ग्राम छोटेबुरगूम के पास सड़क किनारे एक कुकर आईईडी बम सुरक्षाबलों ने बरामद किया, जिसे बम डिस्पोजल स्क्वाड की टीम ने सुरक्षित तरीके से निष्क्रय कर दिया। इसके साथ ही सर्चिंग के दौरान रविवार शाम को गिरफ्तार किए गए दो नक्सलियों को न्यायिकि रिमांड पर भेज दिया गया। जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत कैम्प कड़ेमेटा से रविवार को निकली डीआरजी और पुलिस का संयुक्त बल सर्चिंग के दौरान छोटेडोंगर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम छोटेबुरगूम के पास सड़क किनारे एक कुकर आईईडी बरामद किया। बम डिस्पोजल स्क्वाड की टीम ने कुकर आईईडी को सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर दिया। इस दौरान पुलिस को देखकर भागते दो संदिग्धों को घेराबंदी कर गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उनकी पहचान सुकमन कोर्राम और बुधराम कोर्राम उर्फ विश्वनाथ के रूप में हुई, जो तुशवाल निवासी और आमदई एरिया कमेटी के नक्सली नेटवर्क से जुड़ा होना स्वीकार किया।

बाहर की फिल्मों पर अमेरिका में 100% टैरिफ

NEW DELHI : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अब विदेशी फिल्मों को अपने निशाने पर लिया है। उन्होंने ऐलान किया है कि विदेशों में बनने वाली फिल्मों के अमेरिका में रिलीज होने पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगेगा। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर बताया कि उन्होंने अमेरिकी वाणिज्य विभाग को इसके लिए आदेश भी दे दिए हैं। ट्रम्प ने आरोप लगाया है कि विदेशों में बनी फिल्में अमेरिका में प्रोपगेंडा फैला सकती हैं। उन्होंने इसे अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया है। डोनाल्ड ट्रंप ने भले ही विदेशों में बनने वाली फिल्मों पर 100 टैरिफ कर दिया है, लेकिन फिलहाल यह साफ नहीं है कि यह कैसे लागू होगा।

पहलगाम हमला : प्रधानमंत्री पूरी स्थिति पर बनाए हुए हैं नजर
पीएम मोदी से मिले रक्षा सचिव सैन्य तैयारियों की दी जानकारी

AGENCY NEW DELHI : सोमवार को रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान से बढ़ते तनाव को लेकर चर्चा की गई। पीएम पीएमओ पहुंचे थे। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पीएम मोदी लगातार पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। प्रधानमंत्री पूरे मामले पर तीनों सेनाओं के प्रमुखों के साथ बैठक भी कर चुके हैं। माना जा रहा है कि रक्षा सचिव ने इस मुलाकात के दौरान पीएम मोदी को ताजा हालात और सैन्य तैयारियों की जानकारी दी। सोमवार को ही नई दिल्ली में जापान के रक्षा मंत्री ने भारत के रक्षा मंत्री से मुलाकात की। वहीं पिछले दिनों वे एयरचीफ मार्शल एपी सिंह और नेवी चीफ दिनेश कुमार त्रिपाठी से भी मिल चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वायुसेना प्रमुख ने प्रधानमंत्री मोदी को युद्ध की तैयारियों पर जानकारी दी। रविवार की इस मीटिंग में बताया कि एयर फोर्स हर हालात से निपटने को तैयार है। पश्चिमी सीमा पर डिफेंस नेटवर्क भी पूरी तरह एक्टिव है और राफेल भी तैयार हैं।

पश्चिमी सीमा पर डिफेंस नेटवर्क पूरी तरह एक्टिव, राफेल भी तैयार

आतंकी ठिकाने से गोला बारूद का भंडार बरामद

जम्मू–कश्मीर के पुंछ जिले में स्थानीय पुलिस और सेना की रोमियो फोर्स ने सुरनकोट गांव में संयुक्त अभियान के दौरान एक संदिग्ध आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़ किया। इस ठिकाने से गोला–बारूद और अन्य सामान बरामद किया गया है। पुंछ पुलिस ने संदिग्ध ठिकाने की तस्वीरें जारी कीं हैं। अधिकारियों के अनुसार, यहां से पांच इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी), कई रेडियो सेट, तार, दूरबीन और कंबल बरामद किए गए हैं। यह बड़ी कार्रवाई पुलिस महानिरीक्षक वीके बिरदी द्वारा पीसीआर कश्मीर में एक संयुक्त सुरक्षा समीक्षा बैठक आयोजित करने के ठीक एक दिन बाद हुई है।

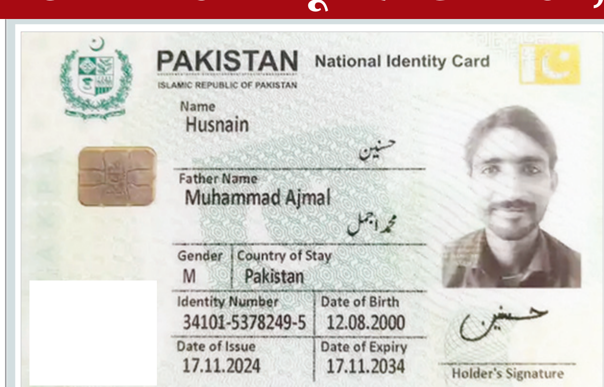

बीएसएफ ने पाक नागरिक को किया अरेस्ट

इधर, भारत व पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बीएसएफ ने पाकिस्तानी नागरिक को अरेस्ट किया है। आरोपी की गिरफ्तारी गांव ठाकुरपुर के पास सीमा पर हुई। आरोपी के पास आईडी कार्ड भी मिला है। इस पर उसकी पहचान हुसनैन लिखी है और वह गुज्जरांवाला का रहने वाला है।

कल देशभर में बजेंगे हवाई हमले वाले सायरन

सोमवार को गृह मंत्रालय ने कुछ राज्यों को 7 मई को सिविल डिफेंस से जुड़ी मॉक ड्रिल करने के निर्देश दिए हैं। सरकार के मुताबिक, मॉक ड्रिल के दौरान हवाई हमले के अलर्ट के वक्त सायरन बजाना, हमलों के वक्त नागरिक, छात्रों आदि को खुद की सुरक्षा के लिए ट्रेनिंग देने पर फोकस करना है। हमले के वक्त ब्लैक आउट करना, महत्वपूर्ण संयंत्रों/स्थापनाओं को हमले के वक्त छिपाना, लोगों से जगह खाली कराना या निकालने की प्लानिंग करना और उसका अभ्यास करने पर जोर दिया जाएगा। मॉक ड्रिल का मकसद लोगों को किसी भी आपात स्थिति के लिए तैयार करना है।

झारखंड में विदेशी निवेश को बढ़ाना है स्पेन-स्वीडन यात्रा का उद्देश्य : अरवा

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में एफडीआई के उद्देश्य से स्पेन और स्वीडन गए पदाधिकारियों ने सोमवार को प्रेस कांफ्रेंस की। उद्योग सचिव अरवा राजकमल ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में स्पेन और स्वीडन गए प्रतिनिधिमंडल ने झारखंड में निवेश के लिए विदेशी निवेशकों को आमंत्रित किया। इस दौरान हमें कई निवेशकों के प्रस्ताव भी मिले साथ ही कई कंपनियां झारखंड में निवेश करना चाहती है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने स्पेन एवं स्वीडन के विभिन्न उद्यमियों से कहा है कि झारखंड में निवेश की सुगम सुविधा हेतु यूरोपीय कंपनियों के लिए एक समर्पित डेस्क स्थापित किया जाएगा।

- एफडीआई के लिए यात्रा पर गए अधिकारियों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर विस्तार से दी जानकारी
- भारत की जीडीपी में झारखंड का हिस्सा 2.5 प्रतिशत, विदेशी निवेश मात्र 0.98 फीसद

टेस्ला करना चाहती है 150 मिलियन यूरो का निवेश

उन्होंने बताया कि स्पेन में टेस्ला ग्रुप एस के चेयरमैन दुसान लिचाड्र्स ने ग्रुप की रोमानिया गिगिया फैक्ट्री परियोजना के बारे में प्रस्तुति दी और बैटरी भंडारण उत्पादन के निर्माण के लिए झारखंड में एक समान परियोजना स्थापित करने हेतु करीब 150 मिलियन यूरो के निवेश की रुचि व्यक्त की है। साथ ही झारखंड सरकार को आरसीडी एस्पेनयोल फुटबॉल क्लब से झारखंड में खेल विकास में सहयोग के लिए झारखंड में फुटबॉल कोचों को प्रशिक्षण देने के लिए एक समझौता ज्ञापन का प्रस्ताव मिला है। इसके अलावे रांची में 120–170 मिलियन यूरो के निवेश से एक मेगा सम्मेलन और व्यापार प्रदर्शनी केंद्र विकसित करने के लिए प्रस्ताव मिला। अरवा राजकमल ने कहा कि झारखंड में विदेशी निवेश के मकसद से यूरोपीय देश स्पेन एवं स्वीडन गए प्रतिनिधिमंडल ने स्पेन के बार्सिलोना स्थित निमार्णाधीन यूरोप के सबसे बड़े स्टेडियम एफसी बार्सिलोना स्टेडियम और संग्रहालय का दौरा किया।

बार्सिलोना के इन्वेस्टर के साथ भी मीटिंग

बार्सिलोना में ही एक इन्वेस्टर मीट भी आयोजित किया गया। जहां भारतीय प्रवासियों ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से मुलाकात की। वन टू वन मीटिंग कर खेल से संबंधित मार्केटिंग एंड ब्रांडिंग, आईईएसई बिजनेस स्कूल में उद्यमिता संकाय, पर्यावरण स्थिरता सहित कई विषयों पर चर्चा की गई। निवेशकों ने झारखंड में एक बेहतरीन स्टार्टअप पॉलिसी के तहत काम करने की रुचि व्यक्त की। ऐसे में मुख्यमंत्री ने उन्हें राज्य में संभावित निवेश की तलाश करने हेतु प्रोत्साहित किया। सचिव ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने बार्सिलोना इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर का दौरा किया,जो यूरोप के सबसे बड़े और सबसे आधुनिक प्रदर्शनी स्थलों में से एक है। स्पेन में भारत के राजदूत की उपस्थिति में मुख्यमंत्री को रांची में 120–170 मिलियन यूरो के निवेश से एक मेगा सम्मेलन और व्यापार प्रदर्शनी केंद्र विकसित करने के लिए प्रस्ताव प्राप्त हुआ।

झामुमो की नई केंद्रीय कार्यकारिणी समिति गठित, नलिन समेत 8 बने उपाध्यक्ष
कल्पना सहित 63 लोग कार्यकारिणी में शामिल

PHOTON NEWS RANCHI : रांची के खेलगांव में पिछले दिनों आयोजित झारखंड मुक्ति मोर्चा के 13वें केंद्रीय अधिवेशन के बाद झामुमो की केंद्रीय कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया है। झामुमो के केंद्रीय अधिवेशन में ही शिबू सोरेन पार्टी के संस्थापक संरक्षक, जबकि हेमंत सोरेन पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष घोषित किए गए थे। नलिन सोरेन, प्रो. स्टीफन मरांडी और रूपी सोरेन समेत आठ को केंद्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। कल्पना सोरेन कार्यकारिणी सदस्य हैं। केंद्रीय कार्यकारिणी समिति में 63 को जगह दी गई है। विनोद कुमार पांडेय और सुप्रियो भट्टाचार्य झारखंड मुक्ति मोर्चा के महासचिव-सह-प्रवक्ता बनाए गए हैं। एक बार फिर इन्हें ये दायित्व सौंपा गया है। नंद किशोर मेहता, अभिषेक प्रसाद पिंटू, पंकज मिश्रा और समीर मोहंती को सचिव बनाया गया है। हेमलाल मुर्मू, कुणाल षाडंगी, मनोज कुमार पांडेय प्रवक्ता बनाए गए हैं। रबींद्रनाथ महतो, महुआ माजी, कल्पना सोरेन और बसंत सोरेन समेत अन्य को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है।

विनोद पांडेय व सुप्रियो भट्टाचार्य बनाए गए जेएमएम के महासचिव-सह-प्रवक्ता

इन्हें बनाया गया है कार्यकारिणी सदस्य

दीपक बिरुआ, सुदिव्य कुमार सोनू, चमरा लिंडा, योगेंद्र महतो, विजय हांसदा, मोहन कर्मकार, संजीव बेदिया, डॉ. कमल नयन सिंह, निरल पूर्ति, दशरथ गागराई, हफीजुल हसन, सुमन महतो, निजामुद्दीन अंसारी, सुकराम उरांव, भूषण तिर्की, मंगल कालिंदी, जिगासुसारन होरो, विकास सिंह मुंडा, लुईस मरांडी, उदय शंकर सिंह, उमाकांत रजक, अंजनी सोरेन, अनंत प्रताप देव, अमित महतो, रामसूर्या मुंडा, सुदीप गुड़िया, जगत माझी और बिट्टू मुर्मू समेत अन्य को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है।

पांच मंजिला इमारत में लगी आग, पति-पत्नी व तीन बेटियों की मौत

KANPUR : चमनगंज थाना क्षेत्र के गांधीनगर इलाके में पांच मंजिला इमारत में लगी आग में पति–पत्नी और उनकी तीन बेटियों की मौत हो गई। करीब आठ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सभी शव बरामद कर लिए गए हैं। इस इमारत की पहली और दूसरी मंजिल पर जूते–चप्पल का कारखाना है। तीसरी और चौथी मंजिल पर परिवार रहते हैं। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि रविवार रात करीब 8:30 से 9 बजे के बीच इमारत के निचले तल पर जूते के कारखाने में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग दूसरी मंजिल से चौथी मंजिल तक पहुंच गई। कारखाने में अत्यधिक ज्वलनशील सामग्री होने की वजह से आग ने विकराल रूप ले लिया।सूचना पर पहुंचे पुलिस और दमकल कर्मियों ने इमारत में फंसे कई लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। इस बीच 10 मिनट के अंतराल में जोरदार तीन धमाके हुए जिससे आग और भी तेज धधकने लगी। आग बुझाने के लिए हाइड्रोलिक मशीन के जरिए लगातार पानी की बौछार जारी रही। आग बुझती न देख आखिरकार लखनऊ से एसडीआरएफ टीम को बुलाना पड़ा। दमकल की करीब 20 गाड़ियों, 70 फायर फाइटर्स और पुलिस कर्मियों की कड़ी मशक्कत के बाद करीब आठ घंटे बाद परिवार के सभी सदस्यों मोहम्मद दानिश (45) नजमी सबा (42) बेटियां सारा (15) सिमरा (12) और सात वर्षीय इनायत के शवों को बरामद कर लिया गया।

खाद्यान्न की चिंता पैदावार में 20% तक गिरावट की जताई जा रही आशंका

गेहूं के लिए घातक है धरती के करीब मौजूद ओजोन प्रदूषण

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत को कृषि प्रधान देश इस दृष्टि से भी कहा जाता है कि यहां खाद्यान्न फसलों का उत्पादन अधिकाधिक मात्रा में होता है और कई देशों को यहां से निर्यात भी किया जाता है। बेशक भारत के किसान अपने खेतों में पानी के लिए बारिश पर अधिक निर्भर होते हैं, लेकिन विगत कुछ वर्षों में वर्तमान मोदी सरकार ने इस दृष्टि से बेहतर काम करते हुए इसमें सुधार के प्रयास किए हैं। इससे कृषि उत्पादन में वृद्धि भी हुई है। लेकिन, आज के समय में हमारे कृषि क्षेत्र के सामने एक अन्य बड़ी समस्या खड़ी हो गई है, जो भविष्य की के लिए बड़ी चिंता है। यह समस्या है, पृथ्वी के निकट मौजूद ओजोन प्रदूषण। हाल में हुए रिसर्च से यह जानकारी सामने आई है कि भारतीय कृषि को इस नए और चुपके से उभरते खतरे का सामना करना पड़ रहा है। आईआईटी खड़गपुर के वैज्ञानिकों के एक अध्ययन में यह चेतावनी दी गई है कि ओजोन प्रदूषण गेहूं, मक्का और धान जैसी प्रमुख खाद्यान्न फसलों के उत्पादन पर नकारात्मक असर डाल सकता है।

समय पर बाधित होती है पौधों की वृद्धि और घट जाती है फसल की उपज
सेहत के साथ जैवविविधता के लिए खतरनाक साबित हो रहा जमीनी ओजोन

- आईआईटी खड़गपुर के वैज्ञानिकों की टीम ने पूरी स्थिति का किया है विश्लेषण
- खाद्यान्न फसलों के उत्पादन पर नकारात्मक प्रभाव को लेकर दी है चेतावनी

सूर्य की रोशनी के संपर्क में खतरनाक बन जाते हैं मानवीय गतिविधियों से उत्पन्न प्रदूषक

- एक शक्तिशाली ऑक्सीडाइजिंग एजेंट के रूप में काम करता है सतही ओजोन
- पौधों की पत्तियों और ऊतकों को क्षति पहुंचाती है ओजोन की परत

गंगा के मैदानी क्षेत्र में सर्वाधिक असर

रिसर्च में यह तथ्य सामने आया है कि गंगा के मैदानी क्षेत्र और मध्य भारत में फसलों पर सबसे ज्यादा असर पड़ सकता है, क्योंकि इन इलाकों में सतही ओजोन का स्तर सुरक्षित सीमा से छह गुना ज्यादा हो सकता है। ओजोन प्रदूषण से फसलों की पैदावार घटेगी तो उसकी वजह से किसानों की आमदनी घटेगी। खाद्यान उत्पादन में भी गिरावट आएगी। इससे भोजन की कमी और बढ़ सकती है। यह सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि वैश्विक खाद्य आपूर्ति के लिए भी एक बड़ा संकट बन सकता है, क्योंकि भारत कई देशों को अनाज निर्यात करता है।

एंटी करप्शन ब्यूरो टीम ने की कार्रवाई
डीएमओ ऑफिस का कंप्यूटर ऑपरेटर रिश्वत लेते गिरफ्तार

PHOTON NEWS RANCHI : सोमवार को एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम (एसीबी) ने रांची के डीएमओ ऑफिस (जिला खनन कार्यालय) के कंप्यूटर ऑपरेटर विंदेश तिर्की को ₹2000 घूस लेते गिरफ्तार कर लिया। खनन संबंधी डाटा एंट्री के नाम पर विंदेश तिर्की घूस मांग रहा था। तभी एसीबी की टीम ने उसे रिश्वत लेते रंगेहाथ धर दबोच लिया। बता दें कि रांची जिले के अनगड़ा थाना क्षेत्र के जोन्हा के रहनेवाले अश्वन तिर्की ने एसीबी में शिकायत की थी कि इनका ट्रैक्टर ड्राइवर सोमरा मुंडा सरकारी कार्य के लिए बालू लादकर जोन्हा ले जा रहा था। ले जाने के क्रम में राहे के अंचलाधिकारी ने ट्रैक्टर को पकड़ लिया था। इसके बाद सिल्ली थाने को सौंप दिया। दो मई को अश्वन तिर्की रांची जिला खनन कार्यालय पहुंचे। कर्मचारी अब्दुल हाफीज ने इन्हें बताया कि ट्रैक्टर छुड़ाने के लिए 10 हजार रुपए ऑनलाइन फाइन देना होगा और 4200 रुपए रिश्वत लगेगा।

बिजली तार की चपेट में आकर जिंदा जले पिता-पुत्र

जेनरेटर का डीजल लाने के लिए बाइक पर जा रहे थे दोनों

AGENCY PALAMU : पलामू जिले के हैदरनगर थाना के उत्तर कोयल मुख्य नहर स्थित मुखर्जी पुल के समीप सोमवार को सड़क पर गिरे हुए 11 हजार वोल्ट तार की चपेट में आने से पिता-पुत्र जिंदा जल गए। उनकी मोटरसाइकिल भी जलकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। उनके घर सोमवार को बरात आने वाली थी। बारात के लिए ही डीजल लेने के लिए निकले थे। घटना के बाद से शादी की खुशियां माता में बदल गई है। आक्रोशित ग्रामीणों ने मुआवजा की मांग को लेकर हैदरनगर-जपला मुख्य पथ को जाम कर दिया है। पिता पुत्र की पहचान सिमरसोत गांव निवासी 45 वर्षीय बिंदु मेहता और 12 वर्षीय उनका पुत्र बिपिन मेहता के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार खरगड़ा गांव का 11 हजार विद्युत प्रवाहित तार नहर पर गिरा था। उसी सड़क से डीजल तेल लेने दोनों पिता पुत्र जा रहे थे। वह विद्युत प्रवाहित तार की चपेट में आ गए जिससे बाइक सहित पिता -पुत्र पूरी तरह जल गए। घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। घटना से ग्रामीणों में विद्युत विभाग के खिलाफ काफी आक्रोश है। ग्रामीणों ने बताया कि विभाग को लगातार सूचना देने के बावजूद तार को दुरुस्त नहीं किया जाता है, जिससे इस तरह की घटनाएं होती है। घटना की सूचना मिलते ही हैदरनगर के अंचल पदाधिकारी संतोष कुमार, थाना प्रभारी अफजल अंसारी मौके पर पहुंच कर शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद भेज दिया है।

घटनास्थल पर जुटे स्थानीय लोग • फोटोन न्यूज

मृतक बिंदु मेहता की भतीजी की आने वाली थी बारात

ग्रामीणों ने बताया कि बिंदु मेहता की भतीजी की सोमवार को बारात आने वाली थी। बिंदु मेहता अपने इकलौते पुत्र बिपिन को बाइक पर साथ लेकर अहले सुबह डीजल तेल लेने जा रहे थे, जिससे शादी में जेनरेटर में तेल की कमी नहीं हो सके। घटना की सूचना मिलते ही बिंदु मेहता के परिवार सहित गांव के लोग घटना स्थल पर पहुंच गए। घटना से गांव में मातम का माहौल है। परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

विद्युत विभाग की लापरवाही से घटी घटना

घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय विधायक संजय कुमार सिंह ने गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने और परिजनों को हर संभव मदद एवं मुआवजा दिलाने की बात कही है। बसपा के प्रदेश अध्यक्ष कुशवाहा शिवपूजन मेहता ने घटना पर दु:ख व्यक्त करते हुए विद्युत विभाग के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने और कड़ी कार्रवाई कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि विद्युत विभाग कमजोर और गरीब लोगों पर केस कर परेशान करने के लिए है। विभाग को लगातार ग्रामीण जानकारी दे रहे थे। मगर विभाग ने कोई कार्रवाई नहीं की।

घटनास्थल पर जांच करने पहुंचे पुलिस पदाधिकारी • फोटोन न्यूज

चाकू मारकर की गई ऑटो चालक की हत्या

BOKARO : बोकारो में लगातार हत्या की घटना घटित हो रही है। इसी क्रम में सोमवार को एक बार फिर एक व्यक्ति की चाकू मारकर हत्या कर दी गई है। जानकारी के मुताबिक, अपराधियों ने पहले चाकू मारकर व्यक्ति की हत्या की। उसके बाद शव को हाईवे किनारे फेंक दिया। शव की पहचान हरला थाना क्षेत्र के शिव कॉलोनी निवासी धनंजय कुमार के रूप में की गई है, जो ऑटो चालक था और ससुराल में रहकर अपना भरण-पोषण करता था। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि धनंजय को चाकू मारकर हत्या की गई और उसके बाद शव को सुनसान स्थान पर फेंक दिया गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। साथ ही फॉरेंसिक डॉग स्क्वायड और फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट की टीम ने भी घटनास्थल पर जांच शुरू कर दी है। इससे पहले रविवार को पिंडराजोड़ा थाना क्षेत्र के बहादुरपुर गांव में चार अज्ञात अपराधियों ने घर में घुसकर ईंट-भट्ठा मालिक की बेरहमी से हत्या कर दी थी। पुलिस उस मामले को सुलझा भी नहीं पाई थी कि सोमवार सुबह यह दूसरी हत्या की घटना घटित हो गयी।

दुकानदार को मारी गोली, मौत

SAHIBGANJ : जिले के कॉलेज रोड स्थित चाणक्या होटल के सामने रविवार की रात दो बदमाशों ने एक दुकान में घुसकर दुकानदार को गोली मार दी। इससे दुकानदार संजीव कुमार साह की मौत हो गई। घटना के बाद दोनों बदमाश बाइक से फरार हो गए। घटना के समय दुकानदार अपने मकान के नीचे स्थित जीएस इलेक्ट्रॉनिक्स नामक दुकान में बैठे थे। कुछ देर पहले ही वह अपनी बेटी के लिए पास के मेडिकल से दवा लेकर लौटे थे। घटना का सीसीटीवी सामने आया है। इसमें दिख रहा है कि दुकानदार अपने काउंटर में बैठकर ग्राहक को सामान दिखा रहे थे। इसी बीच दो नकाबपोश बाइक सवार वहां पहुंचे। एक बदमाश ने काले गमछे से चेहरा ढंक रखा था। दुकान में घुसते ही उसने दुकानदार को गोली मार दी। गोली उनके सीने में लगी। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के दुकानदार और लोग मौके पर पहुंचे। घायल को तुरंत सदर अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद दुकानदार को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही नगर थाना और जिरवाबाड़ी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आसपास के दुकानों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले हैं। फुटेज में दोनों बदमाशों के आने, गोली मारने और फरार होने की तस्वीरें कैद हुई हैं। दोनों ने चेहरा ढंक रखा था। घटना की जानकारी मिलते ही एसपी अमित कुमार सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया। आसपास के लोगों से पूछताछ की। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। एसपी ने बताया कि हत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पूरे मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। अपराधी जल्द गिरफ्तार कर लिए जाएंगे।

BRIEF NEWS

कुणाल षाड़ंगी बने झामुमो के प्रदेश प्रवक्ता

JAMSHEDPUR : बहरागोड़ा के पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी झामुमो के प्रदेश प्रवक्ता बनाए गए हैं। कुणाल षाड़ंगी 2014 से 2019 तक विधायक रहे। इसके बाद 2019 में लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा में शामिल हो गए थे। इसके बाद कुणाल षाड़ंगी भाजपा के टिकट पर बहरागोड़ा से चुनाव भी लड़े, लेकिन झामुमो के समीर मोहंती से करारी हार का सामना करना पड़ा। इस बार के लोकसभा चुनाव में वह भाजपा से टिकट चाहते थे। इसके लिए वह 2023 से ही सक्रिय हो गए थे। पूरे लोकसभा क्षेत्र का दौरा करते थे। मगर, जब भाजपा ने उन्हें टिकट नहीं दिया, तो कुणाल का मन भाजपा से उचट गया।

खूंटी क्लब के पूर्व उपाध्यक्ष को दी गई श्रद्धांजलि

KHUNTI : खूंटी क्लब परिसर में सोमवार को आयोजित श्रद्धांजलि सभा में क्लब के पूर्व उपाध्यक्ष और खूंटी के जानेमाने समाजसेवी देवेंद्र साहू को क्लब के सदस्यों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किये। क्लब के अध्यक्ष रंजीत प्रसाद की अध्यक्षता और कार्यकारिणी सदस्य राजकुमार गुप्ता के संचालन में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में बड़ी संख्या में सदस्यों भाग लिया और देवेंद्र साहू की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की। मौके पर सदस्यों ने दो मिनट का मौन रख दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की । क्लब के सचिव गणपत कुमार भगत ने कहा कि देवेंद्र साहू भले ही आज हम सबों के बीच नही हैं, लेकिन उनकी यादें हमेशा जेहन में रहेगी। उन्होने कहा कि वे हंसमुख और मिलनसार स्वभाव के कारण हमेशा याद रहेंगे। उन्होंने कहा कि वे क्लब के उपाध्यक्ष पद पर रहते हुए हमेशा क्लब के उत्थान के बारे में सोचते थे। मौके पर ओमप्रकाश मिश्रा, कृष्णा मिश्रा, श्याम किशोर भगत, नरेश गौंझू, महेश चौधरी, राजकुमार गुप्ता राजू, अरूण चौधरी, सुदामा साहू, अनूप साहू, प्रेम तिवारी, मनोज लाल सहित अन्य उपस्थित थे।

छऊ व साइबर सिक्योरिटी पर होगा डिप्लोमा कोर्स

JAMSHEDPUR : केयू के प्रशासनिक भवन के कांफ्रेस हॉल में सोमवार को कुलपति प्रो. डॉ. अंजिला गुप्ता की अध्यक्षता में 40वीं एकेडमिक काउंसिल की बैठक हुई। इसमें छऊ व साइबर सिक्योरिटी पर डिप्लोमा कोर्स चलाने का निर्णय लिया गया। जगन्नाथपुर डिग्री कॉलेज में उर्दू की पढ़ाई कराने के लिए पूर्व सांसद गीता कोड़ा के प्रस्ताव पर इसके लिए कमेटी बनाने गठित करने का निर्णय लिया गया। लॉ कमीशन द्वारा पूरे देश में लागू विषयों की पढ़ाई केयू के लॉ कॉलेज में कराने का निर्णय लिया गया। पीएचडी के रिसर्च पेपर में शोधकताओं द्वारा कॉपी पेस्ट नहीं हुआ है, इसकी जांच के लिए अब जल्द ही डायरेक्टर रिसर्च के पद की स्थापना होगी। इसके लिए सरकार के एचआरडी विभाग से आवश्यक निर्देश प्राप्त करने का निर्णय लिया गया। सोमवार को हुई बैठक में एकेडमिक काउंसिल की 39वीं बैठक के निर्णयों में से कई को संपुष्ट किया गया। एकेडमिक काउंसिल की बैठक में कुल 37 एजेंडा समेत कुछ अन्य एजेंडों को शामिल करते हुए काउंसिल के सदस्य व गेस्ट फैकल्टी के बीच विमर्श किया गया।

ऑटो ने स्कूटी सवार दो सगी बहनों को मारी टक्कर, एक की हुई मौत

AGENCY PALAMU : जिला मुख्यालय डालटनगंज के मेदिनीनगर शहर थाना क्षेत्र के पांकी रोड जीएलए कॉलेज के पास सोमवार को सड़क दुर्घटना में युवती रिद्धि कुमारी (21) की मौत हो गई, जबकि उसकी बड़ी बहन रानी कुमारी जख्मी हो गयी। दोनों स्कूटी से थे। उनकी स्कूटी में सामने से ऑटो ने टक्कर मार दी। जानकारी के अनुसार तरहसी थाना क्षेत्र के पसहर गांव के रंजीत कुमार की पुत्री रिद्धि कुमारी मेदिनीनगर शहर के जनकपुरी में अपनी बहन के साथ रहकर पढ़ाई करती थी। सोमवार दोपहर वह स्कूटी पर सवार होकर अपनी बड़ी बहन को स्कूल से लाने गई थी। इसी बीच रास्ते में जीएलए कॉलेज के पास एक डाला ऑटो ने आगे से रिद्धि कुमारी की स्कूटी को टक्कर मार दी, जिसमें स्कूटी से गिरकर रिद्धि गंभीर रूप से घायल हो गई। स्थानीय लोग उसे इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल में चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर अस्पताल पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया एवं परिजनों को सौंप दिया। घटना के बाद पुलिस ऑटो और उसके चालक को पकड़कर थाना ले गई है । पोस्टमॉर्टम कराने आये रिद्धि के पिता रंजीत कुमार ने बताया की हम लोग चार साल से डालटनगंज में किराए के मकान में रहते आ रहे हैं। तीन बेटियां एक साथ रहकर प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर रही थीं। 1 मई को गुड्डु सिंह के मकान में शिफ्ट हुए थे।

अस्पताल में जुटे परिजनों से जानकारी लेते पुलिस पदाधिकारी • फोटोन न्यूज

किसानों को दिया गया बागवानी का प्रशिक्षण

KHUNTI : बैंक ऑफ इंडिया आरसेटी, खूंटी में 13 दिवसीय वाणिज्यिक बागवानी प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन सोमवार को हो गया। यह प्रशिक्षण 23 अप्रैल से पांच मई तक आयोजित किया गया, जिसमें खूंटी जिले के विभिन्न प्रखंडों से आये 33 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। दुमका से आये विशेषज्ञ प्रशिक्षक अकरम अंसारी ने प्रतिभागियों को वाणिज्यिक बागवानी के विविध पहलुओं पर व्यावहारिक और सैद्धांतिक प्रशिक्षण प्रदान किया। इस दौरान उन्नत किस्म के बीज, खाद, पौधारोपण की वैज्ञानिक विधियां, पेड़-पौधों की देखभाल, अधिक उत्पादन देनेवाली प्रजातियों, और आधुनिक बागवानी तकनीकों पर विशेष जानकारी दी गई। कार्यक्रम का अंतिम मूल्यांकन नेशनल अकादमी ऑफ रूडसेटी के प्रतिनिधि उमेश प्रकाश सिंहा और स्नेहली हेम्ब्रोम ने किया। प्रशिक्षुओं को बागवानी व्यवसाय के व्यावसायीकरण, बाजार प्रबंधन, समस्या समाधान, बैंकिंग, बीमा योजनाओं और प्रोजेक्ट रिपोर्ट की तैयारी के बारे में भी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई, ताकि वे सफल उद्यमी बन सकें। समापन समारोह के मुख्य अतिथि आरसेटी के वरिष्ठ संकाय सदस्य सुशील कुमार थे।

रिटायर्ड डीएसपी, रेलवे कर्मी सहित चार घरों में हुई चोरी

PALAMU : पलामू जिले के रेहला थाना क्षेत्र के तोलरा गांव में रिटायर्ड डीएसपी, रेलवे कर्मी सहित चार के घरों में रविवार रात चोरी हो गई। करीब 15 लाख से अधिक की संपत्ति चोरी हो जाने की जानकारी दी गई है। सूचना मिलने पर पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार रेलवे के ट्रैफिक इंस्पेक्टर अनिल तिवारी, रिटायर्ड डीएसपी रघुवीर तिवारी के अलावा ओंकार तिवारी व अमरेश तिवारी के घर एक एक करके चोरी हुई। अलमारी, पलंग को तोड़कर उसमें रखी संपत्ति गायब कर दी गई। घटना की जानकारी सोमवार सुबह हुई। घर के लोगों ने कमरे में देखा कि अलमारी, पलंग, बक्सा सहित अन्य टूटे हुए हैं और सभी जगह से सामान बिखरे पड़े हैं। एक अनुमान के अनुसार 15 लाख रुपए की संपत्ति चोरों ने गायब कर दी है जिसमें नगद और गहने भी शामिल हैं। घटना की जानकारी दुरभाष पर रेहला पुलिस को दी गई। सोमवार पूर्वाह्न 11 बने रेहला पुलिस जांच के लिए मौके पर पहुंची। चोरी गए सामान का आकलन किया जा रहा है। इसके बाद एफआईआर दर्ज की जाएगी। एक ही रात चार घरों में चोरी होने से गांव में दहशत का माहौल है।

घर में बिखरे सामान

फर्जीवाड़ा: एसबीआई से मरे व्यक्ति ने निकाले 13 हजार

PALAMU : जिले के सतबरवा प्रखंड मुख्यालय स्थित भारतीय स्टेट बैंक की कृषि विकास शाखा सतबरवा में फर्जीवाड़ा करके पैसे निकालने का अजीबोगरीब मामला सोमवार को प्रकाश में आया है। नौ माह पहले मृत व्यक्ति ने अपने खाते से खुद रुपये निकाल लिया है। सूचना के बाद बैंक में हड़कंप मच गया है। मृतक की पत्नी ने सतबरवा थाना पुलिस को आवेदन दिया है। थाना प्रभारी विश्वनाथ कुमार राणा ने बताया कि पुलिस जांच पड़ताल करने में जुटी हुई है। पत्नी सहोदरी देवी ने सोमवार को बताया कि उसके पति विश्वनाथ मोची का देहांत 14 जून 2024 को हो गया है। एसबीआई शाखा में रुपये जमा होने की जानकारी मिली। बगल के गांव के एक व्यक्ति को पासबुक दिया, उसने ताबर गांव के सीएसपी बैंक संचालक को पासबुक देते हुए कहा कि उसके पति की मौत हो गई है। प्रक्रिया कराने के बाद आश्रित को पैसा दिलाने की पहल करे। पत्नी ने बताया कि 27 मार्च 2025 को मेरे पति के खाते से खुद (सेल्फ) 13000 निकासी कर ली गई। इसके कारण हम इधर-उधर भटकते चल रहे हैं। इधर, सीएसपी संचालक ने बताया कि बैंक गार्ड डालटनगंज से हर रोज आते हैं। उन्हें पासबुक में नॉमिनी का एफिडेविट कराने के लिए दिया था। 15 दिन रखने के बाद गार्ड ने पासबुक लौटा दिया। कहा कि पैसे की निकासी नहीं हो पाएगी। इधर, पासबुक अपडेट करने के दौरान पता चला कि एसबीआई के खाते से पैसे की निकासी पासबुक लौटाने के दौरान कर ली गई। बताया गया कि ग्राम मानासोती के विश्वनाथ मोची (मृतक) का एसबीआई शाखा सतबरवा में खाता संख्या 319488945.. है तथा आधारकार्ड संख्या 65913870 55.. है।

पारदर्शिता के साथ समय पर योजनाओं को पूरा कराएं अधिकारी: डॉ शिशिर

KHUNTI : जिला पंचायत राज पदाधिकारी खूंटी डॉ शिशिर कुमार सिंह ने सोमवार को पंचायती राज विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा की। बैठक का मुख्य उद्देश्य 15वें वित्त आयोग अंतर्गत ग्राम पंचायत और पंचायत समितियों को प्राप्त अनुदान राशि के व्यय, पंचायत सचिवालयों में बायोमैट्रिक उपस्थिति, सचिवालय भवनों को डिजिटल पंचायत के रूप में विकसित करने, सचिवालय में उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं की समीक्षा, कनीय अभियंताओं के कार्यों की प्रगति, पंचायत सहायकों को कक्ष आवंटन और पंचायत सहायता केंद्रों की शीघ्र शुरूआत तथा पंचायत ज्ञान केंद्रों की स्थापना एवं संचालन की प्रगति का मूल्यांकन करना था। बैठक के दौरान पाया गया कि कई पंचायत सचिवालयों में अभी भी डिजिटल ढांचे की स्थापना अधूरी है। इस पर शीघ्र कार्रवाई की आवश्यकता है। कनीय अभियंताओं के कार्यों की भी समीक्षा की गई। पंचायत सहायकों के लिए निर्धारित कमरों के आवंटन और पंचायत सहायता केंद्रों को जल्द चालू करने पर विशेष बल दिया गया, ताकि पंचायत स्तर पर ग्रामीणों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

दलमा में प्रतीकात्मक तरीके से आदिवासियों ने मनाया सेंदरा

PHOTON NEWS JSR : आदिवासी समुदाय द्वारा पारंपरिक विशु शिकार पर्व सेंदरा दलमा के जंगलों में सोमवार को मनाया गया, लेकिन इस बार वन विभाग की सख्त निगरानी और व्यापक जनजागरूकता अभियान के चलते शिकार की घटनाएं लगभग ना के बराबर हैं। हालांकि रात तक असल स्थित का पता लग पाएगा कि वन क्षेत्र में कितने वन्यप्राणियों का शिकार हुआ है। एक ओर सेंदरा वीर रविवार शाम से ही पारंपरिक तैयारी के साथ दलमा की ओर रुख कर रहे थे, वहीं दूसरी ओर वन विभाग ने शिकार रोकने के लिए सख्त कदम उठाए। वन विभाग ने दलमा की तलहटी से लेकर अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में 17 चेकनाके बनाए हैं, जिन पर 55 से अधिक वनकर्मी और 12 अधिकारी तैनात किए गए हैं। इसके अलावा दलमा क्षेत्र को पांच जोन में बांटकर हर जोन में प्रभारी नियुक्त किए गए हैं, जो सुरक्षा और निगरानी की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। विभाग ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि सेंदरा के दौरान किसी भी वन्य प्राणी के शिकार को कानून का उल्लंघन माना जाएगा और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वन विभाग ने सेंदरा वीरों से अपील की है कि वे इस पर्व को केवल सांस्कृतिक और धार्मिक परंपरा के रूप में मनाएं, पारंपरिक हथियारों तक सीमित रहें और किसी प्रकार के आधुनिक या अवैध हथियारों का प्रयोग न करें। बीते वर्षों में देसी कट्टा तक बरामद होने की घटनाएं सामने आई थीं, जिससे परंपरा की आड़ में अपराध की आशंका बनी रहती है। दलमा पश्चिम रेंजर दिनेश चंद्रा के अनुसार, तीन माह से चल रहे जनजागरूकता अभियान का असर साफ दिख रहा है।

दलमा जंगल में शिकार रोकने के लिए तैनात वन विभाग के पदाधिकारी

एसपी रीष्मा रमेशन के निर्देश पर किशोरियों को आत्मनिर्भर व जागरूक बना रहा मेदिनीनगर टाउन थाना

छात्राओं को थाने में बुलाकर बताया एफआईआर कराने का तरीका

PHOTON NEWS PALAMU : जिले की युवतियों और छात्राओं को आत्मनिर्भर और जागरूक बनाने की दिशा में मेदिनीनगर टाउन थाना द्वारा महत्वपूर्ण पहल की गई है। सोमवार को केजी सीएम एक्सीलेंस स्कूल, मेदिनीनगर की नौवीं कक्षा की छात्राएं टाउन थाना पहुंचीं, जहां उन्हें थाना परिसर का भ्रमण कराया गया और पुलिस के कार्यों की विस्तृत जानकारी दी गई।

यह पूरा कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन के निर्देश एवं मार्गदर्शन में किया गया। रविवार को आयोजित क्राइम मीटिंग में उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया था कि वे स्कूल-कॉलेज जाकर विशेष रूप से छात्राओं को पुलिस की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दें, ताकि वे किसी भी आपात स्थिति में बेहिचक पुलिस से संपर्क कर सकें और डायल 112 जैसे आपातकालीन नंबरों की उपयोगिता समझ सकें।

कार्यक्रम के दौरान थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर देवव्रत पोद्दार ने छात्राओं को बताया कि एफआईआर कैसे दर्ज की जाती है, किसी अपराध की सूचना मिलने पर पुलिस किस प्रकार घटनास्थल पर पहुंचती है और आरोपी की गिरफ्तारी से लेकर हिरासत तक की प्रक्रिया कैसे संचालित होती है। यह जानकारी उन्हें प्रैक्टिकल दी गई। छात्राओं ने इस अनुभव को अत्यंत सकारात्मक बताया। कई छात्राओं ने कहा कि उन्हें पहले पुलिस से डर लगता था, लेकिन आज थाना भ्रमण और जानकारी प्राप्त करने के बाद उन्हें महसूस हुआ कि पुलिस आम नागरिकों की रक्षक है और किसी भी समस्या में थाने आकर सहायता प्राप्त करना आसान है।

छात्राओं को डायल 112 की सेवा की उपयोगिता, ऑनलाइन एफआईआर की प्रक्रिया और पुलिस द्वारा उपयोग में लाए जाने वाले हथियारों, विशेषकर पिस्टल की कार्यप्रणाली से भी परिचित कराया गया।

इस अवसर पर छात्राओं को जलपान भी कराया गया और उनके साथ आए शिक्षकों को स्मृति-स्वरूप पौधा भेंट कर सम्मानपूर्वक विदा किया गया। सुरक्षा की दृष्टि से थाना परिसर में सभी आवश्यक प्रबंध किए गए थे। यह प्रयास न केवल पुलिस और जनता के बीच विश्वास बढ़ाने की दिशा में है, बल्कि आने वाली पीढ़ी को जागरूक और सशक्त बनाने की दिशा में भी एक मजबूत कदम है।

छात्राओं को सम्मानित करते पुलिस पदाधिकारी • फोटोन न्यूज

पलामू में 10 करोड़ से होगा पेयजल संकट का निदान: मंत्री

PALAMU : वित्त, योजना एवं विकास, वाणिज्यकर तथा संसदीय कार्य विभागके मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने सोमवार को पलामू में पेयजल समस्या एवं उसके निदान के लिए समाहरणालय सभागार में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में कहा कि पलामू जिले में जल संकट बढ़ रहा है। ऐसे में प्राथमिकता के आधार पर जिले के खराब पड़े चापाकलों और जलमीनारों को दुरूस्त कराना सुनिश्चित करें। पलामू में 10 करोड़ की अनाबद्ध निधि (अनकंडीशन फंड) से पेयजल संकट का निदान होगा। पलामू राज्य का पहला जिला होगा, जहां अनाबद्ध राशि से पेयजल समस्या का निदान किया जायेगा। राज्य में 355 करोड़ अनाबद्ध राशि है। उन्होंने कहा कि जिन इलाकों का जलस्तर नीचे चला गया है वहां आवश्यकता अनुसार शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में टैंकर के माध्यम से भी पेयजलापूर्ति करने का निर्देश दिया। अगले 15 दिनों तक पेयजल को फोकस करें। पेयजल और स्वच्छता विभाग के सभी अभियंता क्षेत्र भ्रमण कर वस्तुस्थिति से अवगत होते हुए खराब चापाकल और जलमीनार को दुरूस्त कराएं, ताकि जिले के लोगों को पेयजल संकट से निजात मिल सके।

लक्ष्य के अनुरूप बागवानी योजना का करें क्रियान्वयन : डीडीसी

बैठक करते उपविकास आयुक्त इश्तियाक अहमद • फोटोन न्यूज

HAZARIBAG : बड़कागांव के प्रखंड सभागार में सोमवार को उपविकास आयुक्त इश्तियाक अहमद ने मनरेगा एवं प्रधानमंत्री आवास की समीक्षा बैठक की। बैठक में उपविकास आयुक्त ने लक्ष्य के अनुरूप बागवानी योजना का क्रियान्वयन करने, योजनाओं को ससमय पूर्ण करने एवं नई योजना लेने का निर्देश दिया। उन्होंने लक्ष्य के अनुरूप प्रधानमंत्री आवास योजना को जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया। उपविकास आयुक्त ने बड़कागांव प्रखंड का भ्रमण कर कई योजनाओं का निरीक्षण भी किया। इस बैठक में जिला स्तर से परियोजना पदाधिकारी जिला को-ऑर्डिनेटर आवास एवं प्रखंड स्तर से प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी पर्यवेक्षक, सभी कनीय अभियंता, सभी पंचायत सचिव, सभी ग्राम रोजगार सेवक उपस्थित थे।

BRIEF NEWS

राज्यपाल से मिले नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी

RANCHI : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से सोमवार को राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज भवन में भेंट की। इस क्रम में मरांडी ने राज्य की वर्तमान गिरती हुई विधि-व्यवस्था की स्थिति की ओर राज्यपाल का ध्यान आकृष्ट कराया। साथ ही, उन्होंने पुलिस महानिदेशक के पद को लेकर राज्य सरकार के रवैये से भी अवगत कराया। वहीं, राज्यपाल से सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के प्रशिक्षण केंद्र एवं विद्यालय, मेरु कैंप, हजारीबाग के महानिरीक्षक धीरेंद्र संभाजी कुटे एवं अन्य वरीय अधिकारियों ने राज भवन में शिष्टाचार भेंट की। उक्त अवसर पर महानिरीक्षक ने राज्यपाल को भूमि संबंधित समस्याओं की ओर अवगत कराया।

कांके की ईचापीढ़ी पंचायत में कल होगा ग्राम प्रधान का चुनाव

RANCHI : कांके प्रखंड अंतर्गत ईचापीढ़ी पंचायत में 7 मई को होने वाले ग्राम प्रधान के चुनाव को लेकर पंचायत में उत्साह का माहौल है। पंचायत भवन में सुबह 10 बजे से चुनाव प्रक्रिया आरंभ होगी। इसी कड़ी में पंचायत के उपमुखिया मोहम्मद गुफरान अंसारी जन-जन तक पहुंच कर अधिक से अधिक मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने में जुटे हैं। वे गांव-गांव, टोला-टोला जाकर लोगों से अपील कर रहे हैं कि वे निर्धारित समय पर पंचायत भवन पहुंचें और अपने मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र को मजबूत बनाएं। ग्राम पिरूटोला, नया टोला, बेड़ा टोला सहित अन्य गांवों में जाकर उपमुखिया गुफरान अंसारी लोगों को जागरूक कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ग्राम प्रधान का चुनाव सिर्फ एक पद का चयन नहीं, बल्कि विकास की दिशा तय करने का अवसर है।

सड़क हादसे में बाइक सवार तीन युवक गंभीर रूप से हुए जख्मी

RANCHI : बेड़ो थाना क्षेत्र अंतर्गत खिरदा भट्ठी के सामने रविवार की रात लगभग 11:30 बजे एक सड़क हादसा हो गया। केशा गांव निवासी मोहित लकड़ा (20 वर्ष), शिवकांत उरांव (18 वर्ष) एवं राजू उरांव (20 वर्ष) मोटरसाइकिल से लौट रहे थे, तभी सड़क पर बने स्पीड ब्रेकर से असंतुलित होकर उनकी मोटरसाइकिल दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर एसआई अक्षय सिंह शस्ती दल के साथ मौके पर पहुंचे। तत्काल घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। तीनों युवक भरनो प्रखंड की ओर से एक शादी समारोह में भाग लेकर लौट रहे थे।

अब फुटपाथ दुकानदारों को उपलब्ध कराया जाएगा व्यवस्थित और सुरक्षित स्थान

मोरहाबादी वेंडर मार्केट में पहले फेज में 202 लोगों को मिलेगी दुकान

PHOTON NEWS RANCHI : रांची के मोरहाबादी मैदान के पास निर्मित वेंडर मार्केट में पहले चरण में 202 पात्र लाभार्थियों को दुकानों का आवंटन किया जाएगा। यह निर्णय रांची नगर निगम द्वारा प्राप्त आवेदन फॉर्म और उनकी समीक्षा के बाद लिया गया है। इस आधुनिक वेंडर मार्केट का निर्माण लगभग 4.8 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है, जिसका उद्देश्य फुटपाथ दुकानदारों को व्यवस्थित और सुरक्षित स्थान उपलब्ध कराना है। इसके बाद अन्य दुकानदारों को दुकान आवंटन की प्रक्रिया की जाएगी। बता दें कि 202 दुकानदारों ने व्यवस्थित करने के लिए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

415 वेंडरों ने दिया है आवेदन

नगर निगम से प्राप्त जानकारी के अनुसार कुल 465 लोगों ने दुकान के लिए आवेदन फॉर्म प्राप्त किए थे, जिनमें से 415 लोगों ने फॉर्म भरकर निगम कार्यालय में जमा किए। अब इन आवेदनों की जांच-पड़ताल अंतिम चरण में है। वहीं पात्र लाभार्थियों की सूची तैयार की जा रही है। लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से दुकानें आवंटित की जाएंगी, जिसकी तिथि जल्द ही तय की जाएगी। यह लॉटरी टाउन वेंडिंग कमेटी (टीवीसी) की बैठक के बाद आयोजित की जाएगी।

» 465 लोगों ने लिया था आवेदन फॉर्म
» टीवीसी की बैठक के बाद होगी दुकानों के आवंटन के लिए लॉटरी
» 4.8 करोड़ की लागत से किया गया है मार्केट का निर्माण

राज्य सरकार की योजना के तहत हुआ निर्माण

मोरहाबादी वेंडर मार्केट का निर्माण राज्य सरकार की योजना के तहत किया गया है, जिसमें दुकानों के अलावा बुनियादी सुविधाएं जैसे जल आपूर्ति, शौचालय, कूड़ा निस्तारण शामिल हैं। इससे न केवल वेंडरों को बेहतर माहौल मिलेगा, बल्कि राहगीरों को भी सुविधा होगी। बता दें कि रोड पर दुकान लगने की वजह से जाम की स्थिति बनी रहती है।

200 से अधिक के बैठने की जगह

नगर निगम का कहना है कि पहले चरण में 202 दुकानदारों को दुकानें दी जाएंगी, जबकि शेष आवेदकों को अगली प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा। वेंडर मार्केट में कुल कितनी दुकानें उपलब्ध हैं, इस पर भी नगर निगम जल्द ही स्पष्ट आंकड़ा जारी करेगा। अधिकारियों के अनुसार प्रयास यह है कि सभी पात्र आवेदकों को उचित स्थान मिल सके और फुटपाथ पर व्यापार कर रहे लोगों को व्यवस्थित तरीके से बसाया जा सके।

'पाकिस्तानी भारत छोड़ो' आंदोलन के तहत भाजपा ने किया जोरदार प्रदर्शन

बाबूलाल मरांडी ने झारखंड सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

PHOTON NEWS RANCHI : सोमवार को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हिंदू पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले के विरोध में रांची में भाजपा, रांची महानगर और ग्रामीण जिला इकाई ने संयुक्त रूप से पाकिस्तानी भारत छोड़ो कार्यक्रम के तहत जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने किया। शहीद चौक स्थित जिला स्कूल मैदान से सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं ने पाकिस्तान विरोधी नारों के साथ जुलूस निकाला, जो उपायुक्त कार्यालय पहुंचकर जनसभा में तब्दील हो गया। कार्यकर्ताओं के हाथों में पाकिस्तान विरोधी तख्तियां और झंडे थे।

राज्य सरकार दे रही संरक्षण

जनसभा को संबोधित करते हुए बाबूलाल मरांडी ने कहा कि पहलगाम की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार द्वारा पाकिस्तानियों के वीजा रद्द कर भारत छोड़ने के निर्देश के बावजूद झारखंड सरकार ऐसे लोगों को संरक्षण दे रही है। मरांडी ने मांग की कि राज्य में वैध-अवैध रूप से रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान कर उन्हें तुरंत देश से बाहर किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि आतंकियों और उनके समर्थकों को सेना करारा जवाब देगी।

झारखंड से पाकिस्तानियों को निकाले सरकार : पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और प्रदेश प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेई ने भी झारखंड सरकार को घेरते हुए कहा कि यदि राज्य सरकार छुपे पाकिस्तानियों को नहीं निकालेगी तो जनता स्वयं उन्हें खोजकर बाहर करेगी। उन्होंने आतंकियों को माकूल जवाब देने का भरोसा भी दिलाया। प्रदर्शन के दौरान भाजपा नेताओं ने महामहिम राज्यपाल और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नाम ज्ञापन उपायुक्त को सौंपा।

इनकी रही मौजूदगी : पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश, विधायक सीपी सिंह, नवीन जयसवाल, प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह, अमर बाउरी समेत अनेक कार्यकर्ता मौजूद थे।

सभी सदर अस्पताल, रिम्स व मेडिकल कॉलेज तीन दिनों में दें भवनों की स्थिति पर रिपोर्ट

झारखंड में मरीजों की सुरक्षा से नहीं हो सकता कोई समझौता : डॉ. इरफान अंसारी

PHOTON NEWS RANCHI : जमशेदपुर में हाल ही में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना से आहत झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने सोमवार को राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर कई सख्त और अहम घोषणाएं कीं। कहा कि राज्य में मरीजों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं हो सकता। अब राज्य के किसी भी अस्पताल में यदि सुरक्षा कारणों से किसी मरीज की जान जाती है, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी उनकी होगी। उन्होंने निर्देश दिया कि राज्य के सभी सदर अस्पताल, रिम्स और मेडिकल कॉलेज तीन दिनों के भीतर भवनों की स्थिति पर विस्तृत रिपोर्ट सौंपें। रिपोर्ट में यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि कौन-से भवन मरम्मत योग्य हैं, कौन-से जर्जर हैं और कौन-से ध्वस्त किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट मिलते ही मरम्मत और निर्माण कार्यों के लिए आवश्यक बजट तत्काल जारी किया जाएगा।

कोताही बर्दाश्त नहीं

स्वास्थ्य मंत्री ने दो टूक कहा कि सुरक्षा सर्वोपरि है और किसी की जान से खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जमशेदपुर जैसी घटना की पुनरावृत्ति नहीं हो, यह उनकी प्राथमिकता है। डॉ. इरफान अंसारी अगले सप्ताह पीड़ित परिवारों से मिलने भी जाएंगे और हरसंभव सहायता सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि मैं खुद एक डॉक्टर हूं और अपनी आंखों के सामने किसी को मरते नहीं देख सकता। अब स्वास्थ्य व्यवस्था में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से जमशेदपुर में राहत कार्य युद्धस्तर पर चलाए जा रहे हैं और पूरी मेडिकल टीम मौके पर तैनात है। उन्होंने सभी से इस व्यवस्था को मजबूत बनाने में सहयोग की अपील की।

सदर अस्पताल में कैमरा तकनीक से पित्त की थैली का हुआ ऑपरेशन

पिछले एक सप्ताह से तेज पेट दर्द की परेशानी से जूझ रही थी मरीज

PHOTON NEWS RANCHI : सदर अस्पताल रांची में डॉक्टरों ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की है। पहली बार यहां नवीनतम कैमरा तकनीक की मदद से पित्त की थैली में मौजूद स्टोन एवं सूजन का सफल ऑपरेशन किया गया। इस तकनीक में आईसीजी डाई (इंडोसायनिन ग्रीन साइन।) का उपयोग किया गया, जिससे पित्त की थैली एवं उसके आस-पास के अंगों को ऑपरेशन के दौरान अलग-अलग रंगों में स्पष्ट रूप से देखा जा सका। यह तकनीक ऑपरेशन के दौरान मरीज की सुरक्षा को सुनिश्चित करती है।

तेज पेट दर्द की थी शिकायत

श्यामली कॉलोनी रांची की 30 वर्षीय महिला मरीज पिछले एक सप्ताह से तेज पेट दर्द की शिकायत कर रही थीं। जब उन्हें सदर अस्पताल लाया गया, तब जांच में पित्त की थैली में पथरी और सूजन की पुष्टि हुई। आधुनिक तकनीक से किए गए ऑपरेशन में न केवल सफलता प्राप्त हासिल की है। वहीं सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार ने भी टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग कर मरीजों को उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। मरीज की स्थिति अब सामान्य है और डॉक्टरों का कहना है कि अगर सब कुछ ठीक रहा तो जल्द ही अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी।

टीम में ये थे शामिल : ऑपरेशन करने वाली टीम में एडवांस लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. अजीत कुमार, एनेस्थेसिस्ट डॉ. चंदन झा, नेली सिस्टर, ओटी असिस्टेंट मंटू, नीरज, नंदिनी, सरिता, अमिता और समस्त ओटी स्टाफ मौजूद थे।

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड झारखंड की हुई मीटिंग

PHOTON NEWS RANCHI : ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड झारखंड की एक महत्वपूर्ण बैठक बोर्ड के झारखंड संयोजक डॉ. मजीद आलम की अध्यक्षता में आलम हॉस्पिटल कॉन्फ्रेंस हॉल में हुई। बैठक में उलेमा, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और बुद्धिजीवियों के एक बड़े समूह ने भाग लिया। झारखंड में मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के निर्देशानुसार, औकाफ की सुरक्षा के संबंध में जन जागरूकता पैदा करने की कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की गई। सभी लोगों ने संयोजक का समर्थन किया। आगामी मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सभी प्रकार के कार्यक्रमों में हर संभव सहयोग प्रदान करने तथा उसे सफल बनाने में मदद की

जाएगी। डॉ. मजीद आलम ने कहा कि जल्द ही झारखंड राज्य स्तर पर एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित होगा। इस बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 9 मई को मगरिब नमाज के बाद मेन रोड स्थित अंजुमन प्लाजा हॉल में एक महत्वपूर्ण बैठक होगी। प्रोग्राम की शुरुआत मजलिस उलेमा झारखंड के महासचिव हजरत मौलाना मुफ्ती तल्हा नदवी द्वारा पवित्र कुरान के पाठ से हुई।

पहलगाम आतंकी घटना पर कांग्रेस पार्टी का दोहरा चरित्र उजागर : वाजपेयी

PHOTON NEWS RANCHI : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रभारी डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने कांग्रेस पार्टी और इंडी गठबंधन की सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि जहां जहां देश में इंडी गठबंधन की सरकारें हैं, वहां पाकिस्तानियों को चिन्हित कर उन्हें उनके देश भेजने के लिए राज्य सरकार तत्परता नहीं दिखा रही। ऐसा लगता है कि उन पर तुष्टीकरण का भूत सवार है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने झारखंड के सभी जिलों में उपायुक्त को ज्ञापन सौंप कर राज्य में रह रहे पाकिस्तानियों को चिन्हित कर अविलंब वापस पाकिस्तान भेजने की मांग की है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते भाजपा नेता डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपेयी ● फोटोन न्यूज

भारत सरकार ने पहलगाम आतंकवादी घटना के बाद पाकिस्तानी नागरिकों के 14 प्रकार के वीजा को रद्द करते हुए अटारी बॉर्डर को इसी कार्य के लिए खोल रखा है। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी घटना पर कांग्रेस पार्टी का दोहरा चरित्र उजागर हुआ है। इतना ही नहीं कांग्रेस नेताओं के सुर रोज बदल रहे हैं। भारत सरकार की ओर से आयोजित सर्वदलीय बैठक में वे मोदी सरकार के निर्णयों के साथ आतंकवाद और पाकिस्तान पर कड़ी कार्रवाई का समर्थन करते हैं, जबकि कई वरिष्ठ नेता केंद्र सरकार और सेना की कार्रवाई पर सवाल भी खड़ा करने लगते हैं, जो इनकी पुरानी आदत है।

संविधान बचाओ रैली में आएंगे खड़गे, नेताओं संग करेंगे मंथन

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड प्रदेश कांग्रेस के तत्वाधान में मंगलवार को होनेवाली संविधान बचाओ रैली की सारी तैयारी पूरी कर ली गई है। पुराना विधान सभा के समक्ष मैदान में आयोजित संविधान बचाओ रैली झारखंड में मील का पत्थर साबित होगी। इस रैली में राज्य के सभी जिलों से कांग्रेस कार्यकर्ता और आम जनता की काफी संख्या में भागीदारी सुनिश्चित की गई है। प्रदेश कांग्रेस महासचिव सह मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने बताया कि इस रैली में शिरकत करने मंगलवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे अखिल भारतीय कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश

बघेल सहित कई बड़े नेता रांची पहुंच रहे हैं। वहीं आज अखिल भारतीय कांग्रेस कार्यसमिति सदस्य और झारखंड प्रभारी के राजू, गुरदीप सिंह सप्पल सोमवार को रांची पहुंच चुके है। उन्होंने बताया कि रैली के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ तमाम नेता होटल बीएनआर चाणक्या में जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी के साथ बैठक करेंगे। उसके बाद प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी की बैठक पूरी होने के बाद दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

रिम्स निदेशक डॉ.राजकुमार ने अधिकारियों के साथ की बैठक, दिया निर्देश-

सभी मरीजों के लिए जेनरिक दवाएं ही लिखें डॉक्टर

PHOTON NEWS RANCHI : रिम्स में भर्ती एवं आकस्मिक मरीजों को आवश्यक दवाओं, सर्जिकल कन्ज्युमेबल एवं इम्प्लांट की अनुपलब्धता की शिकायतों के मद्देनजर निदेशक डॉ. राजकुमार की अध्यक्षता में सोमवार को महत्वपूर्ण बैठक हुई। इसमें चिकित्सा अधीक्षक डॉ. हिरेंद्र बिरुआ, अपर चिकित्सा अधीक्षक, चिकित्सा उपाधीक्षक, प्रोक्योरमेंट पदाधिकारी तथा उप निदेशक वित्त शामिल हुए। मरीज हित में व्यवस्था में सुधार के लिए कई ठोस निर्णय लिए गए। निदेशक ने डॉक्टरों से मरीजों को जेनरिक दवाइयां ही लिखने का निर्देश दिया। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि पूर्व में कुछ विशेष श्रेणी की दवाओं के लिए प्रमाण आधारित जेनरिक दवाओं के प्रिस्क्रिप्शन हेतु निर्देश जारी किए जा चुके हैं, जिसका सभी को अनुपालन करना अनिवार्य होगा।

मॉनिटरिंग के लिए कंप्यूटर ऑपरेटर : निदेशक ने चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित किया कि वे एक योग्य कंप्यूटर ऑपरेटर की नियुक्ति सुनिश्चित करें, जो आकस्मिक दवाओं, ऑपरेशन थिएटर कन्ज्युमेबल, सुपर स्पेशियलिटी ड्रग्स आदि की निरंतर मॉनिटरिंग कर सके। साथ ही मरीजों को दवाइयों एवं सर्जिकल सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु एक एसओपी तैयार कर समर्पित करने के निर्देश दिए गए।

ऑनलाइन उपलब्ध है सूची

निदेशक ने बताया कि रिम्स में सभी दवाओं, सर्जिकल वस्तुओं और अन्य चिकित्सा सामग्रियों की सूची ऑनलाइन उपलब्ध है तथा इनकी वास्तविक स्थिति भी प्रदर्शित की जाती है। उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों और इकाई प्रभारियों को अपने अधीनस्थ चिकित्सकों और रेजीडेंट डॉक्टरों के माध्यम से ऑनलाइन मॉनिटरिंग करने और मांग पत्र स्टोर में समय पर समर्पित करने के निर्देश दिए।

अधिकारी के पास दो दिनों से ज्यादा न रहे फाइल

प्रोक्योरमेंट प्रक्रिया को तेज करने के उद्देश्य से निदेशक ने संबंधित पदाधिकारी को अर्जेंट लिखकर क्रय फाइलों की शीघ्र प्रक्रिया प्रारंभ करने को कहा है। साथ ही चेतावनी दी कि कोई भी फाइल दो दिन से अधिक समय तक किसी पदाधिकारी के पास लंबित नहीं रहनी चाहिए, अन्यथा उनसे जवाब तलब किया जाएगा। बैठक में यह भी चर्चा हुई कि आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत विपत्रों के लंबित होने के कारण दवाओं और सामग्रियों की उपलब्धता में समस्या आ रही है। इस पर निदेशक ने एक समिति का गठन किया है, जिसकी अध्यक्षता चिकित्सा अधीक्षक करेंगे। समिति में अपर चिकित्सा अधीक्षक, चिकित्सा उपाधीक्षक, प्रोक्योरमेंट पदाधिकारी और उप निदेशक वित्त को शामिल किया गया है। यह समिति सभी लंबित विपत्रों का सत्यापन कर शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करेगी।

जबरन धर्मांतरण पर संजय सेठ ने डीसी को लिखा पत्र, कहा- पीड़ित परिवार को दें सुरक्षा

PHOTON NEWS RANCHI : ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र के झीमड़ी में एक बच्ची के साथ जबरन धर्मांतरण और इसके बाद बढ़े मामले को लेकर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने सरायकेला के उपायुक्त को कड़ा पत्र लिखा है। पत्र में रक्षा राज्य मंत्री ने कहा है कि देश में उत्पन्न परिस्थितियों के चलते वे क्षेत्र नहीं आ पा रहे हैं, लेकिन ऐसी स्थिति में पीड़ित परिवार और संबंधित गांव की सुरक्षा जरूरी है। इसके लिए रक्षा राज्य मंत्री ने डीसी को भी निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि सरायकेला खरसावां जिले के झीमड़ी में एक बच्ची का ब्रेन वॉश कर जबरन धर्मांतरण का मामला सामने आया था। इस मामले में ग्रामीणों में भी जबरदस्त आक्रोश है। पीड़िता का पूरा परिवार मानसिक रूप से परेशान है। सेठ ने कहा कि मामले के समाधान से जुड़े कई विषयों पर जिला प्रशासन को सकारात्मक कदम उठाना चाहिए। वे अभी क्षेत्र में नहीं पा रहे हैं, लेकिन वहां की स्थिति पर उनकी नजर है। उक्त पीड़ित परिवार की शिक्षा, सुरक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य जैसे विषय चिंताजनक हैं। इस दिशा में जिला प्रशासन अपने स्तर पर पहल करते हुए ठोस कदम उठाए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पीड़ित बच्ची को उच्च शिक्षा के साथ सुरक्षित भविष्य के लिए रोजगार भी उपलब्ध हो और इस दिशा में प्राथमिकता के साथ जिला प्रशासन कार्य करे। उन्होंने डीसी को बच्ची के स्वास्थ्य संबंधी परेशानी को देखते हुए उच्च संस्थान में समुचित इलाज की व्यवस्था कराने को कहा है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्रों ने दी एक से बढ़कर एक प्रस्तुति

RANCHI : बिरसा मुंडा फन पार्क, रिलेशन और एक्टर्स माइंड एक्टिंग स्टूडियो के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को जेल पार्क रांची में सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कई छात्र छात्राओं ने हिस्सा लेकर प्रस्तुति दी। एक्टर्स माइंड एक्टिंग स्टूडियो के कलाकारों ने सामाजिक सरोकार के तहत झारखंड में युवाओं में बढ़ रहे नशा और इसके नुकसान को लेकर नुक्कड़ नाटक नशे को करें ना और जिंदगी को करें हां पेश किया। नुक्कड़ नाटक के जरिए युवाओं को नशा न करने और इसके दुष्प्रभाव को कलाकारों ने कहानी के तौर पर प्रस्तुत किया। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम में सोनिया मिश्रा ने निंबुड़ा - निंबुड़ा गाने पर नृत्य पेश किया।

समाचार सार

प. सिंहभूम के दो कबड्डी खिलाड़ी झारखंड टीम में

CHAIBASA : एमेच्योर कबड्डी ऑफ इंडिया द्वारा 9 से 12 मई तक महाराष्ट्र के देवली में आयोजित जूनियर राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसमें झारखंड की टीम भी भाग ले रही है। इसके लिए पिछले दिनों खूंटी में जूनियर स्टेट कबड्डी प्रतियोगिता हुई थी, जिसमें पश्चिमी सिंहभूम के दो खिलाड़ी अशोक सिरका व उज्जवल पाठक को झारखंड टीम में शामिल किया गया है। झारखंड टीम 7 मई को महाराष्ट्र रवाना होगी। झारखंड टीम में शामिल होने पर कोल्हान प्रभारी श्यामल दास, जिला सचिव अनु पुरती, अनूप प्रसाद, प्रदीप कुमार महतो, मुकेश कुमार, गौरचंद मुखी, कृष्णा महंती आदि ने दोनों को बधाई दी है।

सूरजमल जैन डीएवी स्कूल की दूसरी जीत

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में चल रही 14वीं ज्ञानचंद जैन अंतर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता के अंतर्गत सोमवार को खेले गए मैच में सूरजमल जैन डीएवी पब्लिक स्कूल चाईबासा ने आइडियल इंगलिश स्कूल जगन्नाथपुर को आठ विकेट से पराजित कर पूरे चार अंक हासिल किए। डीएवी चाईबासा की ये लगातार दूसरी जीत है। आज की जीत के साथ ही डीएवी चाईबासा की टीम अंक तालिका में आठ अंकों के साथ ग्रुप-सी में पहले स्थान पर पहूंच गई है। चाईबासा के बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए आज के मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आइडियल इंगलिश स्कूल की पूरी टीम 12.3 ओवर में 56 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। विकेटकीपर बल्लेबाज जुनू पुरती (10 रन) को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज दहाई अंक तक नहीं पहुंच पाया। वहीं, जीत के लिए लक्ष्य का पीछा करने उतरी डीएवी चाईबासा की टीम ने कप्तान हितेश वैद्य की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत 5.4 ओवर में मात्र दो विकेट के नुकसान पर 59 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया।

अधिवक्ताओं में बांटा गया स्वास्थ्य बीमा कार्ड

CHAIBASA : झारखंड सरकार अधिवक्ताओं का स्वास्थ्य बीमा कराने देश का पहला राज्य बन गया है। इसी कड़ी में सोमवार को अधिवक्ताओं में स्वास्थ्य बीमा कार्ड का वितरण किया गया। जिला बार एसोसिएशन के महासचिव फादर अगस्तीन कुल्लू व कोषाध्यक्ष दुर्योधन गोप ने कार्ड का वितरण किया। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता एन. बख्शी, अंकुर कुमार चौधरी, राजाराम गुप्ता, सुकुमार दरिपा, प्रमोद प्रसाद, सरफराज खान, संजीव ठाकुर, जयंती कुमारी, अनामिका गोप, मैगी देवगम, मधुमिता माइती आदि अधिवक्ता भी मौजूद थीं।

टोन्टो प्रखंड में दो सड़कों का हुआ शिलान्यास

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला अंतर्गत चाईबासा विधानसभा क्षेत्र के टोन्टो प्रखंड में सोमवार को दो सड़कों का शिलान्यास किया गया। मंत्री दीपक बिरुवा ने कहा कि ये सड़कें डीएमएफटी फंड से बनेंगी। एक सड़क रेंगड़ाहातु पंचायत के पालीसाई मुख्य सड़क से बुरुकुटी होते हुए पेरतोल तक और दूसरी सड़क टोन्टो हाटबाजार चौक से टेपाबेड़ा होते हुए कोड़ेजोड़ा तक बनेगी। इस मौके पर जिला परिषद् सदस्य राज तुबिड, प्रखंड उप प्रमुख मुक्ता लागुरी, दिनेश कुमार तुंबलिया, प्रकाश लागुरी, घनश्याम लागुरी, प्रदीप लागुरी, रामराई दोराईबुरु, लखन लागुरी, दिलीप लागुरी भी उपस्थित थे।

रग्बी टीम में प. सिंहभूम के दो खिलाड़ी चयनित

CHAIBASA : 6 से 9 मई तक बिहार की राजधानी पटना में होने वाले खेलो इंडिया यूथ गेम्स के लिए झारखंड रग्बी टीम में पश्चिमी सिंहभूम के दो खिलाड़ी बीरबल बिरुवा व अजित हेस्सा का चयन हुआ है। पश्चिमी सिंहभूम जिला के खिलाड़ी लगातार राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। जिला ओलंपिक एसोसिएशन के मुख्य संरक्षक सह रग्बी पश्चिमी सिंहभूम जिला के अध्यक्ष मंत्री दीपक विरुवा, जिला ओलंपिक एसोसिएशन के संरक्षक मुकुंद रुंगटा, अध्यक्ष अनिल खिरवाल, सचिव नितिन प्रकाश आदि ने दोनों खिलाड़ियों को शुभकामना दी है।

टाटानगर से चलने वाली 4 ट्रेनें आज रद्द

JAMSHEDPUR : चक्रधरपुर रेल मंडल के सीनी-कांड्रा सेक्शन में विकास कार्यों को लेकर ब्लॉक लिया गया है। इसके कारण मंगलवार को टाटानगर से चलने वाली 4 ट्रेनें रद्द रहेंगी। इसमें ट्रेन नंबर-18602/18601 टाटा-हटिया-टाटा एक्सप्रेस औ ट्रेन नंबर-58023/58024 टाटा-बरकाकाना-टाटा एक्सप्रेस शामिल हैं। इन ट्रेनों के रद्द होने से रांची और बरकाकाना की ओर जाने वाले काफी यात्रियों को परेशानी का सामना करना होगा।

टाटानगर-बरकाकाना पैसेंजर का ट्रेन नंबर बदला, समय भी

JAMSHEDPUR : ट्रेन संख्या 58023/58024 टाटानगर-बरकाकाना-टाटानगर पैसेंजर की ट्रेन संख्या में परिवर्तन किया गया है। यह ट्रेन अब ट्रेन नंबर-68085/68086 टाटानगर- बरकाकाना-टाटानगर मेमू पैसेंजर के रूप में 9 मई से चलेगी। ट्रेन संख्या 68085 टाटानगरझबरकाकाना मेमू टाटानगर स्टेशन से चलेगी। वहीं ट्रेन नंबर-68086 बरकाकाना-टाटानगर मेमू पैसेंजर 10 मई से बरकाकाना स्टेशन से चलेगी। यह ट्रेन टाटानगर से दोपहर 3 बजे खुलेगी, जो आदित्यपुर 3:07 बजे पहुंचेगी। गम्हरिया में दोपहर 3..15 बजे पहुंचेगी। ट्रेन मानीकुई, चांडिल होते हुए बरकाकाना जाएगी। चांडिल से बरकाकाना के बीच समय सारिणी पूर्ववत रहेगी।

रोटरी फेमिना ने किया रोट्रैक्ट क्लब का गठन

JAMSHEDPUR : बिष्टुपुर स्थित बुलेवर्ड होटल में रविवार को श्रीनाथ कॉलेज के रोट्रैक्ट क्लब का गठन किया गया। इसमें अध्यक्ष-अक्षत राठौर, निर्वाचित अध्यक्ष-सौरभ कुमार साहू, सचिव-प्रोदीप्ता रुईदास व कोषाध्यक्ष-नंद किशोर को मुख्य अतिथि पास्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोनाल्ड डिकोस्टा ने बधाई दी। मुख्य अतिथि ने समारोह के दौरान रोटरी पिन प्रदान कर नए कार्यकारिणी सदस्यों का गठन भी किया। इस मौके पर रोटरी क्लब ऑफ जमशेदपुर फेमिना की अध्यक्ष सीमा कुमार, सचिव श्वेता सिंह, पसम आडेसरा, पृथा दत्ता, गीता दुबे, शशि गाडिया, मोनीदीपा दंडपात, तजिंदर भामरा, वासंती रघुराम, पद्मा शिवा, कंचन प्रसाद, विनीता सरावगी, तरणजीत कौर, सुदेशना चटर्जी व श्रीनाथ कॉलेज की मॉडरेटर शालिनी ओझा भी उपस्थित थीं।

कार की टक्कर से दो किशोरों की मौत

पश्चिमी सिंहभूम जिले के जेटेया थाना क्षेत्र में रविवार की देर रात बाइक सवार हुए थे दुर्घटनाग्रस्त

- एक बाइक पर जा रहे थे तीनों, एक की हालत नाजुक
- कार की तलाश में सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के जेटेया थाना क्षेत्र अंतर्गत दुधबिला मोड़ के पास रविवार देर रात एक सड़क हादसे में दो किशोरों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा उस वक्त हुआ जब तीन युवक पल्सर बाइक से भोज कार्यक्रम से लौट रहे थे और तेज रफ्तार में आ रही एक अज्ञात कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। मृतकों की पहचान पोखरपी गांव निवासी गंगा लागुरी (16) और श्याम लागुरी (17) के रूप में हुई है। दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं तीसरा युवक, लालसिंह बंकिरा हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तत्काल इलाज के लिए नोवामुंडी के टाटा मेन हॉस्पिटल (टीएमएच) में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, तीनों युवक लोकेसाई गांव में भोज कार्यक्रम में शामिल होकर देर रात अपने गांव लौट रहे थे। रास्ते में वे दुधबिला गांव की ओर मुड़ गए। रात लगभग 12 बजे के आसपास दुधबिला मोड़ पर उनकी बाइक को बोलेरो ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और युवक सड़क पर गिर पड़े। लालसिंह खेत में जा गिरा जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही जेटेया थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए चाईबासा भेजा। वहीं घायल को एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया। घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है। पुलिस अज्ञात बोलेरो वाहन की तलाश में जुट गई है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। पुलिस पदाधिकारी के अनुसार अज्ञात वाहन के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है।

बागबेड़ा में गड्ढे में दबकर मजदूर की मौत

- जलापूर्ति की पाइपलाइन बिछाने के लिए खोदे जा रहे हैं गड्ढे, गीली मिट्टी के ढेर से दब गए दो मजदूर

एमजीएम अस्पताल पहुंचे परिजन • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JSR: बागबेड़ा थाना क्षेत्र स्थित प्रधानटोला में सोमवार को पाइपलाइन बिछाने के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया। पानी की पाइपलाइन के लिए की जा रही खोदाई के दौरान दो मजदूर गहरे गड्ढे में गिर गए, जिसमें मिट्टी में दबकर एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान प्रधानटोला निवासी 24 वर्षीय कृष्णा बास्के के रूप में हुई है। वह पहली बार मजदूरी करने गया था और दुर्भाग्यवश उसकी जान चली गई। बताया गया है कि वह तीन भाई-बहनों में सबसे छोटा था और पहले ही उसके एक भाई की मृत्यु हो चुकी है। घायल युवक का नाम पंचू बताया जा रहा है, जिसे स्थानीय लोगों ने काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला और इलाज के लिए अस्पताल भेजा। जानकारी के अनुसार खोदाई के दौरान मिट्टी अधिक गीली थी। दोनों मजदूर अचानक गड्ढे में फिसलकर गिर गए और उनके ऊपर भारी मात्रा में मिट्टी आ गिरी। कृष्णा की दम घुटने से घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि पंचू की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद प्रधानटोला इलाके में आक्रोश है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह हादसा ठेकेदार की लापरवाही के कारण हुआ। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि जिम्मेदार ठेकेदार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।

हादसे में स्कूटी सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल, एक की हालत नाजुक

एमजीएम अस्पताल में इलाजरत घायल

PHOTON NEWS JSR: बोड़ाम थाना क्षेत्र अंतर्गत हलुदबनी के सिदो-कान्हू चौक के पास रविवार की देर रात दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। इसमें स्कूटी सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना इतनी भयानक थी कि माटीगोड़ा निवासी दिनेश गोप के दाहिने पैर की घुटने की हड्डी टूट गई। वह काफी देर तक घटनास्थल पर ही घायल अवस्था में पड़ा रहा।

सूचना मिलने पर ग्राम प्रधान विनय नरेश मुर्मू ने अपने एक सहयोगी को मदद के लिए भेजा, लेकिन एंबुलेंस उपलब्ध न होने के कारण उपचार में देरी हुई। इस बीच, घायल अमूल्य सिंह के तुरियाबेड़ा स्थित चाचा को सूचना दी गई, जो टेंपो लेकर पहुंचे और रात 12 बजे के बाद दोनों घायलों को एमजीएम अस्पताल पहुंचाया गया।

घायलों की पहचान जादूगोड़ा थाना क्षेत्र के सीधाडांगा निवासी अमूल्य सिंह और माटीगोड़ा निवासी दिनेश गोप के रूप में हुई है। दोनों एक ही स्कूटी से लायलम गांव में अमूल्य सिंह के रिश्तेदार के घर जा रहे थे।

तुरियाबेड़ा निवासी लखीकांत सिंह ने बताया कि दिनेश गोप एक ठेका मजदूर है और जादूगोड़ा की एक कंपनी में काम करता है। उनका परिवार आर्थिक रूप से बेहद कमजोर है। दिनेश की पत्नी सोमवार को एमजीएम अस्पताल पहुंचीं, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें रिम्स रेफर कर दिया। परिजन एम्बुलेंस से दिनेश को रिम्स लेकर रवाना हो चुके हैं। स्थानीय विधायक सह मंत्री रामदास सोरेन को भी मामले की जानकारी देकर सहायता की अपील की गई है। फिलहाल, हादसे में शामिल कार की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

10 साल की बच्ची से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार, जांच में जुटी पुलिस

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र में एक 10 वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म का मामला आया है। यह घटना 3 मई की है। घटना के बाद आरोपी युवक ने इस बात कि जानकारी किसी को नहीं देने की धमकी दी थी। हालांकि, नाबालिग ने इस बात अपने माता-पिता को दी, फिर उन्होंने थाना में शिकायत दर्ज कराई। दर्ज मामले में परिजनों ने कहा कि उनकी बेटी के साथ गांव के ही युवक ने दुष्कर्म किया। शिकायत मिलते ही पुलिस ने विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी कर आरोपी को घटना के 24 घंटे में गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, आरोपी अमरजीत बोबोंगा (22) है। थाना प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि आरोपी को सजा दिलाने का पूरा प्रयास किया जाएगा। तमाम साक्ष्य जुटाए जा रहे हैंउ बच्ची का मेडिकल टेस्ट भी कराया गया है।

बीएड-एमएड की संयुक्त प्रवेश परीक्षा 11 को, केंद्र निर्धारित

JAMSHEDPUR : झारखंड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा परिषद ने बीएड, एमएड, बीपीएड और एमपीएड पाठ्यक्रमों में नामांकन के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा की नई तिथि घोषित कर दी है। अब यह परीक्षा 11 मई को पूरे राज्य में एक साथ होगी। पहले यह परीक्षा 20 अप्रैल को प्रस्तावित थी, लेकिन परिषद ने इसे स्थगित कर दिया था।

परीक्षा रांची, धनबाद, जमशेदपुर, बोकारो, दुमका, पलामू और हजारीबाग के परीक्षा केंद्रों पर ली जाएगी। जमशेदपुर में एक दर्जन से अधिक केंद्र बनाए जाएंगे। परीक्षा ओएमआर शीट पर आधारित होगी। इसमें 100 अंकों के बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जाएंगे। हर सही उत्तर पर 1 अंक मिलेगा। गलत उत्तर पर 0.25 अंक काटे जाएंगे। प्रश्न भाषा प्रवीणता, शिक्षण योग्यता और तर्क क्षमता से जुड़े होंगे। मेरिट लिस्ट प्राप्त अंकों के आधार पर बनेगी। इसी के आधार पर शैक्षणिक सत्र 2025-27 के लिए नामांकन होगा। परीक्षा का एडमिट कार्ड जल्द जारी किया जाएगा।

परिषद के अनुसार, 85 प्रतिशत सीटें झारखंड के विश्वविद्यालयों से उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित रहेंगी।

बाकी 15 प्रतिशत सीटें अन्य राज्यों के उम्मीदवारों के लिए खुली होंगी। यह परीक्षा राज्य के सरकारी और निजी बीएड संस्थानों में प्रवेश का मुख्य आधार होगी। परिषद ने अभ्यर्थियों से समय पर आवेदन और तैयारी पूरी करने की अपील की है।

टीबी होने पर झाड़-फूंक नहीं अस्पताल जाएं : जोबा मांझी

कार्यक्रम में लाभुकों के साथ सांसद व अन्य • फोटोन न्यूज

CHAKRADHARPUR : टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत सोमवार को चक्रधरपुर स्थित अनुमंडल अस्पताल में टीबी के 22 मरीजों में पोषण खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। इस मौके पर सांसद जोबा मांझी ने कहा कि बीमार होने पर डॉक्टर से इलाज कराएं, झाड़-फूंक के चक्कर में रोग नहीं बढ़ाएं। इस अभियान को जन-आंदोलन बनाने के लिए लोगों में जागरूकता पैदा करनी होगी। सभी को यह जानकारी होनी चाहिए कि टीबी के कीटाणु हर व्यक्ति के शरीर में मौजूद होते हैं। किसी कारणवश जब किसी व्यक्ति की रोग-प्रतिरोधी क्षमता कम हो जाती है, तो व्यक्ति में यह रोग दिखाई देता है। पोषण खाद्य सामग्री का वितरण सांसद के अलावा भगेरिया फाउंडेशन, प्रो. नागेश्वर प्रधान, सुनील सिंघानिया, पंकज पटेल, मंतोष प्रधान, प्रदीप भाई पटेल, समाज बीड़ी, मधुसूदन पब्लिक स्कूल, अंकित फाउंडेशन व उदय कुमार ने भी किया।

कंपनी भ्रमण के लिए सरकारी स्कूलों के 750 छात्र चयनित

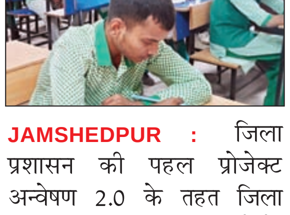

JAMSHEDPUR : जिला प्रशासन की पहल प्रोजेक्ट अन्वेषण 2.0 के तहत जिला अंतर्गत 25 सरकारी विद्यालयों के 750 बच्चे जमशेदपुर व आदित्यपुर स्थित विश्वप्रसिद्ध कंपनियों- संस्थाओं का एक्सपोजर विजिट करेंगे। इसके लिए सोमवार को सभी 25 विद्यालयों में आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा ली गई, जिसमें कक्षा 9-12वीं के बच्चे शामिल हुए। 8 मई को विजिट के दौरान बच्चों के समय पर आवागमन, भोजन आदि की व्यवस्था तथा उनकी स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर व्यापक तैयारी की गई है।

सड़क पर उतरे पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, भाजपा ने निकाली रैली

उपायुक्त कार्यालय के सामने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ रघुवर दास

JAMSHEDPUR : भाजपा, जमशेदपुर महानगर की ओर से सोमवार को पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास के नेतृत्व में रैली निकाली गई, जो उपायुक्त कार्यालय पहुंचकर विरोध प्रदर्शन में तब्दील हो गई। इस रैली में सांसद बिद्युत बरण महतो भी शामिल हुए। इस मौके पर जिला प्रशासन को ज्ञापन भी सौंपा गया। रघुवर दास ने कहा कि पहलगाम घटना के बाद केंद्र सरकार ने देश में वैध या अवैध रूप से रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों को भारत छोड़ने का निर्देश दिया है। ऐसे में राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि वह झारखंड में पाकिस्तानी नागरिकों को चिह्नित करे और उन्हें झारखंड ही नहीं, देश से बाहर निकाला जाए। रघुवर दास ने कहा कि झारखंड के सभी जिलों के प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिया जाए कि वह पकिस्तानियों को बाहर निकालें। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में बड़ी संख्या में बांग्लादेशी घुसपैठ हुई है। राज्य सरकार इन्हें भी बाहर करे। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार घुसपैठियों को संरक्षण दे रही है, जो देश की सुरक्षा के लिए खतरा है। इस मौके पर भाजपा कार्यकताओं ने पाकिस्तानी भारत छोड़ो... और वंदे मातरम... के नारे लगाए। पार्टी ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने जल्द कार्रवाई नहीं की, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

झालसा के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद के निर्देश पर किया अस्पताल का निरीक्षण

एमजीएम हादसे के पीड़ितों को जल्द मुआवजा दिलाएगी डालसा : जिला जज

अस्पताल का निरीक्षण करते सिविल कोर्ट के न्यायाधीश व डालसा के सदस्य • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JSR: झालसा के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद के निर्देश पर सिविल कोर्ट, जमशेदपुर के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अरविंद कुमार पांडेय ने सोमवार को एमजीएम अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकार जमशेदपुर के सचिव धर्मेंद्र कुमार, जज इंचार्ज सिद्धांत तिग्गा, डालसा के सहायक रवि मुर्मू, पीएलवी नागेंद्र कुमार व संजीत दास भी साथ थे। प्रधान जिला जज ने एमजीएम अस्पताल के मेडिसिन वार्ड के कॉरिडोर गिरने के मामले में अधीक्षक और उपाधीक्षक से जानकारी ली। इसके साथ ही अस्पताल के अन्य भवनों की हालत और इलाज की स्थिति देखी। हादसे में घायल व्यक्ति सुनील कुमार से मिलकर उनका हालचाल जाना और एक दूसरी वृद्ध महिला रेणुका देवी जो टीएमएच में भर्ती है, उसे देखने के लिए टीएमएच गए और उयसे मिलकर वस्तुस्थिति से अवगत हुए।

उन्होंने एमजीएम अस्पताल प्रबंधन के साथ समस्याओं पर भी चर्चा की और कहा कि हादसे में घायल मरीज एवं मृतक के परिवार को चिह्नित कर उचित मुआवजा व अन्य लाभ दिलाने में डालसा हरसंभव सहयोग करेगा। उन्होंने किसी समस्या के निदान के लिए डालसा से संपर्क करने की बात कही। जिला जज ने एमजीएम अस्पताल में घटित हादसे पर चिंता जाहिर की। अधीक्षक से सजग रहने को कहा, ताकि दोबारा ऐसी घटना न हो। वहीं, पत्रकारों से बात करते हुए अरविंद कुमार पांडेय ने कहा कि डीएलएसए की आगामी मीटिंग में एमजीएम अस्पताल के मामले पर भी चर्चा होगी। पीडितों को जल्द से जल्द मुआवजा दिलाने में सहयोग किया जाएगा। डीएलएसए देखेगी कि सबंधित एजेंसियां जल्द मुआवजा भुगतान करें।

एमजीएम हादसे के मृतकों का हुआ पोस्टमार्टम

एमजीएम अस्पताल के मेडिसिन वार्ड के कॉरिडोर हादसे में 3 मरीजों की मौत हो गई थी। इनके शवों का पोस्टमार्टम सोमवार को हुआ। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने श्रीचंद तांती, जो सरायकेला का रहने वाला था, उसके शव का पोस्टमार्टम कराकर पीएलवी नागेंद्र कुमार के प्रयास से उसके परिजन को सौंप दिया गया। दूसरा व्यक्ति सिदगोड़ा के सिंधु रोड के रहने वाले डेविड जॉनसन (70) थे। इनका पोस्टमार्टम कर दोपहर 12.30 बजे शव परिजनों को सौंप दिया गया। इनकी बहू अनीता जॉनसन ने बताया कि सोमवार को डेविड जॉनसन के शव को बेल्डीह क्रबिस्तान में दफना दिया गया। वहीं तीसरे मृतक रहे गदरा के रहने वाले लुकास साइमन तिर्की (61) का भी पोस्टमार्टम हो गया है।

चार सीएम व स्वास्थ्य मंत्री के बाद भी नहीं सुधरा

बिल्डिंग की छत गिरने से तीन मरीजों की मौत के बाद कोल्हान का सबसे बड़ा अस्पताल एमजीएम फिर चर्चा में है। कोल्हान से चार सीएम अर्जुन मुंडा, रघुवर दास, चम्पाई सोरेन, मधु कोड़ा, स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता भी रह चुके हैं। तकरीबन ये सभी कई बार एमजीएम अस्पताल पहुंचे। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता अपने मंत्रित्व काल में जब भी जमशेदपुर में रहते एमजीएम अस्पताल का मुआयना जरूर करते थे। बन्ना गुप्ता ने अपना एक स्थायी प्रतिनिधि तक एमजीएम में तैनात कर दिया था। इसके बाद भी एमजीएम की हालत में सुधार नहीं हो सका। ऐसा नहीं है कि एमजीएम अस्पताल बनने के बाद 60 साल तक यहां कोई मरम्मत का काम नहीं हुआ। एमजीएम के अधिकारियों के बैठने वाले प्रशासनिक भवन का जीर्णोद्धार पांच साल पहले कराया गया था। एमजीएम अस्पताल का भव्य गेट भी बना। मगर, जहां मरीजों के बेड थे, उसकी सुध लेने की कोशिश किसी ने नहीं की। न भाजपा सरकार ने और ना ही कांग्रेस-जेएमएम सरकार ने। किसी को एमजीएम अस्पताल का दर्द नहीं रहा।

BRIEF NEWS

वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ फारबिसगंज में 18 मई को जनसभा

ARARIA : वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा और बने वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ 18 मई को फारबिसगंज में एक जनसभा होगी,जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सचिव हजरत मौलाना उमरैन महफूज रहमानी साहब और वरिष्ठ पत्रकार जनाब शम्स तबरेज कासमी साहब शिरकत करेंगे। सभा की तैयारियों को लेकर सीमांचल अधिकार मंच की एक बैठक रामपुर दक्षिण स्थित न्यू कैरिडेबल पब्लिक स्कूल में सोमवार को आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता मौलाना फारूक साहब ने की। बैठक में दर्जनों बुद्धिजीवी, समाजसेवी, इमाम, मौलवी और आमलोग उपस्थित रहे। बैठक में वक्ताओं ने वक्फ संशोधन कानून को मुसलमानों की धार्मिक आजादी पर हमला करार दिया।

अपराधियों के हौसले बुलंद, प्रशासन का नहीं रहा खौफ : अरुण

BHAGALPUR : राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश प्रवक्ता अरुण कुमार यादव ने सोमवार को किराना व्यवसायी विनय गुप्ता की अपराधियों द्वारा गोली मारकर निर्मम हत्या किए जाने की घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि शासन प्रशासन का इकबाल खत्म होने पर ही बेखौफ होकर अपराधी दिन दहाड़े आपराधिक घटनाओं को अंजाम देता है। अपराधियों के मन से शासन प्रशासन का खौफ समाप्त हो चुका है। राजद प्रवक्ता ने कहा कि नवगछिया पुलिस जिला में ही नहीं बल्कि पूरे राज्यभर में अपराधी तांडव मचा रखा है। चारों तरफ हाहाकार मचा हुआ है, लोग अपराध और आपराधिक घटनाओं से त्राहिमाम हैं। चारों तरफ डर का माहौल कायम है। आपराधिक घटनाओं पर नियंत्रण पाने में पुलिस प्रशासन पूरी तरह विफल साबित हो रही है।

मोतिहारी एसपी ने भेलाही थानाध्यक्ष को किया निलंबित

EAST CHAMPARAN : जिले के एसपी स्वर्ण प्रभात ने एक बार फिर से भ्रष्टाचार के विरूद्ध तल्ख तेवर अख्तियार करते हुए भेलाही थानाध्यक्ष मो. शाहरुख को निलंबित किया है। दरअसल सीमाई क्षेत्र के भेलाही थाना में शाहरुख की पोस्टिंग की गई थी,जहां शराब सहित अन्य तस्करी पर लगाम लगाने का निर्देश दिया गया था। इस बीच एसएचओ शाहरुख के खिलाफ शराब माफिया से गठजोड़ और अवैध वसूली की शिकायत मिलने लगी थी। इसको लेकर एसपी ने डीएसपी प्रशिक्षु शिप्रा राजपूत को जांच का जिम्मा दिया था। लिहाजा डीएसपी की जांच में कई गंभीर आरोपों की जांच की गई, जिसमें कुछ सही पाए गए , इसका रिपोर्ट प्राप्त होते ही पुलिस कप्तान ने सीधे निलंबन का आदेश जारी किया है। एसपी ने बताया है कि शराब के विरुद्ध कारवाई करने में लापरवाही पुलिस अधिकारियों को महंगी पड़ेगी।

गोपालगंज से बिहारशरीफ के लिए भेजी जा रही थी चीनी

600 बोरा चीनी गायब, पुलिस ने तीन लोगों को किया गिरफ्तार

AGENCY NALANDA : बिहार के गोपालगंज से बिहारशरीफ के लिए भेजे गए चीनी लदे ट्रक से 600 बोरा चीनी गायब होने की घटना का पुलिस ने सफलतापूर्वक खुलासा कर लिया है। इस मामले में पटना जिले से तीन आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है और उनकी निशानदेही पर 55 बोरा चीनी भी बरामद की गई है। घटना का उद्भेदन जिला आसूचना इकाई और दीपनगर थाना की संयुक्त कार्रवाई से की गई है। उक्त आशय की जानकारी सोमवार को सदर आरक्षी उपाधीक्षक नुरुल हक ने दी। उन्होंने बताया कि बिहारशरीफ के व्यापारी सत्येंद्र कुमार ने 26 अप्रैल 2025 को दीपनगर थाना में आवेदन देकर बताया कि उन्होंने 12 लाख 88 हजार 665 रुपये का भुगतान कर 600 बोरा चीनी गोपालगंज से बिहारशरीफ लाने के लिए बुक किया था। यह माल 24 अप्रैल को ट्रक संख्या बीआर-28 जीए-9700 पर लोड होकर रवाना हुआ था। 25 अप्रैल को ड्राइवर ने फतुहा में होने की सूचना दी थी लेकिन

घटना की जानकारी देते सदर आरक्षी उपाधीक्षक नुरुल हक

इसके बाद उसका मोबाइल बंद हो गया। अगले दिन जीपीएस के आधार पर ट्रक खाली अवस्था में मामू भगीना मोड़ बिहारशरीफ में पाया गया।

इस सूचना पर दीपनगर थाना में मामला दर्ज कर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की थी। जांच के दौरान तकनीकी साक्ष्यों और अन्य पहलुओं से यह स्पष्ट हुआ कि घटना में ट्रक ड्राइवर की संलिप्तता है। इसके बाद जिला आसूचना इकाई और दीपनगर थाना की संयुक्त टीम ने 3 मई की रात से छापामारी अभियान चलाया। इस दौरान पटना जिले के विभिन्न स्थानों से तीन आरोपियों को गिरफ्तार भी किया गया है, जिसकी पहचान सत्यप्रकाश राय (32), ग्राम- दुल्ली घाट, थाना- खाजेकला प्रदीप कुमार (30), ग्राम- जल्ला रोड, थाना- आलमगंज, राकेश कुमार (37), साकिन- चैलीटॉड, गुलजारबाग, थाना- आलमगंज के निवासी के रूप में की गयी है।

पूछताछ में खुलासा हुआ कि राकेश कुमार पटना के गल्ला व्यवसायी गोलू कुमार का भाई है और उसी ने ड्राइवर के साथ मिलकर पूरे षड्यंत्र की साजिश रची थी। ट्रक को फतुहा पहुंचाकर उसमें लदी चीनी को दूसरी गाड़ियों में उतारकर विभिन्न स्थानों पर भेजा गया। बरामदगी के दौरान फिलहाल 55 बोरा चीनी जब्त की गई है। पुलिस के अनुसार इस घटना में अन्य लोगों की भी संलिप्तता सामने आई है, जिनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है और शेष चीनी की बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं।

सीमित ऊंचाई वाले सब-वे निर्माण के साथ इंफ्रास्ट्रक्चर का भी किया गया विकास

AGENCY BHAGALPUR : पूर्व रेलवे के मालदा मंडल द्वारा अधोसंरचना विकास और सुरक्षा उन्नयन की दिशा में लगातार सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में मालदा मंडल के इंजीनियरिंग विभाग ने भागलपुर/जमालपुर खंड में दो (02) सीमित ऊंचाई वाले सब-वे का सफलतापूर्वक निर्माण कार्य पूरा किया गया। ये सब-वे पहले से मौजूद समपार फाटकों के स्थान पर निर्मित किए गए हैं, जिससे सुरक्षा जोखिमों में उल्लेखनीय कमी आएगी और रेल तथा सड़क यातायात के बीच समन्वय और सुगमता सुनिश्चित होगी। पहला सबवे समपार संख्या 2/सी, नाथनगर और अकबरनगर स्टेशनों के बीच, के स्थान पर स्थापित किया गया है। इस संरचना में 10 बॉक्स सेगमेंट शामिल हैं,जिनमें से प्रत्येक का माप 6 मीटर X 4.65 मीटर है। दूसरा सबवे समपार संख्या 11, सुल्तानगंज और कल्याणपुर रोड स्टेशनों के मध्य, पर स्थापित किया गया है। जिसमें समान माप वाले सैगमेंट्स प्रयुक्त किए गए।

इन महत्त्वपूर्ण कार्यों के निष्पादन अप एवं डाउन दोनों लाइनों पर 7 घंटे का यातायात अवरोध अनुमोदित किया गया था, जिसे समयबद्ध रूप से सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया। इन प्रमुख सबवे कार्यों के साथ-साथ, इंजीनियरिंग विभाग द्वारा उक्त अवरोध अवधि का उपयोग अन्य आवश्यक ट्रैक रखरखाव एवं अधोसंरचना कार्यों के लिए भी कुशलतापूर्वक किया गया। कल्याणपुर रोड से रतनपुर स्टेशनों के बीच अप लाइन पर बैलेस्ट रेगुलेटर मशीन द्वारा 6400 ट्रैक मीटर कार्य किया गया। अभयपुर डाउन लूप लाइन में दो सेट स्विच एक्सपेंशन जॉइंट डाले गए और 10 स्विच एक्सपेंशन जॉइंट स्लीपरों का नवीनीकरण किया गया।

ग्रामीण आवास योजना में नालंदा के 2.8 लाख परिवारों का हुआ पंजीकरण

AGENCY NALANDA : प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत आवास विहीन परिवारों के पंजीकरण की अंतिम तिथि अब 15 मई तक बढ़ा दी गई है। ग्रामीण विकास विभाग ने उन लोगों को एक और मौका दिया है जो अब तक योजना के लिए अपना नाम दर्ज नहीं करा सके हैं। इस दौरान पात्र लाभार्थी अपना पंजीकरण करा कर योजना का लाभ ले सकते हैं। अब तक जिले में कुल 2 लाख 8 हजार 764 आवास विहीन परिवारों का पंजीकरण किया जा चुका है। इनमें से 1 लाख 85 हजार 915 परिवारों का पंजीकरण आवास सहायकों द्वारा किया गया है जबकि 22 हजार 849 लोगों ने स्वयं विभागीय पोर्टल पर अपनी जानकारी अपलोड की गयी है।

पंजीकृत के आंकड़ों के अनुसार, नूरसराय प्रखंड सर्वाधिक 22,817 आवास विहीन परिवारों के साथ पहले स्थान पर है। इसके बाद अस्थावां प्रखंड में 20,774 और इस्लामपुर प्रखंड में 16,161 परिवारों का सर्वे किया गया है।बताया जाता है कि सात साल बाद प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों की नई सूची तैयार की जा रही है। वही पंजीयन के आधार पर एक प्रतीक्षा सूची बनाई जाएगी जिसमें प्राथमिकता के आधार पर चयनित लाभार्थियों को पक्का मकान निर्माण के लिए 1.20 लाख रुपये की राशि प्रदान की जाती है।ग्रामीण विकास विभाग ने अपील की है कि जो परिवार अब तक वंचित रह गए हैं, वे 15 मई से पहले अपना पंजीयन अवश्य करवा लें ताकि उन्हें इस योजना का लाभ मिल सके।

व्यवसायी की हत्या के विरोध में बाजार बंद

AGENCY BHAGALPUR : पुलिस जिला नवगछिया के आदर्श थाना नवगछिया के बाजार में बीते रात व्यवसायी विनय गुप्ता के हत्या के विरोध में सोमवार को नवगछिया के बाजार बंद रहे। व्यवसायियों ने हत्या के विरोध में अपने प्रतिष्ठान बंद रखे और हत्यारे की अविलंब गिरफ्तारी की मांग की है।

नवगछिया के हड़िया पट्टी स्थित किराना दुकानदार विनय गुप्ता को अपराधियों ने सरेआम गोली मार दी। उस समय पूरा बाजार धीरे-धीरे सिमट रहा था। विनय गुप्ता अपनी दुकान बंद करने की तैयारी कर रहे थे। तभी एक अज्ञात युवक जिसने अपने चेहरे को रूमाल से ढक रखा था, दुकान में दाखिल हुआ और बेहद करीब से विनय गुप्ता की कनपटी में गोली दाग दी। गोली की आवाज से बाजार में दहशत का माहौल हो गया। पास के दुकानदार दौड़कर आए लेकिन तब तक हत्यारा दुर्गा मंदिर रोड होते हुए इत्मीनान से फरार हो चुका था। विनय गुप्ता एक सज्जन व्यवसायी, समाजसेवी और परिवार के स्तंभ नौ वर्ष पूर्व एक बच्ची वीरा को गोद लिया था। तीन साल पहले जुड़वा संतान राघव और एक बेटी का जन्म हुआ। उधर पत्नी रानी देवी का रो-रोकर बुरा हाल है।

बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले जमीन खरीद को लेकर बड़ा लेनदेन हुआ था, जिसमें विनय गुप्ता को धमकी भी दी जा रही थी। प्रथम दृष्टया हत्या को भाड़े के शूटर द्वारा अंजाम दिया गया प्रतीत हो रहा है। घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो चुकी है। पुलिस फुटेज खंगाल रही है। हत्या के विरोध में बाजार पूरी तरह बंद रहा। व्यवसायियों ने सड़कों पर उतरकर पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। घटना के बाद से राजनीतिक और सामाजिक नेतृत्व भी सक्रिय हो गए हैं।

श्रम विभाग ने बाल श्रमिक को कराया मुक्त

EAST CHAMPARAN : श्रम संसाधन विभाग बिहार के निर्देश के आलोक में एवं श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, मोतिहारी सदर के नेतृत्व में मोतिहारी सदर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत विशेष धावा दल ने विभिन्न प्रतिष्ठानों में सघन जाँच अभियान चलाया। जाँच के क्रम में मोतिहारी सदर प्रखंड के कुल–01 प्रतिष्ठान न्यू मोटरसाइकिल रिपेयरिंग से 01 बाल श्रमिक को धावा दल की टीम के द्वारा विमुक्त कराया गया। इस दौरान श्रम अधीक्षक रमाकांत ने कहा कि यह अभियान पूर्वी चंपारण जिला अंतर्गत लगातार क्रियाशील रहेगा। बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 के तहत सभी नियोजकों के विरूद्ध संबंधित थाने में प्राथमिकी दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है जबकि विमुक्त बाल श्रमिक को बाल कल्याण समिति, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी के समक्ष उपस्थापित कर उन्हें बाल गृह में रखा गया है।

श्रम अधीक्षक रमाकांत ने बताया कि बच्चों से प्रतिष्ठान में कार्य कराना बाल एवं किशोर श्रम प्रतिषेध एवं विनियमन के अंतर्गत गैर कानूनी है। बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 के अतर्गत बाल श्रमिकों से कार्य कराने वाले व्यक्तियों को 20 हजार रुपए से 50 हजार रुपए तक का जुमार्ना और 2 वर्षों तक का कारावास का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त सर्वोच्च न्यायालय के निदेश के आलोक में सभी नियोजकों से 20 हजार रुपए प्रति बाल श्रमिक की दर से राशि की वसूली की जाएगी।

बेतिया में सड़क पर बिछाया पाकिस्तान का झंडा, पुलिस ने लिया अपने कब्जे में

AGENCY PATNA : पहलगाम में हुए हमले के विरोध में बिहार के बेतिया से एक अनोखा मामला सामने आया है। यहां कुछ लोगों ने सड़क पर पाकिस्तान का झंडा बिछाकर सड़क पर चिपका दिया, जिस पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए झंडे को कब्जे में ले लिया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।साथ ही पुलिस ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। घटना बेतिया के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के घरदान पोखरा चौक की है। सोमवार को अज्ञात लोगों ने सड़क पर पाकिस्तान का झंडा बिछा कर चिपका दिया। जैसे ही पुलिस को इसकी सूचना मिली वह तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने झंडे को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस ने लोगों को समझाया कि

विरोध करने के कई तरीके हैं। सड़क पर झंडा बिछाना सही नहीं है। लोगों का मानना है कि बीते दिनों जम्मू कश्मीर के पहलगाम में निहत्थे पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले से नाराज किसी व्यक्ति ने सड़क पर पाकिस्तान का झंडा चिपका दिया। लोगों ने सड़क पर बिछाए गए पाकिस्तानी झंडे की तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी शेयर कीं। सदर के सब डिवीजनल पुलिस अफसर (एसडीपीओ) विवेक दीप ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज से सड़क पर बैनर चिपकाने वाले की पहचान करने की कोशिश हो रही है। मामले की जांच की जा रही है। मामले में नियम संगत कार्रवाई की जाएगी। मौके पर अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात कर दिए हैं, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

नीतीश के नेतृत्व में ही चुनाव लड़ा जाएगा : मनीष वर्मा

AGENCY PATNA : जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय महासचिव मनीष कुमार वर्मा ने भागलपुर के तीन दिवसीय दौरे के तीसरे दिन सोमवार को पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि नीतीश के नेतृत्व में ही आगामी विधानसभा चुनाव लड़ा जाएगा।

चुनाव को लेकर नेतृत्व के सवाल पर मनीष वर्मा ने कहा कि निश्चित रूप से राजग गठबंधन साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी, इसमें कोई संशय नहीं है। सभी मिलकर चुनाव की तैयारी भी कर रहे हैं और नेतृत्व नीतीश जी का ही रहेगा। जिसके नेतृत्व में चुनाव लड़ा जाता है, वही आगे भी नेतृत्व करता है, यह बात स्पष्ट है। मनीष वर्मा ने कहा कि नीतीश सरकार द्वारा किये गए विगत 20 वर्षों के काम को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर दिया जाएगा। पत्रकारों के जातिगत जनगणना पर

सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि 1931 से पहले तक जातिगत जनगणना होती रही है। कांग्रेस के शासन में इसको बंद कर दिया गया और बाद में किसी भी सरकार में कभी भी जातिगत जनगणना नहीं कराई गयी लेकिन हमारे मुख्यमंत्री प्रारंभ से ही जातिगत जनगणना के पक्ष में थे। उन्होंने संसद में कई बार जातिगत जनगणना को लेकर अपना विचार स्पष्ट किया था।

उन्होंने कहा कि बिहार में मुख्यमंत्री ने जातिगत जनगणना कराई भी, जिससे कि सभी वर्गों के सामाजिक-आर्थिक स्थिति का पता लगाकर, उन्हें जो लाभ मिलना चाहिए, उन्हें सबल बनाने के लिए जो प्रयास सरकार द्वारा किया जाना चाहिए, वो हो सके। उनकी स्थिति के हिसाब से उन्हें आरक्षण दिया जाए और उन्हें जरूरत के हिसाब से पॉलिसी बनाकर योजनाओं का लाभ प्रदान किया जाए। मुख्यमंत्री जी ने जाति का जनगणना बस दिखावे के लिए नहीं किया बल्कि उसकी रिपोर्ट भी सार्वजनिक की और उस हिसाब से काम भी प्रारंभ किया।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के स्वास्थ्य के प्रश्न पर मनीष वर्मा ने कहा कि तेजस्वी और प्रशांत किशोर, नीतीश कुमार के स्वास्थ्य पर प्रश्न उठाते हैं लेकिन उन्हें यह नहीं दिखता कि जब विगत वर्ष बाढ़ आई तो उन्होंने प्रत्येक बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में स्वयं जाकर वहां की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया, ये लोग तो जवान नेता होकर भी किसी ऐसे स्थान पर नहीं दिखे, उन्हें उनके स्वास्थ्य पर प्रश्न उठाने का अधिकार नहीं है। शराबबंदी को लेकर पूछे गए प्रश्न पर मनीष वर्मा ने कहा कि इसका परिणाम बहुत दूरगामी है।

'इंडियन पॉलिटी : ए क्रिटिकल अप्रेजल' विषयक संगोष्ठी में शामिल हुए राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, कहा -

पौराणिक परंपराएं और सांस्कृतिक सोच से चलती है शासन व्यवस्था

AGENCY NAVADA : बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा है कि पौराणिक परंपराएं तथा सांस्कृतिक सोच से भारत की शासन व्यवस्था चलती है। हमारे संविधान में भी परंपराओं की अहमियत दी गई। वे सोमवार को नवादा के त्रिवेणी सत्यभामा कॉलेज हिसुआ में राजनीतिक विज्ञान विभाग की ओर से 'इंडियन पॉलिटी ए क्रिटिकल अप्रेजल' विषयक संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में अपना विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि पहले शासन व्यवस्था राजतंत्र के रुप में चलती थी। इस व्यवस्था में एक भाई भी दूसरे भाई की हत्या कर खून की नदियां

कार्यक्रम को संबोधित करते राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान

बहाकर शासन व्यवस्था पर कब्जा करते थे। उन्होंने कहा कि शासन व्यवस्था चलाने के कई प्रकार रहे हैं,जिसमें से सबसे बेहतर प्रकार प्रजातांत्रिक व्यवस्था है, जो भारत में लागू है। उन्होंने कहा कि बिहार की वैशाली प्रजातंत्र की जननी रही है। इसके पूर्व भी ग्रामीण इलाकों में जनता का शासन पंचायती व्यवस्था के रूप में स्थापित रहा है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण परिवेश में समस्याओं का समाधान ग्रामीण खुद बैठकर पंचायत के माध्यम से कर लिया करते थे। उन्होंने कहा कि आज विश्व में प्रजातंत्र की रक्षा एक बहुत बड़ी चुनौती बन कर रह गई है, जिसकी अगुवाई भारत कर रहा है। मौके पर स्थानीय विधायक नीतू कुमारी ने त्रिवेणी सत्यभामा कॉलेज परिसर में मगध विश्वविद्यालय की शाखा खोलने तथा स्नातकोत्तर की पढ़ाई करने की मांग की। विधान पार्षद अशोक यादव ने भी राज्यपाल को स्मारपत्र देकर नवादा के सभी कॉलेजों में स्नातकोत्तर की पढ़ाई की मांग की। जिस पर राज्यपाल ने कहा कि मैं यहां कुछ बोलूंगा नहीं लेकिन नीतू जैसे विधायक की मांग कभी अधूरी नहीं जा सकती है।

समारोह को संबोधित करते हुए मगध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि त्रिवेणी सत्यभामा कॉलेज हिसुआ की मांगों पर विचार किया जाएगा। इसे जल्द पूरा करने की कोशिश होगी। इस अवसर पर राजनीतिक विज्ञान विभाग के प्राध्यापक तथा शिक्षक संघ के सचिव प्रोफेसर अंजनी कुमार ने राज्यपाल का स्वागत करते हुए त्रिवेणी सत्यभामा कॉलेज परिसर में मगध विश्वविद्यालय की शाखा खोलने की मांग की। उन्होंने शिक्षकों की समस्याओं को भी उठाते हुए अपने विचार रखें। राज्यपाल ने भारतीय राजनीति और सरकार के विभिन्न पहलुओं पर कई दृष्टिकोण से चर्चा की।

पंचायत सचिवों के प्रतिनिधिमंडल ने विधायक को सौंपा मांग पत्र

BHAGALPUR : विभिन्न मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर गए पंचायत सचिवों के प्रतिनिधिमंडल सोमवार को बिहपुर एनडीए कार्यालय में विधायक सह सत्तारूढ़ दल के सचेतक ई शैलेंद्र से मिले। इस दौरान उन्हें नौ सूत्री मांगों का ज्ञापन सौंपकर इसे सरकार तक पहुंचाने और मांगों को पूरा कराने की दिशा में सकारात्मक पहल करने की मांग किया। विधायक शैलेंद्र ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि आपके बातों को सरकार के संबंधित मंत्री तक पहुंचाएगें। जरूरत पड़ा तो मांग को विस के सदन में सरकार के समक्ष भी उठाने का काम करेगें। पंचायत सचिवों ने विधायक को बताया कि नौ मांगों में सरकार छह मांगों पर विचार करने की बात कह रही है, जबकि जो तीन प्रमुख मांग है।

दिव्यांग बच्चों के लिए दिव्यांगता पहचान शिविर का हुआ उद्घाटन

AGENCY KATIHAR : जिला बुनियाद केन्द्र कटिहार में सोमवार को दिव्यांग बच्चों की पहचान एवं प्रमाणीकरण के लिए आयोजित दिव्यांगता पहचान शिविर का उद्घाटन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश हेमंत कुमार त्रिपाठी और जिला पदाधिकारी मनेश कुमार मीणा ने किया। इस शिविर में 0 से 18 वर्ष आयु वर्ग के दिव्यांग बच्चों का दिव्यांगता प्रमाणीकरण, स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना तथा सरकारी योजनाओं से आच्छादन हेतु विशेष चिकित्सकों की टीम के द्वारा दिव्यांग बच्चों की पहचान और प्रमाणीकरण कर यूडीआईडी कार्ड का निर्माण किया जा रहा है। शिविर में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने दिव्यांग बच्चों

को ट्राईसाईकिल और व्हील चेयर का वितरण किया और उन्हें समाज के मुख्य धारा में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। जिला पदाधिकारी ने शिविर का निरीक्षण किया और शत-प्रतिशत लाभुकों को लाभ देने हेतु आवश्यक निर्देश दिए।

सिविल सर्जन जितेन्द्र नाथ सिंह ने बताया कि रोस्टर के अनुसार शिविर का उद्घाटन आज बुनियाद केन्द्र कटिहार में किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रतिनियुक्त चिकित्सक के द्वारा 07 मई को शिविर आयोजित की जाएगी।

सामुदायिक हिंसा का बढ़ता खतरा

भारत में हिंदुओं पर सामुदायिक हिंसा की बढ़ती घटनाओं ने सरकार और देश की सुरक्षा व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। अपने ही देश में बहुसंख्य हिंदू हिंसक घटनाओं का शिकार हो रहा है। वैसे सामुदायिक और नस्लीय हिंसा पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय है। लेकिन, भारत के आसपास पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हमले और हिंसा बढ़ गई हैं। नेपाल जैसे देश में भी रामनवमी जुलूस पर हिंसा को अंजाम दिया गया। भारत के पड़ोसी इस्लामिक देश में हिंदुओं की स्थिति बद से बदतर है, जबकि ये कभी भारत के हिस्सा थे। यहां हिंदुओं पर लगातार धार्मिक उत्पीड़न और हिंसा की घटनाओं ने भारत की चिंता को बढ़ा दिया है। आतंकवाद से लड़ रहे भारत के सामने सामुदायिक हिंसा की घटनाएं बड़ी चुनौती बन रहीं हैं। सबसे अहम मुद्दा यह है कि अपने देश में ही हिंदू बहुल होने के बाद भी वह सामुदायिक हिंसा का शिकार बन रहा है, जबकि चीन में उइगर मुसमानों का दमन किसी से छुपा नहीं है, लेकिन चीन के खिलाफ पाकिस्तान, बांग्लादेश खामोश हैं। कश्मीर के पहलगाम में हुआ नरसंहार इसका ताजा उदाहरण है। भारत में इस तरह की हिंसा के पीछे वोट बैंक के लिए राजनीतिक तुष्टीकरण सबसे बड़ी समस्या है। भारत में हिंदुओं पर हिंसक हमले इस्लामिक आतंकवाद की एक सोची-समझी रणनीति है। पाकिस्तान, बांग्लादेश में हिंदुओं का सफाया हो रहा है, जबकि अफगानिस्तान में हिंदुओं की आबादी गिनती पर आ गई है। भारत में इस तरह के सामुदायिक और धार्मिक दंगे भड़काने के लिए पाकिस्तान मूल रूप से जिम्मेदार है। लेकिन, हम इस तरह की बात कर अपनी जिम्मेदारी से बच भी नहीं सकते हैं। भारत इस्लामिक आतंकवाद से तो हमेशा से पीड़ित रहा है। लेकिन, हाल के वर्षों में राजनैतिक कारणों और उसके फैसलों से देश में सामुदायिक हिंसा, प्रदर्शन और पत्थरबाजी की घटनाएं बढ़ गई हैं। दोनों समुदायों में एक दूसरे के प्रति नफरत और डर का माहौल पैदा हुआ है। इस तरह की सामुदायिक हिंसा के पीछे सामाजिक, आर्थिक, राजनीति, सोशलमीडिया और धार्मिक कारण मुख्य हैं, जिसकी वजह से ऐसी घटनाएं देश के धार्मिक और सांप्रदायिक तानेबाने को विभाजित करती दिखती हैं। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को पाकिस्तानी आतंकवादियों ने जिस तरह निर्दोष पर्यटकों का नरसंहार किया, वह मानवता के खिलाफ है। इस हिंसा में 26 लोगों की मौत हुई और कई घायल हुए। आतंकवादियों ने न सिर्फ हिंदुओं को निशाना बनाया, बल्कि उनका धर्म पूछ कर उन्हें गोली मारी । हालांकि कश्मीर में इस नरसंहार को लेकर काफी गुस्सा देखा जा रहा है। इस बात पर भी गुस्सा है कि हमले में सिर्फ हिंदू मारे गए। लोगों का कहना है कि पर्यटकों की जान बचाने के लिए एक मुस्लिम भी मारा गया। अब पूरा कश्मीर पीड़ित परिवारों के साथ है। देश के कई हिस्सों में मुस्लिम संस्थाओं ने प्रदर्शन कर पाकिस्तान के खिलाफ नारेबाजी भी की है। इस साजिश के पीछे हाल में पाकिस्तान आर्मी चीफ जनरल कियानी की तरफ दिया गया वह उकसाऊ बयान भी अहम माना जा रहा है, जिसमें उन्होंने भारत व हिंदुओं के खिलाफ भड़काने वाला बयान दिया था। कियानी के बयान के ठीक कुछ दिन बाद पहलगाम में आतंकी हमला हुआ है, जिसमें पर्यटकों का धर्म पूछ कर नरसंहार किया गया। यह पाकिस्तान की सोची-समझी रणनीति है, क्योंकि वह भारत से सीधी जंग में कभी नहीं जीत सकता है। ऐसी स्थिति में वह हिंदुओं को निशाना बनाकर भारतीय मुसलमानों का मसीहा बनना चाहता है। खैबर पख्तून में बलोच आर्मी की तरफ से किए ट्रेन हाइजैक के पीछे वह भारत का हाथ मानता है, जिसकी वजह से वह बौखलाया था और बदले के लिए बेताब था। उधर कश्मीर में धारा 370 खत्म होने के बाद कश्मीर आहिस्ता-आहिस्ता विकास की मुख्यधारा में लौट रहा है। आतंकी घटनाएं कम हुई हैं। पर्यटकों की आमद बढ़ने लगी है। सेबों की खेती लहलाहने लगी है। यह सब देख पाकिस्तानी फौज में बौखलाहट है, जिसकी वजह से वह इस तरह की सामुदायिक हिंसा की साजिश रच रहा है। कश्मीर में सामुदायिक हिंसा की यह पहली घटना नहीं है। आतंकवादियों ने पुलवामा जैसी घटनाओं को अंजाम दिया है। कश्मीर में साल 2019 के बाद धारा 370 लागू होने के बाद यह पहली सबसे बड़ी आतंकी नरसंहार की घटना है। दूसरा अहम कारण ये कि कश्मीर के राजनैतिक और अलगाववादी कभी शांति और विकास नहीं चाहते हैं, क्योंकि धारा 370 खत्म होने के बाद उनकी तमाम स्वतंत्रता जहां बाधित हुई, वहीं आर्थिक नुकसान हुआ है। वहां के राजनेताओं और अलगाववादियों का पाकिस्तान प्रेम दुनिया में जगजाहिर है। इसके बावजूद धारा 370 का खात्मा, तीन तलाक कानून और वक्फ संशोधन जैसे राजनैतिक फैसले इस आग में घी का काम किया है। हालांकि यह आम मुसलमानों और कश्मीरियों की सोच नहीं है। यह सिर्फ अलगाववादियों की सोच है। इस घटना में केंद्र और राज्य सरकार अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकतीं। जब वहां काफी तादात में पर्यटकों की आमद हो रहीं थी तो पर्यटकों की सुरक्षा के लिए सेना और राज्य पुलिस के जवानों की तैनाती क्यों नहीं की गई। कियानी के विभाजनकारी संदेश को हमारी सरकार, खुफिया एजेंसिया और सुरक्षा एजेंसिया नहीं समझ पाई। ऐसे संवेदनशील पर्यटक स्थलों पर सुरक्षा के सख्त इंतजाम होने चाहिए थे। राज्य में इस तरह की घटनाएं पर्यटन उद्योग और उसकी संभावनाओं पर पानी फेरती हैं। हम अपनी चूक और नाकामियों से नहीं बच सकते। यह गंभीर मंथन का विषय है। कश्मीर के पर्यटन स्थलों पर हमें सुरक्षा व्यवस्था को सख्त रखना होगा। भविष्य में ऐसी स्थिति से बचने के लिए वहां सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने होंगे। यह हमला भारत की आत्मा पर है। यह राजनीति का वक्त नहीं है।

महिलाओं को मिली घूंघट से आजादी

ANALYSIS

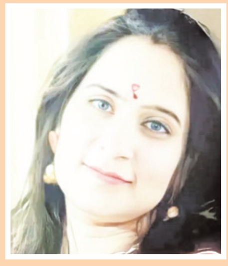

प्रियंका सौरभ

पिछले दिनों की एक रात। करीब रात आठ बजे का वक्त। ढाणी बीरन गांव की चौपाल पर बड़ी संख्या में पुरुष, महिलाएं और बच्चे इकट्ठा थे। धीमी हवाओं के बीच चारों तरफ टिमटिमाते दीयों और लालटेन की रोशनी के बीच माहौल में एक अजीब सी उत्तेजना थी। तभी बुजुर्ग धर्मपाल उठे और भारी आवाज में बोले, बेटी वह है जो हमारे घर को बढ़ाती है। हमारी बेटी भी किसी और के आंगन में रोशनी फैलाएगी। आज से हम प्रण लेते हैं कि किसी बहू-बेटी को यह नहीं कहेंगे कि घूंघट क्यों उतार रखा है। अगर कोई इसका विरोध करेगा तो पंचायत में उसके खिलाफ उचित निर्णय लिया जाएगा। चौपाल में बैठे तमाम लोगों ने एक साथ दोनों हाथ उठाकर इस संकल्प का समर्थन किया। यह महज समर्थन नहीं था, यह सदियों पुरानी एक मानसिकता की बेड़ियों को तोड़ने का सामूहिक निर्णय था। कविता ने दिखाई राह : गांव की सरपंच कविता देवी अब तक की परंपरा के चलते घूंघट में थीं। पंचायत के फैसले के बाद धीमे-धीमे आगे बढ़ीं। फिर सबकी नजरों के सामने उन्होंने घूंघट को सिर से पीछे सरका दिया। वह सिर ऊंचा किए, गर्व से मुस्कुराती रहीं।

हरियाणा के ढाणी बीरन गांव ने ऐतिहासिक पहल करते हुए बहू-बेटियों को घूंघट प्रथा से मुक्ति दिलाने का संकल्प लिया है। गांव के बुजुर्ग धर्मपाल की अगुवाई में पंचायत ने यह निर्णय लिया कि अब किसी महिला पर घूंघट डालने का दबाव नहीं डाला जाएगा। जो भी इसका विरोध करेगा, उसके खिलाफ पंचायत में कार्रवाई होगी। सरपंच कविता देवी ने खुद घूंघट हटाकर इस बदलाव की अगुवाई की। इस पहल ने गांव में महिलाओं को शिक्षा, रोजगार और सार्वजनिक जीवन में भागीदारी के लिए प्रेरित किया है। विरोध की कुछ आवाजों के बावजूद ढाणी बीरन ने सोच और परंपरा के बीच संतुलन बनाते हुए एक मिसाल कायम की है। यह कदम न केवल गांव, बल्कि पूरे प्रदेश में महिला सशक्तीकरण की दिशा में उम्मीद की किरण बना है। पिछले दिनों की एक रात। करीब रात आठ बजे का वक्त। ढाणी बीरन गांव की चौपाल पर बड़ी संख्या में पुरुष, महिलाएं और बच्चे इकट्ठा थे। धीमी हवाओं के बीच चारों तरफ टिमटिमाते दीयों और लालटेन की रोशनी के बीच माहौल में एक अजीब सी उत्तेजना थी। तभी बुजुर्ग धर्मपाल उठे और भारी आवाज में बोले, बेटी वह है जो हमारे घर को बढ़ाती है। हमारी बेटी भी किसी और के आंगन में रोशनी फैलाएगी। आज से हम प्रण लेते हैं कि किसी बहू-बेटी को यह नहीं कहेंगे कि घूंघट क्यों उतार रखा है। अगर कोई इसका विरोध करेगा तो पंचायत में उसके खिलाफ उचित निर्णय लिया जाएगा। चौपाल में बैठे तमाम लोगों ने एक साथ दोनों हाथ उठाकर इस संकल्प का समर्थन किया। यह महज समर्थन नहीं था, यह सदियों पुरानी एक मानसिकता की बेड़ियों को तोड़ने का सामूहिक निर्णय था। कविता ने दिखाई राह : गांव की सरपंच कविता देवी अब तक की परंपरा के चलते घूंघट में थीं। पंचायत के फैसले के बाद धीमे-धीमे आगे बढ़ीं। फिर सबकी नजरों के सामने उन्होंने घूंघट को सिर से पीछे सरका दिया। वह सिर ऊंचा किए, गर्व से मुस्कुराती रहीं। मानो सदियों का एक बोझ उनकी मुस्कान के नीचे झरता जा रहा हो। कविता देवी के इस साहसिक कदम ने बाकी महिलाओं के भीतर भी ऊर्जा फूंकी। धीरे-धीरे कई और महिलाएं, जो सिर से पल्लू हटाने से झिझकती थीं, चौपाल में खड़ी होकर बिना घूंघट के सामने आईं। ढाणी बीरन में एक नई कहानी लिखी गई। वह है घूंघट से आजादी की कहानी। हरियाणा जैसे राज्य में, जहां घूंघट को लंबे समय तक सम्मान और संस्कार की निशानी माना गया, वहीं दूसरी तरफ इस परंपरा ने महिलाओं की स्वतंत्रता और आत्मविश्वास पर अक्सर अनदेखे पहरे भी लगाए। बहू-बेटियों को घरों में सीमित करना, सार्वजनिक जीवन में उनकी भागीदारी कम करना -ये सब पर्दा प्रथा के अदृश्य दुष्परिणाम रहे हैं। लेकिन, ढाणी बीरन ने यह तय किया कि सम्मान का असली अर्थ नियंत्रण में नहीं, बल्कि बराबरी में है। गांव के बुजुर्ग धर्मपाल मानते हैं कि बदलाव अचानक नहीं आता। समझदारी से काम लेना होता है। अगर हम अपनी बहू-बेटियों को शिक्षा, रोजगार और निर्णय लेने का अवसर देना चाहते हैं, तो सबसे पहले हमें अपने सोच के पर्दे हटाने होंगे। इसी सोच ने पूरे गांव को एक नई दिशा दी। आज ढाणी बीरन के लोग न सिर्फ घूंघट उतारने की बात कर रहे हैं, बल्कि लड़कियों की पढ़ाई, महिलाओं की पंचायत में भागीदारी और आर्थिक आजादी को भी प्राथमिकता दे रहे हैं। सरपंच कविता देवी बताती हैं, पहले महिलाएं पंचायत की बैठक में भी परदे के पीछे से बोलती थीं। अब हम चाहती हैं कि बहनें-बहुएं खुलकर अपनी बात रखें। बेटी सिर्फ घर में चूल्हा जलाने के लिए नहीं है, वह गांव का भविष्य संवारने के लिए भी है। गांव में लड़कियों की स्कूल उपस्थिति बढ़ाने के लिए भी प्रयास हो रहे हैं। साक्षरता अभियान, स्वास्थ्य शिविर और महिला सशक्तीकरण पर जागरूकता कार्यक्रमों की योजना भी बनाई जा रही है। बेशक हर बदलाव का कुछ विरोध भी होता है। गांव के कुछ पुराने विचारों के लोग आज भी पर्दा प्रथा को छोड़ने में हिचकिचा रहे हैं। लेकिन, जब धर्मपाल जैसे बुजुर्ग, जिनकी आवाज गांव में सम्मान के साथ सुनी जाती है, खुले मंच से इस पहल का समर्थन करते हैं, तो विरोध स्वतः कमजोर पड़ने लगता है। धर्मपाल मुस्कुराते हुए कहते हैं, अगर घर की लक्ष्मी खुद को बांधकर रखेगी तो घर कैसे समृद्ध होगा। उड़ने दीजिए बेटियों को, वे नया आकाश रचेंगी। ढाणी बीरन की चौपाल पर जो दीप जलाया गया है, उसकी रोशनी सिर्फ इस गांव तक सीमित नहीं रहेगी। यह बदलाव दूसरे गांवों, कस्बों और जिलों के लिए भी एक मिसाल बनेगा। यह कहानी बताती है कि जब गांव का एक बुजुर्ग अपनी सोच बदलता है, जब सरपंच घूंघट उतारती है, जब महिलाएं डर छोड़कर मुस्कुराती हैं, तब असली क्रांति होती है और शायद आने वाले वर्षों में कोई बच्ची ढाणी बीरन के चौपाल पर खड़े होकर यह कहेगी, मेरे गांव ने मुझे घूंघट नहीं, हौसला दिया था। हम प्रण लेते हैं-किसी बहू-बेटी से घूंघट ना करने की आजादी छीनेंगे नहीं। महिलाओं को पंचायत, शिक्षा और रोजगार में बराबरी का अवसर देंगे। जो विरोध करेगा, उसके खिलाफ पंचायत में उचित निर्णय लिया जाएगा। ढाणी बीरन ने घूंघट नहीं, सोच का पर्दा हटाया है।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

आसमान पर छोटे लोगों की बड़ी उड़ान

इसी साल 27 अप्रैल को केंद्र सरकार की क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस)-उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) के आठ साल पूरे हुए हैं। मोदी सरकार ने 21 अक्टूबर 2016 को देश के आम नागरिकों के लिए उड़ान योजना की घोषणा की थी। इसकी पहली उड़ान 27 अप्रैल 2017 को शिमला और दिल्ली के बीच संचालित हुई थी। तब से अब तक 625 उड़ान मार्ग चालू किए गए हैं। यह योजना पूरे भारत में 90 हवाई अड्डों (दो जल हवाई अड्डों और 15 हेलीपोर्ट सहित) को जोड़ती है। अब तक 1.49 करोड़ से अधिक यात्री किफायती क्षेत्रीय हवाई यात्रा से लाभान्वित हुए हैं। यही नहीं देश का हवाई अड्डा नेटवर्क 2014 में 74 हवाई अड्डों से बढ़कर 2024 में 159 हवाई अड्डों तक पहुंच गया। यह एक दशक में दोगुने से भी अधिक है। वंचित एवं दूरदराज के क्षेत्रों में कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण के रूप में 4,023.37 करोड़ रुपये वितरित किए गए। उड़ान ने क्षेत्रीय पर्यटन, स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच और व्यापार को मजबूत किया। इससे टियर-2 और टियर-3 शहरों में आर्थिक विकास को बढ़ावा मिला। यह आंकड़े भारत सरकार के पत्र एवं सूचना कार्यालय (पीआईबी) से लिए गए हैं। पीआईबी ने 26 अप्रैल की विज्ञप्ति में उड़ान योजना पर विस्तार से चर्चा की है। विज्ञप्ति में कहा गया कि लंबे समय से आकांक्षाओं के प्रतीक के रूप में देखा जाने वाला आकाश कभी भारत में कई लोगों के लिए एक अप्राप्य सपना रहा है। इस अंतर को दूर करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने 21 अक्टूबर, 2016 को क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस)-उड़ान का शुभारंभ किया। यह प्रधानमंत्री के इस विजन पर आधारित है कि हवाई चप्पल पहनने वाला एक आम आदमी भी हवाई यात्रा करने में सक्षम होना चाहिए। उड़ान का उद्देश्य सभी के लिए उड़ान को सुलभ और किफायती बनाकर विमानन को बढ़ावा देना है। नागर विमानन मंत्रालय के माध्यम से इस प्रमुख योजना ने तब से भारत के क्षेत्रीय संपर्क परिदृश्य को बदल दिया है। आम नागरिक के लिए किफायती हवाई यात्रा का सपना 27 अप्रैल 2017 को पहली उड़ान के साथ साकार हुआ। यह ऐतिहासिक उड़ान ने शिमला की शांत पहाड़ियों को दिल्ली के हलचल भरे महानगर से जोड़ा। भारतीय विमानन क्षेत्र में एक परिवर्तनकारी यात्रा के साथ यह मील का पत्थर है। उड़ान की परिकल्पना राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन नीति 2016 के तहत की गई थी। इसका लक्ष्य 10 साल तय किया गया, ताकि टियर-2 और टियर-3 शहरों को बाजार संचालित लेकिन वित्तीय रूप से समर्थित मॉडल के माध्यम से जोड़ा जा सके। सरकार की इस योजना ने एयरलाइनों को रियायतों और व्यवहार्यता अंतर निधि के माध्यम से क्षेत्रीय मार्गों पर परिचालन करने के लिए प्रोत्साहित किया। इससे किफायती किराया और बेहतर पहुंच सुनिश्चित हुई। इन उड़ानों का लैंडिंग और पार्किंग शुल्क माफ किया गया है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण इन उड़ानों पर टर्मिनल नेविगेशन लैंडिंग शुल्क नहीं लगाता है। केंद्र सरकार ने पहले तीन वर्ष तक एविएशन टर्बाइन फ्यूल (पर उत्पाद शुल्क 2 प्रतिशत तक सीमित किया। राज्य सरकारों ने दस वर्षों के लिए आवश्यक सेवाएं कम दरों पर उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता दोहराई। इन आठ वर्षों में यह योजना कई चरणों से गुजरी है। पहली उड़ान के बाद पांच एयरलाइन संचालकों को 70 हवाई अड्डों के लिए 128 मार्ग आवंटित किए गए। इनमें 36 नए हवाई अड्डे भी शामिल हैं। 2018 में उड़ान 2.0 के तहत इसमें 73 कम जुड़ाव वाले और ऐसे क्षेत्र जिनसे जुड़ाव नहीं था उन हवाई अड्डों को शामिल किया गया। पहली बार हेलीपैड को भी उड़ान नेटवर्क से जोड़ा गया। अगले साल 2019 में उड़ान 3.0 के अंतर्गत पर्यटन मंत्रालय के समन्वय से पर्यटन मार्ग शुरू किए गए। जल हवाई अड्डों को जोड़ने के लिए समुद्री विमान परिचालन को शामिल किया गया। पूर्वोत्तर क्षेत्र के कई मार्गों को इस योजना से जोड़ा गया। 2020 में उड़ान 4.0 में पहाड़ी क्षेत्रों, पूर्वोत्तर राज्यों और द्वीप क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया। हेलीकॉप्टर और समुद्री विमान सेवा पर अधिक जोर दिया गया। अक्टूबर 2025 में उड़ान ने अपने 9वें वर्ष के प्रवेश में इस योजना ने महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की। इस यात्रा को अधिक समावेशी बनाने के दृष्टिकोण के अनुरूप कोलकाता और चेन्नई हवाई अड्डों पर किफायती यात्री कैफे शुरू किए गए। यहां 10 रुपये में चाय और 20 रुपये में समोसा मिलता है। इसमें कृषि उड़ान योजना से चार चांद जड़े। किसानों को सहायता प्रदान करने और कृषि-उत्पादों के लिए मूल्य प्राप्ति में सुधार करने के लिए बनाई गई कृषि उड़ान विशेष रूप से पूर्वोत्तर, पहाड़ी तथा आदिवासी क्षेत्रों से समय पर और लागत प्रभावी हवाई रसद की सुविधा प्रदान करती है। यह बहु-मंत्रालय योजना वर्तमान में 58 हवाई अड्डों को कवर करती है। केंद्र सरकार ने अगले पांच वर्षों में 50 नए हवाई अड्डे विकसित करने की प्रतिबद्धता जताई है। इसमें बिहार में नए ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे, पटना हवाई अड्डे का विस्तार और बिहटा में ब्राउनफील्ड हवाई अड्डे का विकास शामिल है। इसका उद्देश्य हवाई यात्रा और क्षेत्रीय विकास की भविष्य की मांग को पूरा करना है। सरकार का मानना है कि उड़ान नीति भर नहीं है। यह एक परिवर्तनकारी आंदोलन है। उड़ान ने भारत और इंडिया के बीच दूरी को समाप्त कर लाखों लोगों के लिए सस्ती हवाई यात्रा के सपने को साकार किया है। इसने न केवल दूरदराज के क्षेत्रों को राष्ट्रीय विमानन मानचित्र पर ला दिया है बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा दिया है। पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ पूरे देश में रोजगार का सृजन किया है।

Social Media Corner

सच के हक में...

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर जी को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं। शहरी बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने और भारत के बिजली क्षेत्र को मजबूत करने की दिशा में उनके प्रयास सराहनीय हैं। मैं उनके दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

पहलगाम में हुए हिंदू पर्यटकों पर कायराना आतंकी हमले के विरोध स्वरूप आज रांची में प्रदेश भाजपा द्वारा आयोजित विशाल आक्रोश प्रदर्शन में शामिल हुआ। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद अब और बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आतंक के सरपरस्त पाकिस्तान के किसी भी नागरिक के लिए हमारे देश की इस पवित्र भूमि में कोई जगह नहीं है। उन्हें बोरिया-बिस्तर समेटकर यहां से जाना ही होगा। भारत की आस्था, संस्कृति और अखंडता पर सुनियोजित प्रहार करने वाले आतंकियों को ऐसा जवाब दिया जाएगा, जिसकी वो कल्पना भी नहीं कर सकते।

(बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

पोत निर्माण में पिछड़ने का जोखिम

पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ बढ़े तनाव के बीच तमाम पहलुओं पर विचार किया जा रहा है। पाकिस्तान पर संभावित कार्रवाई के विकल्पों के बीच अतीत के पन्ने भी पलटे जा रहे हैं। ऐसा ही एक अध्याय नौसेना के ऑपरेशन ट्राइडेंट से जुड़ा है। भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान दिसंबर 1971 में भारतीय नौसेना ने कराची बंदरगाह पर औचक हमला कर दुश्मन को चौंका दिया था। उस हमले में तीन पाकिस्तानी पोत डुबो दिए गए। फ्यूल टैंक्स ध्वस्त किए गए। इसे भारत के सबसे सफल एवं आक्रामक नौसैनिक अभियानों में से एक माना जाता है। हालांकि इस सफलता से जुड़ी सुर्खियों में यह तथ्य कहीं दबकर रह गया कि उस कामयाबी में ओसा-क्लास मिसाइल नौकाओं और युद्धक सामग्री की अहम भूमिका रही, जो सोवियत मूल की थीं। भारत ने भले ही वह लड़ाई जीत ली हो, लेकिन उस युद्ध ने विदेशी नौसैन्य तकनीक पर हमारी निर्भरता को ही उजागर किया था। उसके दशकों बाद भी यह सामरिक नाजुक कड़ी कुछ वैसी ही बनी हुई है। इस बीच भारत के समक्ष सामुद्रिक मोर्चे पर चुनौतियां और बढ़ी हैं तब स्वदेशी स्तर पर शिपबिल्डिंग यानी पोत निर्माण की जरूरत कहीं ज्यादा बढ़ जाती है। यह केवल औद्योगिक आकांक्षाओं के दृष्टिकोण से ही नहीं, बल्कि समग्र राष्ट्रीय सुरक्षा की अनिवार्यता है। वैश्विक अनुभव देखें तो शिपबिल्डिंग में लाभ ही लाभ हैं। यह रोजगार सृजन और तकनीकी क्षमताएं बढ़ाने के साथ आर्थिक वृद्धि को गति देता है। कई आकलनों के अनुसार शिपबिल्डिंग में निवेश होने वाले 1000 करोड़ रुपये से 6,000 प्रत्यक्ष और 15,000 अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित हो सकते हैं। वैश्विक शिपबिल्डिंग बाजार का आकार करीब 145 अरब डालर है। इसमें 47 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ चीन, 29 प्रतिशत के साथ दक्षिण कोरिया और 15 प्रतिशत के साथ जापान का दबदबा है। इन तीनों देशों ने 2023 में विश्व की 90 प्रतिशत से अधिक मांग को पूरा किया, जबकि एक बड़ी तटरेखा वाले भारत की हिस्सेदारी एक प्रतिशत से भी कम रही। एक सशक्त शिपबिल्डिंग क्षेत्र केवल बंदरगाहों और सामुद्रिक आवाजाही को ही बेहतर नहीं बनाता, बल्कि इसके जरिये स्टील, इलेक्ट्रानिक्स, आइटी और अन्य कौशलों वाले व्यापारों को भी आगे बढ़ाने में मदद मिलती है। दक्षिण कोरिया जैसे देश ने पिछली सदी के अंतिम पड़ाव पर अपनी औद्योगिक जड़ों को गहरा करने में शिपबिल्डिंग को आधार बनाया। आज भारत के सामने भी वही स्थिति एवं अवसर विद्यमान हैं। भारत सरकार इन संभावनाओं को भुनाने के पूरे प्रयासों में भी जुटी है। वर्ष 2016 से 2021 के दौरान शिपबिल्डिंग फाइनेंशियल असिस्टेंस पालिसी के तहत 4,500 करोड़ रुपये की शिपबिल्डिंग सब्सिडी के साथ ही सागरमाला जैसे अभियान को गति प्रदान की गई है। इस साल के बजट में भी कई प्रविधान किए गए हैं, जिनका दीर्घकालिक उद्देश्य वर्ष 2047 तक भारत को शिपबिल्डिंग क्षेत्र में वैश्विक महारथी बनाने का है। मैरिटाइम डेवलपमेंट फंड यानी एमडीएफ जैसी पहल इन प्रयासों के केंद्र में है। सरकार जहां 25,000 करोड़ रुपये के इस कोष में 49 प्रतिशत का योगदान करेगी तो शेष राशि बंदरगाहों एवं निजी क्षेत्र के साझेदारों के जरिये आएगी। इस कोष के जरिये शिपबिल्डिंग और जहाजों की मरम्मत सुविधाएं विकसित करने के लिए दीर्घकालिक एवं किफायती पूंजी उपलब्ध होगी। इस पहल को नवगठित शिपबिल्डिंग फाइनेंशियल असिस्टेंस पालिसी से और मदद मिलेगी। इस योजना में 18,090 करोड़ रुपये के अंशदान से भारतीय शिपबिल्डिंग उद्योग को लागत प्रतिस्पर्धा की चुनौती से उबारने की तैयारी है। इसी कड़ी में एक निर्धारित सीमा से बड़े जहाजों को इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं का दर्जा दिया जाएगा। इससे उन्हें आसान वित्तीय संसाधन उपलब्ध होने के साथ उनकी अन्य बाधाएं दूर होंगी। सरकार ने घरेलू रिसाइक्लिंग उद्योग को बढ़ावा देने एवं देश में बने जहाजों की खरीद को बढ़ावा देने के लिए शिपब्रेकिंग क्रेडिट नोट स्कीम का एलान भी किया है। बजट में भी सार्वजनिक निजी भागीदारी-पीपीपी के तहत विशाल शिपबिल्डिंग क्लस्टर के निर्माण की राह तैयार की गई है।

आग और धुआं

मध्य कोलकाता स्थित बड़ाबाजार के मछुआ बाजार इलाके में एक होटल में लगी आग में दो बच्चों समेत 14 लोग मारे गए और 13 जख्मी हो गए। भीड़-भाड़ वाले इलाके तक पहुंचने में दमकल गाड़ियों को दिक्कत हुई। एक बार फिर, यही प्रतीत होता है कि धुआं भी आग की लपटों जितना ही प्राणघातक है, क्योंकि कई पीड़ितों का दम घुट गया। धुआं तेजी से ऊपर उठता है और इससे बचने के लिए इमारत के भूतल पर पहुंचने की जरूरत होगी। छह-तल्ला होटल में सिर्फ एक ही सीढ़ी थी और प्रथम तल पर भड़की आग ने भागने का रास्ता अवरुद्ध कर दिया। एक व्यक्ति की इमारत से कूदने के बाद मौत हो गई। बच निकलने का कोई दूसरा साधन मौजूद न होना अपने आप में अग्नि सुरक्षा मानदंडों का उल्लंघन है। गुरुवार को इसी तरह की त्रासदी राजस्थान के ऐतिहासिक कस्बे अजमेर में हुई। पांच-तल्ला होटल में भड़की आग से चार व्यक्तियों की मौत हो गयी। कुछ मेहमानों ने खिड़कियों से कूदने की कोशिश की और दमकल गाड़ियों को भीड़भाड़ वाले इलाके में पहुंचने में दिक्कत हुई। भीड़-भाड़ वाली इमारतों में विनाशकारी आग के चलते जान-माल का दुखद नुकसान पूरे भारत में परेशान करने वाली नियमित परिघटना बन गयी है, कोलकाता में तो खास तौर पर। वहां विपक्षी नेताओं ने 89 लोगों की जान लेने वाले साल 2011 के आमरी अस्पताल अग्निकांड से शुरू करके, पिछले डेढ़ दशक में कम-से-कम आठ बड़े अग्निकांड सही ही गिनाये हैं। मंगलवार के अग्निकांड के बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक गैस सिलेंडर धमाके की बात कही। उन्होंने भी यह कहा कि वहां सिर्फ एक सीढ़ी थी। ममता बनर्जी ने ऐसी अगलगी को ऐसे हादसे के रूप में पेश किया जिसे रोका नहीं जा सकता था। लेकिन, अजमेर और कोलकाता में हुई त्रासदियों को रोका जा सकता था और कहीं ज्यादा सक्षम तरीके से उनकी भयावहता कम की जा सकती थी।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

What inspires and limits us

Mind and body are the two pillars that sustain human existence. A sportsperson spends a lifetime perfecting his body to the demands of his chosen sport to achieve excellence. In the limitless vast space of the human mind, there is no goal which is not achievable. One can imagine flying to the Alps and conquering the Himalayas or falling into the depths of despair without blinking an eye. It is said if body and mind are in sync, no hurdle, howsoever difficult, is insurmountable.The world is a crucible in which human bodies are shaped and new ideas forged. If we assume that sport is a metaphor for life, one would realise that if the mind and the body work at cross-purposes, success can never be achieved. Sport is as much about how to deal with the fault lines of your emotional conditioning as it is about perfecting your physical skills.

Mindfulness is the new-age mantra, that magic potion which can keep you off all traumas of the past and anxieties of an imagined distressing future. Be present in the present and all worries will dissolve, the Buddha said 2,500 years ago. I am a regular visitor to a Buddhist meditation centre where, surprisingly, the young and restless flock more than those whom age has left withered and helpless. Fear of the future, endless distractions and very little human contact in a world driven by the faceless social media has forced them into searching for an escape route that their present life denies them.

Among the many young seeking stillness and training in single-pointed attention was a professional golfer. He was struggling with his game, which had more to do with an afflicted mind that lacked focus. He was not seeking salvation but ways to keep his mind reined in so that he could perform to his potential on a golf course. Many years later, I met one of India's most lethal strikers of the cricket ball, who is now retired from the game and like most of his ilk, spending his time playing golf. Many say he is so good that he can turn pro. Is he thinking of becoming a professional golfer? "No, I want to enjoy my golf. Don't want to take pressure anymore." Pressure on a man who hit six sixes in a T20 international? Success comes at a cost.The aspiring sportspersons require as much technical coaching as they need mind, or more appropriately, emotional coaching. Our five senses are our gateway to the world and every person has a unique neurology which gets expressed through verbal and non-verbal language. A distinctive psychological training method called the Neuro Linguistic Programme (NLP) to deal with the emotional issues that sportspersons have to deal with, puts these sensory perceptions at the centre of its research to resolve their problems. It is a field which deciphers a person's trauma through the body and muscular movements.One of the practitioners of this method is the bright, articulate Rukhsar Saleem, who is helping out with a hockey coaching programme being conducted at Delhi's Shivaji Stadium for underprivileged children by K Arumugam, better known for the hockey book he wrote on India's 1975 World Cup win.

Rukhsar was a business journalist who shifted gears, did her Masters course in NLP to understand human behaviour patterns and says that each person has a unique programming of neuro-linguistics in their bodies. One of the established facts of this programme is the dictum: "Feelings live in the mind (brain), emotions live in your muscles."According to her, three of the five senses — visual, auditory and kinaesthetic — are the robust and dominant ones to receive any information. Each person has an innate or acquired preference (either due to culture or practice) to imbibe information from the outside environment. "So a good coach identifies how that information has been received and helps the sportsperson use that as a resource and bypass un-resourceful information to optimise performance under pressure. For example, in the case of Virat Kohli, the ease in his body movements and the ability to keep seeing around the field even when he is not batting, are strong indicators of him being extremely visual and kinaesthetic.

ICYMI #TheTribune Opinion: Should we go in for war or do we have other alternatives

Measures taken by India, like halting water flow, blocking YouTube channels of famous Pakistani artistes and cricket stars, aim at crippling Pakistan

Amid heightened cross-border tensions following the Pahalgam terror attack, India has been exerting relentless pressure on Pakistan. Measures taken by India, like halting water flow, blocking YouTube channels of famous Pakistani artistes and cricket stars, banning imports and suspending shipping and postal services, are aimed at crippling Pakistan while keeping the military option as the last resort.That is the question The Tribune Editor-in-Chief Jyoti Malhotra has asked in her OPED piece How to solve a problem like Pakistan. With his 'friend' Donald Trump walking the middle path and his enemy Pakistan hell-bent on trying to internationalise the issue, PM Narendra Modi has the realisation that his legacy will be affected by how he deals with his belligerent, trouble-stoking western neighbour. The next few days, probably even weeks, are going to be the toughest for him, she writes.

Former DGP Punjab Julio Ribeiro offers a part solution about Kashmir through his article Win over locals to combat terror. He shares his own experience in Punjab, where farmers started informing the police about the presence of terrorists in villages that helped the police crack down on them. When a state is afflicted with terrorism, local conditions have to be studied before plans are made and in terrorism-affected areas, you can't let your guard down even for a moment.

Adding to the above perspective is the military standpoint of former deputy chief of army staff Lt Gen Harwant Singh (retd), who in his article Avoid strike against Pakistan. It could escalate into war. The better option is to prepare well at the LoC to face any mischief by Pakistan, which hasn't understood even after the suspension of the Indus Waters Treaty that it needs to focus on economic progress.Taking us further is the former Northern Army commander Lt Gen DS Hooda (retd) through his OPED article, Drones are changing war and India must catch up and he answers a pertinent question: Are we battle ready? Of course, we are. But it is a reality that drone warfare has become a central feature of modern combat so much so that special drone units and counter-drone units will have to be created within all three armed forces, he writes.

Meanwhile, former diplomat Syed Akbaruddin adds a different dimension to the issue. He writes in his article, Pakistan 's old playbook in a new crisis that our western neighbour is using the same old playbook—upping the ante at the time of a foreign dignitary's visit to India to draw international attention, holding post-midnight press conferences and crying wolf to draw attention to unimportant details, and asking for a neutral inquiry. But he writes that in India-Pakistan matters, sometimes backchannel diplomacy has proved effective.

Highlighting a more immediate and assertive policy shift, India suspended the Indus Waters Treaty that survived four wars, countless skirmishes and deep-rooted enmity. What message does it send? When core interests are threatened, no agreement is beyond revision writes Uttam Kumar Sinha in his article Indus Waters Treaty needs to be renewed.Let's shift focus from Pakistan to our eastern neighbour China. It is consistently trying to portray a picture of neutrality post-Pahalgam massacre, not to miss that it is supporting Pakistan as part of a transactional approach. In his OPED piece, China's calculated neutrality on Pahalgam, Jabin T Jacob writes that for the moment, China doesn't want to complicate ties with the US or India. The India-Pakistan conflict would drain both the countries and it is a win-win situation for China, he writes.Meanwhile, shifting from geopolitical tensions to the war of technologies being waged by various countries, science commentator Dinesh C Sharma gives warning signs to the Indian government in his article Don't miss the chip bus again. He writes that India should not neglect research & development for developing and testing semiconductor technology, which is the backbone of products ranging from automobiles, mobile phones, missiles, and whatnot. The Covid pandemic had triggered a shortage of semiconductor chips, which was the first wake-up call to India and now the tariff war is the second such warning. India needs to take a mission approach if it wants to stay in the race, and boost the economy, which in turn will boost our defence as well.

Voice of sanity

Massacre victim's widow roots for peace

IT's heartening to hear a voice of sanity when anger and hatred are sweeping the country after the Pahalgam massacre. Himanshi Narwal, whose husband, naval officer Lt Vinay Narwal, was gunned down by terrorists in the Baisaran meadow, wants nobody except the perpetrators punished. "We don't want people going after Muslims and Kashmiris," she said at a blood donation camp organised on May 1 to commemorate Vinay's birth anniversary. She chose the occasion to make a fervent appeal for peace and communal harmony, in stark contrast to the rabble-rousers who are baying for the blood of Muslims, particularly Kashmiris.Himanshi has sent out a clear message to the bigots who are exploiting a national tragedy to target a minority community. A disturbing case has been reported from Agra, where a self-proclaimed cow vigilante allegedly shot dead a Muslim biryani vendor and later declared on social media that the murder was 'retribution' for the

Pahalgam attack. The reluctance of political and religious leaders to condemn such vengeful crimes and hate speech is inexcusable — it threatens our secular fabric, which is already fraying at the edges.

The communal killings in Pahalgam were aimed at escalating Hindu-Muslim tensions and disturbing peace not only in J&K but across the country. Such nefarious designs can only be scuttled with a collective resolve. Gurmehar Kaur, whose father died fighting terrorists in J&K in 1999, has wisely said that the true defeat of terrorism comes when we refuse to let violence divide us. In the best interests of the nation, citizens should firmly shun those who are adding fuel to the fire. Central and state governments must crack down on the elements who are bent on making innocents pay for the heinous acts of terrorists. Only a united India can deal terrorism a crushing blow.

Diktat-orship of the bureaucratic mind

We have to contend with new rules every second day... These rules are made without any consultation with the stakeholders and usually lack any sense or logic

The jury may still be out on whether India is an elected dictatorship, but it should be unanimous on the fact that it is a bureaucratic diktat-orship. For the past few years, our ministries and their pen-pushers, denuded of any role in sane policy formulation, have been passing their time in issuing all kinds of diktats on a daily basis, with damaging effects on us citizens. So we have to contend with new rules every second day, on KYC, motor vehicles, FASTags, pollution under control (PUC) certificates, on PAN, Aadhaar, voter I-card, phone and electricity meter linkages, demat accounts, tax revisions, nominations and anything else that catches their fancy. These rules are made without any consultation with the stakeholders and usually lack any sense or logic. A few will suffice to prove my point.

Take the latest diktat in the NCR region: all vehicles should affix a petrol/diesel/EV sticker on their windshields so that the cops can identify them BVR (Beyond Visual Range) in the manner of fighter jets. Non-compliant vehicles will be denied PUCs and fuel, and will be fined, too, for good measure. To add to our misery and confusion, no one has a clue where these stickers are available! Even Grok cannot figure out why this is necessary. If the cops need to see everything at a glance, then soon we may be asked to stick everything on the windshield — driving licence, registration, insurance, PUC, Aadhaar and the wife's photograph. In which case accident fatalities will double to 300,000 per annum, since the driver won't be able to see anything through the windshield!Noida introduced a mandatory pets registration policy a couple of years back via an app. One has to feed in particulars (and a photo) of the pet, address, owner's name, vaccination proof. So far so good. But then, it also demands the owner's photo and Aadhaar details. Why, for God's sake? It is the dog which is being registered, not the owner, surely. And what happens if the owner's photo doesn't match that on the Aadhaar, or resembles that of the dog? I have a friend who looks uncannily like his pet, a pedigreed bulldog, and there's every chance of the two photos getting mixed up, in which case the app will probably insist that my friend take the anti-rabies and distemper shots too, as a matter of abundant caution! Why not keep the whole thing simple?

It would appear that Noida is exceptionally endowed with cerebral bureaucrats: sometime back, another diktat was issued that required all buildings on arterial roads to illuminate 30 per cent of their exterior facades at night, to present a beautiful nightscape. Another ill-thought-out intervention, and completely unnecessary at a time when power consumption is going up by almost 10 per cent per annum. It will add to the electricity bills of the residents, but even more important, it pushes up power consumption precisely at the time of day when the power load is at its highest! And it's all thermal power, because renewables are not available at night. Such a policy is in total contradiction to the national power policy, which is trying to reduce dependence on coal-based power, currently at 70 per cent of the total power generated. It also bucks the global trend of reducing city lighting so as to lessen the heat island effect, cause less disturbance to nocturnal creatures, especially birds, and lower the stress that excessive lighting causes to humans. Did the authorities even consider these factors, one wonders? Have they not heard of light pollution and the global trend to reduce it?There is now a wave among city administrations to ban the humble tandoor, allegedly because it adds to air pollution. Cities in MP, Maharashtra and UP have already issued orders to this effect. Tandoors are used primarily by bakeries and restaurants serving Mughlai food, and there would probably be a few hundred of them in every large city — as compared to millions of vehicles! I have not come across any report or study carried out by any of these cities to establish that tandoors are a major source of pollution, compared to the major polluters — vehicles, construction, road dust, burning of garbage and waste. Nothing meaningful is ever done to tackle the major polluters, but the tandoors are an easy target, as all low-hanging fruits are. The ban endangers one of our traditional, popular and distinctive forms of cuisine, one copied across the world: could that be the real motive behind these bans, I sometimes wonder? And will they also ban cooking at home since PNG/CNG also releases significant quantities of nitrogen dioxide, according to studies by the universities of Oxford and York? It is estimated that 40,000 persons die every year in the UK because of this. And cows too for good measure as their flatulence releases vast amounts of methane?As a popular meme goes, scientists tell us the universe is made up of protons, electrons and neurons. They forgot to mention morons. And protons and neurons don't stand a chance against them.

Why risk is relative, but caution is universal

New Delhi Sell in May and go away' is an old stock market adage. Studies over five decades on the US S&P 500, a benchmark index of top 500 American companies, show that returns were an average of 4% lower between May and October than between November and April in a year. That is primarily a case applicable to US markets due to local factors. This stock market strategy also affected financial markets that were dependent on global capital flows.

Over the past two years, India's stock markets have been less dependent on foreign capital flows as significant money has moved into equities from domestic retail and institutional investors. Domestic investors are bound to buy only Indian equities. As a result, their steady direct and indirect monthly flows put a cushion at the bottom. Even if foreigners sell, locals will not. They may not buy more equity only if valuations are rich. Now, the most significant risk to Indian markets is valuation. Both foreign and domestic investors think Indian markets are richly valued compared to their profit growth prospects.

That brings us to the issue of risk in the market. The stock market is driven by greed and fear. Right now, despite rich valuations, foreigners are buying more Indian equities. They are trying to find quality companies that still offer good entry points. While valuation as a risk is a relative term, it is probably the consideration. India is probably the least affected country by the Trump trade wars. In the latest World Economic Outlook, the International Monetary Fund, a global lending agency, has marginally cut India's growth rate for 2025-26. India remains the fastest-growing large economy at 6.2% (rather than 6.5% previously).

World Bank ED Parameswaran Iyer to represent India at IMF board

New Delhi. Parameswaran Iyer, Executive Director at the World Bank, has been temporarily entrusted with the responsibility of being India's nominee director on the board of International Monetary Fund (IMF) ahead of a crucial May 9 meeting, sources said.

Iyer's nomination was necessitated to fill a vacancy created with the termination of services of K V Subramanian as the executive director at the IMF, six months ahead of his three-year tenure.

The government's decision assumes significance as the IMF Executive Board will meet on May 9, to take a call on a new USD 1.3 billion loan under a climate resilience loan programme, along with the first review of the ongoing USD 7 billion bailout package for Pakistan.It is to be noted that India is making efforts to corner Pakistan diplomatically and at various global fora as New Delhi believes its involvement in the Pahalgam terror attack that led to killing of 26 tourists last month.According to sources, had India not nominated Iyer, the alternate executive director Harischandra Pahath Kumbure Gedara of Sri Lanka would have discharged duties of ED as per the rules of the Washington-based multilateral funding agency.The Appointments Committee of the Cabinet has terminated Subramanian's services effective April 30, 2025.

Ather Energy IPO to list tomorrow. Check allotment status, latest GMP

NEW DELHI. Ather Energy is all set to debut on the stock market tomorrow, Tuesday, May 6, following the finalisation of its IPO allotment process.

The Bengaluru-based electric scooter maker, backed by investors like Tiger Global, is preparing for its market debut amid mixed signals from the grey market.

LATEST GMP

As of Monday, the grey market premium (GMP) for Ather Energy stood at Rs 7 per share, indicating an expected listing price of around Rs 328, which is just 2.18% higher than the upper price band of Rs 321.The modest premium reflects a slight cooling from earlier expectations, as the GMP has gradually declined in recent sessions, suggesting a muted or flat debut for the stock.

CHECK ALLOTMENT STATUS

For those who applied for the IPO, allotment results have been finalised. If you've been allocated shares, they'll be credited to your demat account today, May 5.Refunds for non-allottees are also being processed today. Want to double-check your status? You can do that via:BSE Website

Visit bseindia.com

Select 'Equity' and choose 'Ather Energy Limited'

Enter your application number and PAN

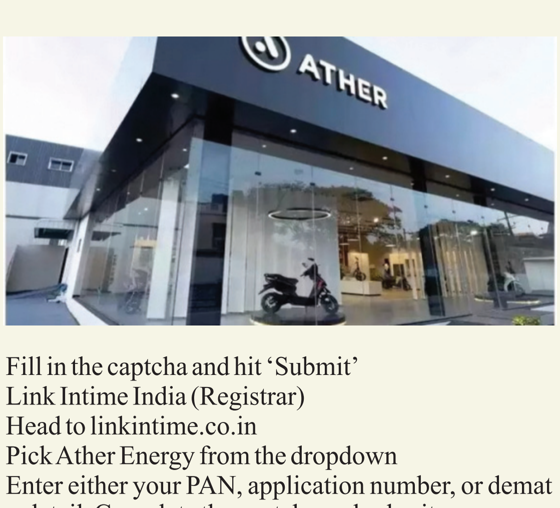

Fill in the captcha and hit 'Submit'

Link Intime India (Registrar)

Head to linkintime.co.in

Pick Ather Energy from the dropdown

Enter either your PAN, application number, or demat detailsComplete the captcha and submit

Ather IPO subscription details

Ather Energy's IPO, which ran from April 28 to April 30, involved a mix of fresh equity worth Rs 2,626 crore and an offer for sale (OFS) of 1.1 crore shares.The IPO saw a 1.43x subscription rate by the end of Day 3, with retail investors subscribing 1.78 times, qualified institutional buyers (QIBs) at 1.70 times, and non-institutional investors (NIIs) at 0.66 times.

Adani Ports shares jump 7% after Q4 results. Check target price, other details

Adani Ports stock climbed to Rs 1,355 from its previous close of Rs 1,267.05, up 6.90% on the Bombay Stock Exchange (BSE). The upmove came after the company reported robust March quarter earnings and posted healthy operational growth in April, prompting several brokerages to raise their target prices.

New Delhi. Shares of Adani Ports and Special Economic Zone (APSEZ) rallied nearly 7% on Monday, leading the broader surge in Adani Group stocks.The stock climbed to Rs 1,355 from its previous close of Rs 1,267.05, up 6.90% on the Bombay Stock Exchange (BSE). The upmove came after the company reported robust March quarter earnings and posted healthy operational growth in April, prompting several brokerages to raise their target prices.Adani Ports reported a 50% year-on-year jump in consolidated net profit at Rs 3,023 crore for Q4FY25. Revenue from operations grew 23% to Rs 8,488 crore, while EBITDA rose 24% to Rs 5,006 crore, driven by volume growth and margin expansion.In its April business update, the company said it handled 37.5 million metric tonnes of cargo, up 4% year-on-year, led by a 21% rise in container volumes and an 8% uptick in liquids and gas. Logistics rail volumes rose 17%, and GPWIS cargo moved up 4% compared to last year.

Brokerages were quick to respond. Nuvama Institutional Equities maintained its buy call on Adani Ports with a target price of Rs 1,810, citing robust growth from the marine and logistics segments and a confident FY26 outlook.Motilal Oswal also retained its buying rating, projecting the company to grow at 1.5 to 2 times India's cargo volume over the next few years. The brokerage said the logistics business would strengthen last-mile connectivity and forecast an 11% growth in cargo volumes between FY25 and

FY27. It set a price target of Rs 1,550.The rally wasn't limited to Adani Ports. Shares of Adani Enterprises gained 3.5% to Rs 2,372.85 after the company posted a staggering 753% year-on-year jump in consolidated net profit at Rs 3,845 crore in Q4.While revenue declined 8% to Rs 26,966 crore, the board recommended a dividend of Rs 1.30 per share for FY25.Adani Green Energy also participated in the rally, rising 3.35% to Rs 936. The company reported a 53.3% jump in net profit at Rs 230 crore, with revenue up 20.8% at Rs 3,053 crore. Its EBITDA rose 30% to Rs 2,382 crore, with margns expanding to 78%.

Analysts highlighted the company's robust commissioning of 3.3 GW capacity during FY25 and its strong pipeline of 33 GW locked-in capacity. Emkay Global maintained its buy rating with a target of Rs 1,500, while ICICI Securities pegged its fair value at Rs 1,150.Adani Power gained nearly 3% despite reporting a 4% decline in Q4 net profit to Rs 2,637 crore. Revenue rose 6.5% year-on-year to Rs 14,237 crore. The company's full-year capacity stood at 17.6 GW, and the management reiterated its target of ramping up to 30.7 GW by 2030. Jefferies retained a buy rating with a target of Rs 690, while Ventura Securities cited the urgency of bolstering thermal power in the face of rising electricity demand and forecasted a target of Rs 806.Shares of Adani Total Gas rose 4.35% to Rs 625.15 in early trade, while Adani Energy Solutions jumped over 3% to Rs 935.65.

Kotak Mahindra Bank tumbles over 5% after Q4 miss. Buy, hold or sell

New Delhi. Kotak Mahindra Bank shares tumbled more than 5 percent on Monday after the lender's March quarter earnings fell short of expectations, prompting multiple brokerages to downgrade the stock.Despite some positives in asset quality, softer loan growth and pressure on core income metrics weighed on investor sentiment, especially after the recent rally in the stock.Net interest income (NII), pre-provision operating profit (PPOP), and net profit all missed consensus estimates in Q4, raising concerns over near-term growth momentum. While asset quality improved—with slippages easing for a second straight quarter and the provision coverage ratio (PCR) climbing from 73% to 78% —analysts flagged valuation concerns.Nomura India downgraded the stock to 'Neutral', citing limited upside from current levels. "KMB now trades at 1.9 times FY27 estimated book value per share. We see constrained upside and revise our target to Rs 2,200 from Rs 2,110," it said in a note.Brokerage Nirmal Bang echoed a similar view. After a 15% rally in the past two months, the upside appears capped. "The slowdown in loan growth in Q4FY25 is concerning. We are downgrading the stock from 'Buy' to 'Hold'," it said.Nuvama flagged the

weakest core NII growth among large private peers, up just 1 percent sequentially and 8 percent year-on-year, missing estimates by 2.5%. "Despite a 20% rally post Q3 earnings and positives on growth and NIM, the current valuation looks stretched. We raise our EPS and target price to Rs 2,350 (2.7x FY26E BV) but downgrade to 'Hold'," it said.

HDFC Institutional Equities maintained its bullish view, albeit with slightly moderated expectations. "We cut FY25 and FY26 earnings estimates by 2% due to pressure on margins and modest growth. However, we maintain a 'Buy' rating, revising our SOTP-based target price to Rs 2,325," the brokerage said. It added that Kotak's ambitions to become the third-largest private bank would keep investments elevated.Meanwhile, Motilal Oswal Financial Services retained a 'Buy' rating with a more aggressive target of Rs 2,500. It said growth is likely to rebound to 1.5–2 times nominal GDP over the medium term, led by stronger traction in consumer and unsecured loans. The brokerage also sees the recent lifting of the RBI's card issuance ban as a positive that could boost customer acquisition and help sustain yields as interest rates decline.

Sensex rises over 500 points. 3 reasons why stock market is rising

New Delhi.Benchmark stock market indices extended gains after a strong opening on Monday. The BSE Sensex was trading 516.47 points higher at 81,018.46, while the NSE Nifty50 was up 170.15 points to 24,516.85 at 10:37 am.Most of the broader market indices also gained during the session, indicating the positive momentum on Dalal Street.Here are the three major reasons why the stock market is rising today:After being aggressive sellers earlier this year, foreign portfolio investors (FPIs) have flipped to strong buyers over the past few weeks. In just 12 sessions, they've pumped over Rs 40,000 crore into Indian equities, reversing the Rs 1.29 lakh crore worth of outflows seen in the first three months of 2025.Dr. VK Vijayakumar, Chief Investment Strategist at Geojit Financial Services, said, "This marks a major pivot in FII strategy and will impart resilience to the market."

Analysts say this FPI pivot, driven by a stable rupee, sector rotation, and improved dollar-adjusted returns, is lending resilience to the rally.

Robust macro trends and GST windfall

India's macro backdrop is strengthening. GST collections hit a record Rs 2.37 lakh crore in April, up 12.6% year-on-year, signalling buoyant consumption and tax compliance.

Meanwhile, the dollar index has dropped sharply—from 111 in January to below 100—easing pressure on emerging markets. Softer crude prices and a stable currency have also added to India's relative attractiveness.

Improving global sentiment and technical optimismOptimism around a possible thaw in global trade tensions, especially between the US and China, has lifted investor mood. Domestically, Q4 results have been largely positive, and analysts see room for the rally to extend. Gift Nifty trends and Wall Street's nine-session winning streak also set a strong tone.

On the charts, bulls are now eyeing a break above 24,858, with support seen near 24,150.Despite lingering geopolitical concerns following India–Pakistan border skirmishes.

SBI share price dips nearly 2% after Q4 profit miss. Buy, hold or sell

New Delhi. Shares of State Bank of India (SBI) slipped nearly 2% in early trade on Monday after the lender reported weaker-than-expected earnings for the March quarter.SBI's share price was down 1.54% to Rs 787.75 on the Bombay Stock Exchange (BSE) at 10:04 am. Earlier in the trading session, the stock declined to Rs 783 on the BSE, marking its sixth consecutive session in the red. It has now lost over 2.16% in the past five trading days, though it remains up more than 5% in the last month.The public sector lender reported a 10% year-on-year decline in net profit for the fourth quarter of FY25, coming in at Rs 18,642.6 crore compared to Rs 20,698.4 crore in the year-ago period. The miss on the bottom line was driven largely by a contraction in margins and an increase in provisioning, even as operational performance remained strong.

Net interest income (NII) rose 2.7% year-on-year to Rs 42,775 crore, but pressure on margins was evident with the net interest margin (NIM) on domestic loans falling by 32 basis points to 3.15%. Operating profit for the quarter came in at Rs 31,286 crore, up nearly 9% from the previous year, reflecting strength in core banking operations.The bank's asset quality improved further, with gross non-performing assets (NPAs) declining to 1.82% and net NPAs easing to 0.47%. Loan loss provisions, however, rose 20.3% to Rs 3,964 crore, weighing on net profitability. Loan growth moderated to 12% year-on-year, largely due to repayments in the corporate segment, while deposit growth remained sluggish at around 9 to 10%.SBI also declared a dividend of Rs 15.90 per share along with its earnings report, which could provide some relief to investors amid the muted numbers.

BUY, HOLD OR SELL?

Despite the earnings miss, most brokerages remain positive on SBI's long-term prospects. JPMorgan has maintained an 'Overweight' rating on the stock with a price target of Rs 915, expecting any dip triggered by short-term margin pressure to present a buying opportunity.CLSA has an 'Outperform' rating with a higher price target of Rs 1,050, though it has trimmed earnings estimates by 4 percent, citing slower loan growth and some compression in margins. Bernstein remains more cautious, assigning a 'Market-Perform' rating and a target of Rs 900, while UBS has a 'Neutral' call with a target of Rs 840.

Emkay Global has cut its FY26-27 earnings estimates by 4 to 5 percent and revised its price target down from Rs 1,025 to Rs 975, but continues to recommend a 'Buy.

India-UK trade pact talks may take more time as certain issues remain unresolved: Sources

India-UK Trade Deal: The three pacts under negotiation are -- FTA, bilateral investment agreement (BIT), and social security pact (officially dubbed as Double Contribution Convention Agreement).

New Delhi. The conclusion of negotiations for three pacts, including the proposed free trade agreement (FTA) between India and the UK may take some more time, as both sides are yet to resolve certain outstanding issues, sources said.

There are four or five issues in the three pacts that the two countries are negotiating, they added. The three pacts under negotiation are — FTA, bilateral investment agreement (BIT), and social security pact (officially dubbed as Double Contribution Convention Agreement).The progress of talks were recently reviewed during meetings between Commerce and Industry Minister Piyush Goyal and UK Secretary of State for Business and Trade Jonathan Reynolds last week in London."Certain critical issues are still there. Some more meetings would happen," one of the sources said.Issues that may need some more discussions included sunset clause in the BIT, UK's new carbon tax, and data localisation.The two sides were preparing to announce the closure of these negotiations on April 29 in London but differences cropped up at the last minute.oyal concluded his two-day visit to London on April 29. He then visited Oslo (Norway) and Brussels before returning to London on May 2. The minister is reaching the national capital on Sunday.Finance Minister Nirmala Sitharaman on April 9 wrapped up the 13th Ministerial India-UK Economic and Financial Dialogue (EFD) with her British counterpart Chancellor Rachel Reeves on a positive note and expressed eagerness to conclude the agreement negotiations soon.Earlier on February 24, Goyal and UK Secretary of State for Business and Trade Jonathan Reynolds had announced the resumption of negotiations for the proposed FTA between the countries.

The talks resumed after a gap of over eight months. So far, 14 rounds of talks have been completed which were launched on January 13, 2022.In FTAs, two countries

either eliminate or significantly reduce customs duties on maximum goods traded between them. They also ease norms for promoting trade in services and bilateral investments.The Indian industry is demanding greater access for its skilled professionals from sectors like IT and healthcare in the UK market, besides market access for several goods at nil customs duty.On the other hand, the UK is seeking a significant cut in import duties on goods such as scotch whiskey, electric vehicles, lamb meat, chocolates, and certain confectionary items.Britain is also looking for more opportunities for UK services in Indian markets in segments like telecommunications, legal and financial services, including banking and insurance.There are 26 chapters in the agreement, which includes goods, services, investments and intellectual property rights.The bilateral trade between India and the UK increased to USD 21.34 billion in 2023-24 from USD 20.36 billion in 2022-23. The average duty on goods imported from India into the UK is 4.2 per cent.According to economic think tank GTRI, items including textiles, apparel (shirts, trousers, women's dresses, bed linen), footwear, carpets, cars, marine products, grapes, and mangoes would benefit from the pact, as these products face relatively low to moderate tariffs in the UK.

As Pahalgam's poster child of justice faces hate, women panel's tough message

The outpouring of support for Himanshi Narwal, wife of a Navy officer killed in the Pahalgam terror attack, soon turned into hate on social media after she asked people not to target Muslims and Kashmiris.

NEW DELHI. Sitting in stoic silence beside the body of her Navy officer husband, killed in the Pahalgam terror attack, she became the face of the tragedy. However, the outpouring of support for Himanshi Narwal soon turned into hate on social media after she asked people not to target Muslims and Kashmiris.Amid relentless trolls and abuse, the National Commission for Women (NCW) has eventually stepped in, urging restraint. In a strongly worded statement, the women's panel asserted that it was wrong to troll a woman based on her ideological expression or personal life.

"After the death of Lieutenant Vinay Narwal, the way his wife Himanshi Narwal is being criticised on social media in relation to one of her statements is unfortunate and condemnable," the NCW statement posted on X said.The NCW said disagreement must always be expressed with decency and within constitutional limits even though it admitted that her remarks might not have resonated with many people."Targeting a woman for her ideological

expression or personal life in such a manner is completely unacceptable," the NCW said even as it underlined that the country was "hurt and angry" by the heinous act in Pahalgam.

WHAT HIMANSHI NARWAL SAID

The online hate against Himanshi started with an interview last week. Despite being in grief, Himanshi emphasised that people should not target Muslims and Kashmiris for the Pahalgam attack, which left 26 dead."We don't want people going after Muslims and Kashmiris. We want peace and justice. People who have done wrong with him should be punished," Himanshi, who was married just six days before the attack, said.Her comments soon invited a wave of criticism on social media, which supported her just a week ago as her image went viral from the Baisaran meadow.

While one user claimed she was using the incident as an opportunity to "climb the social and political ladder", another asked "what changed her mind". "She should have been shot," another user commented.

Some even pointed out how she could look so "stable" in videos following the attack, saying "she never seemed shocked"."It feels it was a set-up with her involvement. Security agencies should check her background," another said. A third remarked, "This is not secularism. This is openly supporting Islamist terrorists and their actions."However, Himanshi received support from All India Majlis-e-Ittehadul Muslimeen (AIMIM) chief Asaduddin Owaisi and thousands of others on social media.

India begins work on 2 hydropower projects in Kashmir, blindsides Pak: Report

NEW DELHI. India has begun work to boost reservoir holding capacity at two hydroelectric projects in the Himalayan region of Kashmir, sources with knowledge of the matter told Reuters, after fresh tension with Pakistan led it to suspend a water-sharing pact.The work represents the first tangible step by India to operate outside agreements covered by the Indus Waters Treaty, unbroken since 1960 despite three wars and several other conflicts between the nuclear-armed rivals.

Last month, however, New Delhi suspended the pact that ensures supply to 80 per cent of Pakistani farms after an attack in Kashmir killed 26, and it identified two of the three assailants as Pakistani.Islamabad has threatened international legal action over the suspension and denied any role in the attack, warning, "Any attempt to stop or divert the flow of water belonging to Pakistan ... will be considered as an act of war".A "reservoir flushing" process to remove sediment began on Thursday, carried out by India's biggest hydropower company, state-run NHPC Ltd and authorities in the federal territory of Jammu and Kashmir, the three sources said.The work may not immediately threaten supply to Pakistan, which depends on rivers flowing through India for much of its irrigation and hydropower, but it could eventually be affected if other projects launch similar efforts.

There are more than half a dozen such projects in the region.

India did not inform Pakistan about the work at the Salal and Baglihar projects, which is being done for the first time since they were built in 1987 and 2008/09, respectively, as the treaty had blocked such work, the sources added.They spoke on condition of anonymity as they were not authorised to talk to the media.

India's NHPC and the neighbouring governments did not reply to emails from Reuters to seek comment.

Since independence from British colonial rule in 1947, India and Pakistan have fought two of their three wars over Kashmir, in addition to numerous short conflicts.The flushing operation ran for three days from May 1, the sources said."This is the first time such an exercise has taken place and will help in more efficient power generation and prevent damage to turbines," one of the sources told Reuters.

"We were also asked to open the adjustable gates for cleaning, which we did from May 1," the source said, adding that the effort aimed to free dam operation from any restrictions.People living on the banks of the Chenab river in Jammu and Kashmir said they noticed water had been released from both Salal and Baglihar dams from Thursday to Saturday.

'FREE WILL'

The flushing of hydropower projects requires nearly emptying a reservoir to force out sediments whose build-up is a major cause of decline in output.For example, two of the sources said, power delivered by the 690-MegaWatt Salal project was far below its capacity, because Pakistan had prevented such flushing, while silting also hit output at the 900-MW Baglihar project.

Ex-Haryana Congress MLA arrested by ED in Rs 1,500-crore money laundering case

New Delhi. The Enforcement Directorate has arrested former Haryana Congress MLA Dharam Singh Chhoker from Delhi in connection with a major money laundering case. Chhoker and his company are accused of laundering nearly Rs 1,500 crore under the Deen Dayal Awas Yojana.Sikandar Singh, along with his father, is accused of defrauding over 1,500 home buyers and siphoning Rs 400 crore by booking fake construction expenditures in a real estate firm. He was arrested by the Enforcement Directorate in March last year. However, he was seen roaming freely outside a hospital in Rohtak in October last year, despite ongoing legal battles.In March 2024, Sikandar was arrested by the ED, but after his bail plea was rejected by the Punjab and Haryana High Court, he reportedly faked illness to avoid jail time. The ED took control of the investigation in 2023 after an FIR was filed by the Gurugram police, accusing the duo of orchestrating a large-scale fraud through their company, Mihira Group.

Their project in Sector 68, Gurugram, aimed at affordable housing, failed to deliver, despite collecting approximately Rs 363 crore from homebuyers.

Why not Fatehpur Sikri also? Top court rejects Mughal heir's claim on Red Fort

New Delhi. The Supreme Court on Monday rejected a petition filed by a woman who claimed to be the descendant of Mughal emperor Bahadur Shah Zafar and sought the possession of the Red Fort, citing her lineage.Calling the petition completely misconceived, a bench of Chief Justice of India (CJI) Sanjiv Khanna and Justice PV Sanjay Kumar said, "Why only Red Fort? Why not Fatehpur Sikri? Why leave them also? Writ is completely misconceived. Dismissed," the court said, according to a Bar and Bench report.

The petition was filed by one Sultana Begum, who claimed to be the widow of the great-grandson of Bahadur Shah Zafar. Zafar was the last ruler of the Mughal dynasty.

The petitioner asked the top court not to dismiss the plea on the grounds of merit. Begum argued that even the Delhi High Court had dismissed her plea on grounds of delay.However, the top court rejected her request. "No, dismissed," the bench ordered.

Last year, a division bench of the Delhi High Court dismissed Begum's plea, citing a delay of over 900 days in approaching it after it was rejected by a single-judge bench.Begum first moved the High Court in 2021, arguing that her family had been deprived of their property by the British after the first War of Independence in 1857.

After the war, Zafar, who became the face of the Indian rebellion, was exiled to Rangoon (now Yangon in Myanmar). He died in 1862.Begum claimed the possession of the Red Fort was then taken away from the Mughals.

Jammu jails on high alert, security tightened after intel on terror strike: Sources

These jails currently house several high-profile terrorists and their associates, who are known to provide support to terrorists through logistical help, shelter, and by facilitating their movement, even if they are not directly involved in attacks.

New Delhi. Sources have indicated a possible threat of terror strikes on jails in Jammu and Kashmir, prompting a significant increase in security measures. Intelligence inputs suggest that high-security facilities such as Srinagar Central Jail and Kot Balwal Jail in Jammu could be potential targets.These jails currently house several high-profile terrorists and sleeper cell members, who are known to provide support to terrorists through logistical help, shelter, and by facilitating their movement, even if they are not directly involved in attacks.

In connection with the ongoing Pahalgam terror probe in which 26 people died, the National Investigation Agency (NIA) recently questioned

terror associates Nisar and Mushtaq, who were also linked to an Army vehicle attack case. Following the intelligence alerts, the security setup of the jails was reviewed, and measures have been strengthened to prevent any untoward incident.

According to sources, the Director General of the Central Industrial Security Force (CISF) met with top officials of the security grid in Srinagar on Sunday to assess the situation. The CISF took over the security of Jammu and Kashmir jails from the CRPF in October 2023.More than a week after the Pahalgam attack, NIA sources earlier indicated that the terrorists may still be hiding in south Kashmir.Sources closely tracking the investigation said there is credible input suggesting that more terrorists may still be hiding in the region. They added that during the attack on April 22 in Pahalgam's Baisaran valley, there were suspicions of additional terrorists maintaining a distance, possibly to provide cover-fire in case security forces attempted a rapid response.

Congress leader taunts Centre with nimbu-mirchi on toy Rafale, BJP feels the burn

New Delhi. A political firestorm erupted on Monday after Uttar Pradesh Congress President Ajay Rai mocked the Centre with a toy Rafale jet adorned with nimbu-mirchi (lemon and chillies), accusing the Modi government of inaction in the wake of a deadly terror attack in Jammu and Kashmir's Pahalgam."Terrorist activities have increased in the country, and people are suffering from it. Our youth lost their lives in the Pahalgam terror attack," Rai said, brandishing the toy jet at a press briefing. "But this government, which talks a lot, says that they will crush terrorists — they brought Rafale, but they are in their hangars having chilly and lemon hanging in them. When will they take action against terrorists, those who support them, and their backers?"

In Hindu tradition, lemons and chillies are believed to ward off the evil eye and used as a protective charm. Rai's jab was a reference Defence Minister Rajnath Singh's 2019 Rafale "shastra puja" in France, during which Singh placed lemons under the wheels of the

aircraft and a coconut on top.

Feeling the burn, the BJP lashed out at Rai, with several leaders accusing the Congress of demoralising the armed forces.

"Look at Ajay Rai, UP President of pro-Pakistan Congress Party, who is making headlines in Pakistani newspapers and channels," BJP MP Nishikant Dubey posted on X. "Understand the conspiracy of Congress Party to break the morale of the army in protest against Modi."

BJP spokesperson Shehzad Poonawala stepped up the offensive, claiming that the remarks were not isolated."Channi, Priyank Kharge, RJD MP Sudhakar Singh, Ajay Rai — the attack on manobal (morale) of our Forces is not a sanyog (coincidence) but sahyog (collaboration) with Pakistan," he wrote on X.

Echoing the sentiment, BJP leader Pradeep Bhandari alleged that Rai's comments served Pakistani interests. "Rahul Gandhi's close aide Ajay Rai mocks our forces! Congress today has become the Pakistani Congress and the spokesperson of Asif Munir's Pakistan in India!"UP Cabinet Minister Om Prakash Rajbhar also weighed in, saying, "The Congress party is going to play with this toy for the next 15 years. Giving anti-national statements is in their ideology."Unfazed by the backlash, Rai doubled down on his statement."The country wants to know when action will be taken against terrorists," he said on Monday. "Rajnath Singh had put a nimbu-mirchi on Rafale. I said the same thing that Rajnath Singh did. We want to know when will the nimbu-mirchi be removed and when will action be taken?"

Spain's Huge Power Blackout Is a Wake-Up Call For India

New Delhi. For Spain and Portugal, last week's nationwide blackout may have felt unprecedented. But in India, we have lived through these already. In July 2012, a grid collapse caused 400 million Indians to lose access to power, many of them for days. Most assume that, as the country grows richer and energy becomes more abundant, such problems won't recur.But, as Europe has learned, preventing grid collapse is a constant endeavor, not a battle that you only fight once. India's government has prioritized energy access, vastly expanding availability to households and building more generation capacity. It is now time for it to work on grid stability as well.

As your energy choices change, your grid and how you manage it must too. We don't yet know what caused the initial disruption to Spain's grid that made it to lose its connection to France's more stable electricity network, but the additional variability introduced to its system by renewables - particularly on a sunny day - probably did not help. That should worry India's regulators.

This is not an argument against renewable energy, especially not in India. Politicians in New Delhi have correctly noted that solar and wind power meet three requirements they view as crucial. First, they might end our crippling dependence on imported fossil fuels; second, grid-scale solar energy is now quite cheap; and third, off-grid renewables can sometimes reach where the regular grid does not.

As a consequence, they have prioritized building out renewable energy capacity. Of the 34 gigawatts of generation added last year, 85% was renewables, with 24 gigawatts from solar power alone. Another 300 gigawatts is planned by the end of the decade.

Much of this is driven by private capital and entrepreneurial energy at every level.

At one end of the scale, street markets in the poorest states are full of cheap rooftop solar sets. And at the other, highly valued companies like ReNew Power Pvt. and Tata Power Co. have soaked up investor dollars, promising to benefit from the nation's vast solar ambitions. This week, the United Arab Emirates-led green private capital fund ALTERRA and Brookfield Asset Management Ltd. announced plans to invest $100 million in the solar project developer Evren.

All of this sounds great. India does best on those tragically few occasions when its consumers and companies are left to make the right choices, and are given access to capital and supportive regulations. That is how the country became an IT superpower that now has the cheapest high-speed data in the world.

Yet the government has responsibilities, too. It has to ensure the grid can manage the additional requirements - both new consumers and new sources. This will cost money, but not even the government knows how much. Predictions vary from $107 billion to $500 billion, and even the lower end seems unaffordable at the moment. New Delhi hates spending money, but it is going to have to construct a workable plan for investment into the grid, and soon.

The government's tasks don't stop there. It must also try and figure out what's actually getting installed in terms of solar power, and who is doing the building.

Self-consumption electricity systems of various kinds - whether off grid, or the sort that can provide power to the grid as well as taking it out - come with very special issues that must be addressed. As BNEF Research has pointed out, one of the problems that Spain faces is that authorities there don't know enough about solar power generation in the country; it may have 10.5 gigawatts more photovoltaic modules installed than official data suggest.

NEWS BOX

Tourist boats capsize in sudden storm in southwest China, leaving nine dead, one missing

BEIJING. Four boats capsized in a sudden storm on a river in southwestern China, leaving nine dead and one missing, state media said Monday.

More than 80 people fell into the Wu River when strong winds hit the scenic area in Guizhou province on Sunday afternoon, state broadcaster CCTV said.

Initial reports said two tourist boats had capsized, but CCTV and the official Xinhua News Agency said Monday that four boats were involved. It wasn't clear if any of the victims were on the other two boats.

The boats capsized after a sudden rain and hail storm hit the Wu, a tributary of the Yangtze, China's longest river. In one video shared by state media, a man could be seen performing CPR on another person, while one of the vessels drifted upside down.Guizhou's mountains and rivers are a major tourism draw, and many Chinese are traveling during a five-day national holiday that ends Monday.Chinese President Xi Jinping called for "all-out efforts" to find the missing and care for the injured, Xinhua said on Sunday.Xi's administration has pushed to reduce the death toll in China's transportation sector, but overloading, poorly maintained vehicles and a lack of safety equipment have frustrated those efforts, particularly during major holidays.

CCTV said two of the capsized boats each had about 40 people on board and were not overloaded.

An eyewitness told state-owned Beijing News that the waters were deep but some people had managed to swim to safety. However, the storm had come suddenly and a thick mist obscured the surface of the river.

Bharat peace march in Munich: Indian diaspora unites in a powerful call for peace, justice, and solidarity

Munich, Germany — In a solemn and powerful expression of unity and collective grief, over 700 members of the Indian diaspora gathered in Munich on 3rd May for the Bharat Peace March, strongly condemning terrorism and honoring the victims of the recent inhumane and cowardly terrorist attack in Pahalgam, India.The peaceful march, organized under the banner of solidarity and compassion, was not merely a symbolic gesture—it served as a call for justice, a rejection of terror attack, and a heartfelt demand for a future grounded in peace and humanity.Participants assembled at Geschwister-Scholl-Platz at 11:00 AM, where the event commenced with speeches from notable dignitaries including Dr. Hans Theiss, a prominent German cardiologist and Member of the Bundestag (2025), and Mr. Deli Balidemaj, City Councilor of LH Munich and Member of the Upper Bavaria District Council.Dr. Theiss addressed the gathering with a deeply moving message, offering prayers for the victims and condemning terrorism and religious extremism in all its forms. He commended the Indian diaspora's initiative, stating:"This Peace March is a powerful message to the world that we stand together, rejecting hatred and embracing peace. We must ensure such acts of terror never happen again, and the perpetrators must be brought to justice. At the same time, we must do all we can to avoid further escalation between India and Pakistan—two nuclear-armed nations. Today, we stand with the victims. You are not alone."Mr. Deli Balidemaj echoed this message of solidarity and peace, voicing his wholehearted support for the march and the Indian community's peaceful stand against violence.

13 kidnapped workers found dead in Peruvian mine

LIMA. Thirteen people were found dead inside a mine in Peru after being kidnapped days earlier in the northern area of Pataz, the mining company Poderosa said Sunday."This morning, after intense search efforts, the police rescue team was able to recover the bodies of the 13 workers who were kidnapped (...) by illegal miners in collusion with criminal elements," the company said in a statement.Mining is a key economic driver in Peru, one of the largest gold producers in Latin America.

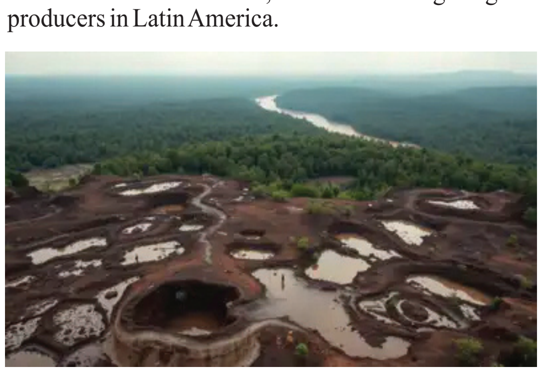

Pataz, located around 560 miles (900 kilometers) from the capital Lima, is in a state of emergency due to escalating violence caused by a gold rush there.The victims found Sunday worked for a company that provided services to Poderosa, a major gold mining firm listed on the Lima stock exchange that has in recent months been targeted by armed groups linked to illegal mining."The spiral of uncontrolled violence in Pataz is occurring despite the declaration of a state of emergency and the presence of a large police contingent which, unfortunately, has not been able to halt the deterioration of security conditions in the area," the mining company said.

Peru's interior ministry said it had deployed organized crime investigators to probe the deaths, warning its agents "are fully empowered to use their firearms if the circumstances warrant it."In the city of Trujillo, west of Pataz, some of the victims' relatives waited for the bodies of their loved ones to be transferred to the morgue there.

Trump says he will reopen Alcatraz prison

Trump's directive to rebuild and reopen the long-shuttered penitentiary was the latest salvo in his effort to overhaul how and where federal prisoners and immigration detainees are locked up.

NEW YORK. President Donald Trump says he is directing his government to reopen and expand Alcatraz, the notorious former prison on a hard-to-reach California island located off San Francisco, which has remained shut for over six decadesears.

In a post on his Truth Social site Sunday evening, Trump wrote that, "For too long, America has been plagued by vicious, violent, and repeat Criminal Offenders, the dregs of society, who will never contribute anything other than Misery and Suffering. When we were a more serious Nation, in times past, we did not hesitate to lock up the most dangerous criminals, and keep them far away from anyone they could harm. That's the way it's supposed to be."

"That is why, today," he said, "I am directing the Bureau of Prisons, together with the Department of Justice, FBI, and Homeland Security, to reopen a substantially enlarged and rebuilt ALCATRAZ, to house America's most ruthless and violent Offenders."Trump's directive to rebuild and reopen the long-shuttered penitentiary was the latest salvo in his effort to overhaul how and where federal prisoners and immigration detainees are locked up.

But such a move would likely be an expensive and challenging proposition. The prison was closed in 1963 due to crumbling infrastructure and the high costs of repairing and supplying the island facility, because everything from fuel to food had to be brought by boat.Bringing the facility up to modern-day standards would require massive investments at a time when the Bureau of Prisons has been shuttering

prisons for similar infrastructure issues.The prison — infamously inescapable due to the strong ocean currents and cold Pacific waters that surround it — was known as the "The Rock" and housed some of the nation's most notorious criminals, including gangster Al Capone and George "Machine Gun" Kelly.It has long been part of the cultural imagination and has been the subject of numerous movies, including "The Rock" starring Sean Connery and Nicolas Cage.Still in the 29 years it was open, 36 men attempted 14 separate escapes, according to the FBI. Nearly all were caught or didn't survive the attempt.

The fate of three particular inmates — John Anglin, his brother Clarence and Frank Morris — is of some debate and was dramatized in the 1979 film "Escape from Alcatraz" starring Clinton Eastwood.Alcatraz Island is now a major tourist site that is operate by the National Park Service and is a designated National Historic Landmark.

Trump, returning to the White House on Sunday night after a weekend in Florida, said he'd come up with the idea because of frustrations with "radicalized judges" who have insisted those being deported receive due process. Alcatraz, he said, has long been a "symbol of law and order. You know, it's got quite a history."A spokesperson for the Bureau of Prisons said in a statement that the agency "will comply with all Presidential Orders." The spokesperson did not immediately answer questions from The Associated Press regarding the practicality and feasibility of reopening Alcatraz or the agency's role in the future of the former prison given the National Park Service's control of the island.

Imran Khan's Party To Skip Government Briefing On India-Pak Tensions

Islamabad. The Pakistan Tehreek-e-Insaf of incarcerated former premier Imran Khan on Sunday announced to skip the key government briefing on the current situation between Pakistan and India.

This decision was announced in a statement by the party's political committee."Since this is merely a government briefing and there does not appear to be any serious attempt to build a national consensus, nor is there any intention to include an important national leader like Imran Khan, we believe that the participation of the Pakistan Tehreek-e-Insaf in this briefing is not necessary," the PTI said.

The party said that it has always condemned all forms of terrorism in all its forms and manifestations in unequivocal and unambiguous terms, adding that Khan has clearly condemned terrorism in his messages to the nation from prison, but also emphasised the need for national unity, solidarity and internal stability.

"His (Khan) stance is self-explanatory, and the insight and courage with which

he has conveyed the message of unity to the nation is a reflection of the thinking of a national leader," the party said.It asked the government to immediately convene an All-Parties Conference (APC) to take all national parties into confidence and formulate a common course of action."Unfortunately, the government wasted this opportunity. Not only was the APC not convened, but instead a one-sided briefing is being given by a government minister," it said.The party also said that it has a clear stance that in the event of any external aggression "we will stand in the forefront to defend the country and the nation".Earlier, state-media reported that Information Minister Attaullah Tarar and army spokesman Lt Gen Ahmed Sharif will brief leaders of all political parties in the context of the current national security situation, and tension between Pakistan and India.Ties between India and Pakistan plummeted following the April 22 Pahalgam terror attack in Jammu and Kashmir that killed 26 people, mostly tourists, in the deadliest attack in the Valley since the Pulwama strike in 2019.

Trump Claims Credit For 'Good Parts' Of Economy, Blames Joe Biden For Rest

world. Donald Trump said in a Sunday interview that the "good parts" of today's US economy flow from his policies while the bad can be blamed on his predecessor Joe Biden, who "did a terrible job.""Ultimately, I take responsibility for everything," the US president said in an interview on NBC's "Meet the Press" talk show."But I've only just been here for a little more than three months."At a time of mixed economic signals and mounting concerns over his aggressive use of tariffs, Trump said "certain aspects" of the economy are his doing. "I was able to get down the costs," he said.

"I think the good parts are the Trump economy and the bad parts are the Biden economy because he's done a terrible job."While surveys point to growing public concern over the economy, most official indicators are not yet flashing red, with unemployment last month at a moderate 4.2 percent and inflation in March at 2.3 percent, just above the Federal Reserve's target.But Fed bankers and others have downgraded their predictions for the world's leading economy, pointing to slowing

growth and rising inflation and unemployment. Asked whether a US recession is possible, Trump said, "Anything can happen." "This is a transition period," he said, adding that ultimately "we're going to do fantastically" with "the greatest economic boom in history."Concerning trade with China -- badly shaken after Trump imposed tariffs of 145 percent -- he said "we've essentially cut off trade relationships by putting that much of a tariff on."

But, he added, "That's okay... That means that we're not losing."Trump said the Chinese "want to make a deal very badly," and he anticipated eventually lowering the tariff rate.The billionaire Republican has been a sharp and persistent critic of Fed chair Jerome Powell -- whom Trump appointed in 2018, during his first term -- telling NBC that "he should lower interest rates."Now is the "perfect time" to do so, he said.Fed governors are expected, when they meet Tuesday and Wednesday, to extend a pause in rate cuts while they see just how tariffs affect the economy.Most analysts expect the Fed to leave rates in the 4.25 to 4.50 percent range where they have been since December.Even last month, Trump floated the possibility of firing the Fed chair from a position meant to be largely insulated from politics.

But he told NBC that he now expects to wait until Powell's term ends in May 2026 to name a successor.

Pakistan Violates Ceasefire Again In Multiple Border Areas; Indian Army Retaliates

world. Pakistan has resorted to unprovoked ceasefire violation once against earlier today. Amidst the ongoing tensions between India and Pakistan on the border after the Pahalgam attack, the Indian Army has responded to the unprovoked small arms firing across the Line of Control (LoC) during the intervening night of May 4 and 5, official said on Monday.The Pakistan Army resorted to unprovoked small arms firing across the LoC in areas opposite Kupwara, Baramulla, Poonch, Rajauri, Mendhar, Naushera, Sunderbani, and Akhnoor areas of the Union Territory of Jammu and Kashmir. According to officials, the Indian Army responded promptly and proportionately.Earlier on the night of May 3 and 4, the Pakistan Army indulged in small arms firing across the LoC in areas opposite Kupwara, Baramulla, Poonch, Rajauri, Mendhar, Naushera, Sunderbani, and Akhnoor districts in J&K, which was retaliated against effectively by the Indian Army. According to the Indian Army, the troops responded in a calibrated and proportionate manner.This is the

eleventh consecutive day of India's effective retaliation since the Pakistan Army's unprovoked small arms firing began on the night of April 25-26. On April 30, India closed its airspace to all aircraft registered in Pakistan and those operated by Pakistani airlines, according to the Ministry of Civil Aviation (MoCA), another major step following the April 22 terrorist attack in Jammu and Kashmir's Pahalgam in which 26 people were killed.

India issued a Notice to Airmen (NOTAM), confirming the closure of its airspace to all Pakistani-registered, operated, or leased aircraft, including military flights, from April 30 to May 23 (estimated duration). On Apri 29, the Director General of Military Operations of India and Pakistan talked over the hotline to discuss the unprovoked ceasefire violations by Pakistan, as per defence sources. Sources said India warned Pakistan against the unprovoked ceasefire violations by the Pakistan Army along the LoC and the International Border.

Does US President Need To Uphold Constitution "I Don't Know," Replies Trump

US President Donald Trump said that he does not know whether he must uphold the US Constitution, the nation's founding legal document.

Washington.US President Donald Trump said in remarks airing Sunday that he does not know whether he must uphold the US Constitution, the nation's founding legal document.In a wide-ranging NBC News interview, the 78-year-old Republican also said he was not seriously considering running for a constitutionally-barred third White House term, and blamed his presidential predecessor Joe Biden for the "bad parts" of the current economy.Trump has drawn widespread criticism for repeatedly brushing up against constitutional guardrails since returning to the White House in January, notably over his policy of mass deportations of undocumented migrants, some without the benefit of a court hearing.He insists such rapid expulsions are necessary in the face of what he has declared to be a "national emergency," and that giving every migrant a court trial would take "300 years."When NBC's "Meet the Press" moderator Kristen Welker asked if citizens and non-citizens alike deserve the due process of law, as the US Constitution states, Trump said: "I'm not a lawyer. I don't know."Pressed on whether he believes he needs to uphold the supreme law of the land, Trump repeated: "I don't know."The remarks quickly made waves in Washington, including among some Republicans. "We're either a free society governed by the Constitution or we're not," Republican Senator Rand Paul, a self-described constitutional conservative, posted on X with no additional comment.Trump's suggestion of possibly seeking a third term in office has been sharply questioned by legal and constitutional scholars.The 22nd Amendment states that "no peson shall be

elected to the office of the President more than twice."But Trump said in March he was "not joking" about seeking a third term, adding without elaboration that there are "methods" that would allow it to happen.Changing the Constitution to allow a third term would be a heavy lift, requiring a two-thirds majority in both houses of Congress and ratification by at least 38 of the 50 US state legislatures.But "this is not something I'm looking to do," Trump told NBC's Welker. "I'm looking to have four great years and turn it over to somebody, ideally a great Republican, a great Republican to carry it forward."

Asked who that might be, he mentioned Vice President JD Vance and Secretary of State Marco Rubio, adding: "We have a lot of good people in this party."But Trump appeared to bristle when asked for his reaction to critics who warn he is taking the country down an authoritarian path.

"Why don't you ask it a different way? Many people want to come into our country. Many people love Trump," he said. "I won the election."Trump's first 100 days in office were marked by economic turmoil, primarily over his plans to impose sweeping tariffs on most countries.But despite the world's largest economy shrinking in the first quarter of 2025, he struck an optimistic if defiant tone in the interview, insisting US economics were sound and that "tariffs are going to make us rich.""I think the good parts are the Trump economy and the bad parts are the Biden economy," said Trump.

IPL 2025: KKR to follow MI roadmap in must-win game vs Rajasthan, says Rovman Powell

IPL 2025: Struggling KKR will follow Mumbai Indians' strategy against Rajasthan Royals in a crucial IPL match, said Rovman Powell. KKR have to win all their games to make it to the playoffs.

New Delhi. Kolkata Knight Riders' Rovman Powell has said that the team will follow Mumbai Indians' roadmap in their next match against Rajasthan Royals. KKR take on the Royals on Sunday, May 4 in a must-win game in the Indian Premier League 2025.KKR have their backs to the wall and will get knocked out of the playoffs race if they lose to Rajasthan at their home ground in Kolkata. Speaking at the pre-match press conference, Rovman Powell said that the team will follow MI's process to beat Rajasthan in their crucial clash.Mumbai Indians played a complete game against Rajasthan on May 1 at Jaipur. After hitting 217 runs in the first innings, MI gave an incredible account of themselves in the second half of the match, bowling RR out for just 117 runs.Fast bowlers were key to MI's success against Royals. In the powerplay, Trent Boult was brave to pitch the ball up to Jaiswal, and dismissed him with a riveting length ball that crashed into the top of Jaiswal's off stump. Jasprit Bumrah was riveting in the middle overs where he bowled a bouncer barrage to the RR middle order.

"As a bowling group, we've come up with specific plans for each individual. If you look at Rajasthan's last game against Mumbai, it was tactical excellence from Mumbai that gave them such a big win. We're trying to do the same," Rovman Powell told the reporters on Saturday, May 3.KKR'S STRUGGLE WITH CONFIDENCE

KKR have been all over the place in the ongoing season of the Indian Premier League 2025. They retained their core from the winning 2024 season but have completely failed to execute their plans. KKR's worst result perhaps came in their match vs Punjab Kings, where they failed to chase down 112 runs against Punjab Kings away from home.Powell spoke about the same and said that the Punjab game really hurt the confidence of the team. Powell revealed that the KKR players and the management had some tough conversations after that and that they took positive strides in the correct direction."If you go back to the Punjab game where we had only 111 to chase and still didn't get over the line — that really hurt. It affected our standings. If we had secured those two points, we'd be sitting here with more smiles. But credit to the group, we've had some strong conversations since, and the guys have made great strides. Hopefully, we continue in that direction," Rovman Powell said ahead of the match.KKR are currently in the 7th position of the league table and need to win every single match to remain in the hunt for the playoffs. KKR won their previous match against Delhi Capitals after Sunil Narine put in an all-round performance.

NEWS BOX

Virar special Ayush Mhatre: A breath of fresh air for CSK in forgetful IPL 2025

New Delhi. High scores haven't been Chennai Super Kings' calling card this season, and chasing 214 was always going to be an uphill task—especially after Romario Shepherd's brutal late assault, hammering 53 off just 14 balls. But 17-year-old Ayush Mhatre, born in Mumbai's Virar, nearly pulled off the impossible, launching a breathtaking counterattack that saw CSK fall just short.CSK's young openers signalled their intent from the outset. Shaik Rasheed set the tone early, pulling Dayal for a six and a four in the third over. But it was Mhatre who truly took center stage. The teenager took on veteran Bhuvneshwar Kumar in the fifth, smashing five boundaries and a six in a stunning over that announced his arrival emphatically.

RCB clawed their way back as Krunal Pandya and Lungi Ngidi shut down the PowerPlay, dismissing Rasheed and Sam Curran while conceding just nine runs. But Mhatre, composed well beyond his years, found a steady ally in CSK stalwart Ravindra Jadeja. Together, they stitched a vital 114-run stand for the third wicket, blending calculated aggression with smart strike rotation.

STORIES YOU MAY LIKEIPL 2025, RCB vs

CSK: Highlights

Mhatre nearly outdid Romario Shepherd's 14-ball fifty with a classy 94, but RCB's Yash Dayal kept his nerves in the death overs to secure a two-run win over the Chennai Super Kings in this IPL thriller.

MHATRE LIGHTS UP CHINNASWAMY

Mhatre's strokeplay was a mix of street-smart flair and classical technique—skills honed through years of grinding at Mumbai's famed Oval Maidan. With Josh Hazlewood sidelined, RCB's bowling lacked bite, and the young right-hander capitalized. He even returned the favor to Shepherd, launching a pair of glorious pulls, including a 98-meter six that vanished into the night sky.

adeja, playing the ideal foil with a composed 77* off 45, guided the youngster through pressure-laden overs. Dropped on 57 and 69, Jadeja held his nerve at the other end, helping CSK stay in the hunt. Mhatre's magnificent knock finally ended when a tired-looking heave off Ngidi found Krunal Pandya in the deep.Also Read.

Pratika Rawal's rise and India's bold charge towards Women's World Cup glory

Speaking to India Today Digital, former Indian cricketer and Mumbai Indians batting coach Devika Palshikar opened up on India's experimentation spree before the World Cup, Pratika Rawal's stupendous form and Shafali Verma's future in the ODI setup.

New Delhi. India were left disappointed after their hopes of securing a coveted world title were dashed by an early exit from the T20 World Cup in the UAE last year. Harmanpreet Kaur faced heavy criticism for the team's lack of intent during the campaign. However, India will have a chance to redeem themselves and restore their reputation when they compete in the ODI World Cup later this year on home soil. With the mega event fast approaching, women's cricket in India has undergone a significant transition over the past six months. India have handed debut caps to ten players in ODIs: Minnu Mani, Tejal Hasabnis, Pratika Rawal, Titas Sadhu, Saima Thakor, Priya Mishra, Kashvee Gautam, Tanuja Kanwar, Sayali Satghare, and Sree Charani.With such a broad talent pool, the team management is expected to face a welcome dilemma when selecting the final 15-member squad for the World Cup. However, former Indian cricketer Devika Palshikar cautioned that experimenting so close to a major tournament could end up being counterproductive."If you ask for my opinion, then before the World Cup, we really shouldn't be doing all these experiments. As you rightly said, they've already handed caps to ten different players, even though the World Cup is just six months away," Palshikar told IndiaToday.in.So basically, I've always felt that this isn't something new to this World Cup, it's been happening for many years now. The selectors tend to experiment far too much. I'm sure the captain or coach doesn't get a consistent, settled team. They go more on an experimental basis."The same thing has happened again this time, so I was a bit disappointed. But then again, I'm sure whoever they've selected, they must've seen some potential in them, otherwise they wouldn't have picked them. At least, that's what I'm assuming," Palshikar added.Uttarakhand's Raghvi Bist, who didn't feature in the series against Ireland, and Madhya Pradesh left-arm spinner Shuchi Upadhyay, who is yet to play a match since her maiden call-up during the tri-nation series in Sri Lanka, also remain in the wings.

Romario Shepherd on heroic 53 vs CSK: Difficult to sit and watch others win

New Delhi. West Indies all-rounder Romario Shepherd played his fourth match in the Indian Premier League (IPL) 2025 when Royal Challengers Bengaluru (RCB) locked horns with Chennai Super Kings (CSK) at the M Chinnaswamy Stadium in Bengaluru. But it was the first time that he got a chance to bat, and he grabbed the opportunity with both hands.

Batting at No.7, Shepherd hit the joint second-fastest fifty in IPL history off 14 balls, along with KL Rahul (2018) and Pat Cummins (2022). The right-handed batter hit four fours and six sixes on his way to an unbeaten 53 off 14 balls. Shepherd said that he anxiously waited for his opportunity to make it count."It was tough, you know, sitting there and watching the other players win. Not because I didn't want them to win, but because I wanted the opportunity to go out

there and perform," Shepherd said in the post-match press conference.Today, that opportunity came, and I just tried to make the most of it. I wasn't aiming to score 53 off 14 balls—I just wanted to help the team finish strong and shift the momentum back in our favour," Shepherd said.

'Had a good sense of CSK bowling'

When Shepherd came in, RCB were struggling somewhat with their score at 157 for five in 17.4 overs. But Shepherd's blitz meant that the hosts raced to 213 for five, scoring 56 runs off their last 14 balls."At one point, they had the upper hand heading into the last two or three overs. But when I walked to the crease, I had a good sense of what they were trying to bowl. I went in prepared, and Timmy (Tim David) reminded me to hold my shape a bit, since the ball was gripping on the wicket," Shepherd added.Shepherd won the Player of the Match award as RCB won by two runs to reclaim the top spot in the points table. Their next match is against Lucknow Super Giants (LSG) on May 9 at the Bharat Ratna Shri Atal Bihari Vajpayee Ekana Cricket Stadium in Lucknow.

Hungry to make comeback, focus on training: Sathiyan

CHENNAI. It has not been easy days after 2022 Asian Games (held in 2023). Like all players, G Sathiyan too had to overcome the ordeal of recovering from injury with a very strong mind. His back injury he sustained after the Asian Games in Hangzhou took some time to heal. The spasms spread to his hips and his knees restricting the lightning pace for which he is known. He did manage to leave those tough days behind.

After winning three medals at the National Games earlier this year, Sathiyan is slowly shifting his focus towards the all-important Asian Games next year. And like he said he is now hungry to make a comeback. Sathiyan for now is focussing more on training. He would be competing more towards the end of the year leading up the Asian Games next year."I have taken a conscious decision to train more and play less tournaments (now)," he said adding he would want "to play more tournaments in the second half of the year just before the Asian Games. This will help in peaking at the right time," he told this daily during an award function organised by Raman TT High Performance Centre to felicitate National Games winning members of the Tamil Nadu team.Along the way he would want to accumulate as many WTT points as possible. "With the WTT system, balancing

tournaments due to the new ranking system is an challenge. And now with domestic circuit, points are necessary to enter the top 50," he added."It's more about having time to train, because I have seen that training had played an important role. That's why I could get into the top 25. So I really want to get back into the drawing board, have a good training phase and at the same time work on my fitness because that is key."

Two weeks from now, Sathiyan will hope to make his name again at the World Table Tennis Championship to be held in Doha. He wouldn't pair with Manika Batra in the worlds. Yashashwini (Ghorpade) and Harmeet (Desai) and Manush (Utpalbhai) and Diya (Chitale) have been selected in the mixed doubles for India. Sathiyan will play singles and men's doubles with Harmeet Desai.Sathiyan's coach Olympian S Raman said he would be evaluating his performance every quarter. "We worked on a few things and those things are not working out. So which means whatever we brought to the table is not sufficient enough. So we need to spice it up, we need to change a little bit. So, you know, it's an ongoing process of how we keep reinventing the wheel," he said.

Drama in Bengaluru! Jadeja confronts umpire after CSK batter Dewald Brevis denied DRS

NEW DELHI. Chennai Super Kings' young star Dewald Brevis found himself at the centre of a major controversy during their IPL 2025 clash against Royal Challengers Bengaluru at the M Chinnaswamy Stadium on Saturday.

In a high-stakes chase, Brevis was dismissed for a golden duck on his very first ball after being adjudged LBW to Lungi Ngidi.

While the delivery looked to be sliding down leg, Brevis hesitated to take a review and was eventually denied the chance — the 15-second DRS timer had expired.

Go Beyond The Boundary with our YouTube channel. SUBSCRIBE NOW!

The South African batter, caught in a moment of doubt, discussed the decision with non-striker Ravindra Jadeja before finally signalling for DRS.

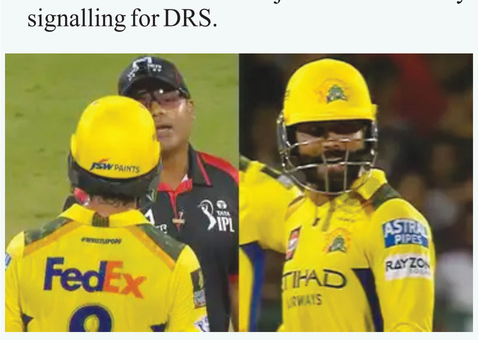

But it was too late. Replays later onfirmed that the ball would have missed the stumps comfortably, sparking widespread criticism of both the on-field umpire's decision and the rigidity of the DRS timing system.

Visibly frustrated, Brevis and Jadeja briefly argued with the umpire, but the decision stood.Many fans and experts felt the youngster was hard done by, with some questioning whether players should be given more flexibility to review controversial calls, especially in such a crucial game.

The missed review came back to haunt CSK, who eventually fell short by just two runs while chasing RCB's formidable 213/5.

Despite heroic efforts from 17-year-old Ayush Mhatre (94 off 48) and Jadeja (77 not out off 45), the Super Kings ended at 211/5. Brevis's early exit proved pivotal, as one more boundary could have swung the match CSK's way.The game had it all — blistering fifties from Virat Kohli, Jacob Bethell, and Romario Shepherd for RCB, and a stunning near-chase by CSK.But it was the DRS drama involving Brevis that will remain the most talked-about moment from a thriller that pushed RCB to the top of the points table.

PBKS vs LSG, IPL 2025 Preview: Predicted XI, team news and Dharamsala pitch

New Delhi Lucknow Super Giants (LSG) are set to take on Punjab Kings (PBKS) in Match 54 of the Indian Premier League 2025 (IPL 2025) on Sunday, May 4 at the Himachal Pradesh Cricket Association Stadium, Dharamsala. Lucknow are coming into the game after a six-day break following their back-to-back losses against Delhi Capitals (DC) and Mumbai Indians (MI).The Rishabh Pant-led side began the tournament well with five wins from their first eight matches. However, the last two losses have proved to be a hiccup in their campaign as they need to catch up with the rest of the teams, with the race for the playoffs starting to heat up.LSG are currently ranked sixth on the points table with five wins from ten matches, having ten points to their name. With four games remaining in their campaign, Lucknow need to quickly bounce back to winning ways to keep their playoffs hopes alive.On the other hand, Punjab Kings are coming into the fixture following a four-wicket win against Chennai Super Kings (CSK). The Shreyas Iyer-led side began the season by winning five out of the first seven matches, but a loss followed by a washed-out game forced them to lose their momentum.

However, the victory against CSK have once again brought them on the winning track and PBKS have a great chance to finish on the top two in the points table. They're currently ranked fourth with six wins from ten matches and have a chance to climb to the second spot with a win in the upcoming fixture.

PBKS vs LSG Head to HeadLucknow have the upper hand over Punjab in head-to-head records, having won three out of the five fixtures played between the two teams. Moreover, Punjab don't have a great record in Dharamsala, having won just five out of the 13 matches played. They've lost the last four fixtures at the venue on the trot, with their last win coming back in May 2013.

PBKS vs LSG Team News

Punjab are without their fast bowler Lockie Ferguson since the fifth game of the season. All-rounder Glenn Maxwell has also been

ruled out due to a finger injury. Apart from that, there are no injury concerns in their camp. On the other hand, Lucknow have al the players available for selection for the upcoming fixture.PBKS vs LSG Predicted Playing XI

Punjab Kings (Predicted XI): Priyansh Arya, Prabhsimran Singh, Shreyas Iyer (c), Josh Inglis (wk), Nehal Wadhera, Shashank Singh, Marco Jansen, Azmatullah Omarzai, Suryansh Shedge, Xavier Bartlett, Arshdeep Singh

Impact Sub: Yuzvendra Chahal

Lucknow Super Giants (Predicted XI): Aiden Markram, Mitchell Marsh, Nicholas Pooran, Rishabh Pant (c & wk), David Miller, Abdul Samad, Ayush Badoni, Digvesh Singh Rathi, Ravi Bishnoi, Avesh Khan, Prince Yadav

Impact Sub: Mayank Yadav

PBKS vs LSG: Pitch and Weather Conditions

The surface at Dharamsala has aided good pace and bounce for the seamers, hence they're likely to enjoy bowling at the venue. The pitch has provided some high-scoring games in the past few matches, and the upcoming fixture won't be too different. All in all, a batting-friendly surface will be available for the fixture with some assistance for the seamers early on.

Alia Bhatt

Steps Out After Gym Session, Her Post-Workout Glow Is Unmissable

Alia Bhatt looked chic in athleisure as she was spotted by the paparazzi after her workout session.

Bollywood actress Alia Bhatt never fails to make heads turn- whether she is gracing a special event or simply stepping out for a casual gym session. On Sunday, she was spotted in Mumbai after her workout session, proving her dedication to fitness by not skipping the gym even on the weekend. The actress looked chic, and appeared to be in a cheerful mood as she headed home after her workout.The paparazzi spotted Alia Bhatt on Sunday, as she exited the gym and made her way to the car. She looked absolutely stunning in a light green tank top paired with dark green tights and black gym shoes. Her post-workout glow was simply unmissable! Alia quickly posed for the paparazzi and waved at them before stepping inside the car.

Alia looked uber-chic in athleisure, and fans gushed over her. "Her style is so captivating; it's like a fashion runway wherever she goes," wrote one fan, while another one commented, "Beautiful and cute." Check out the video below!

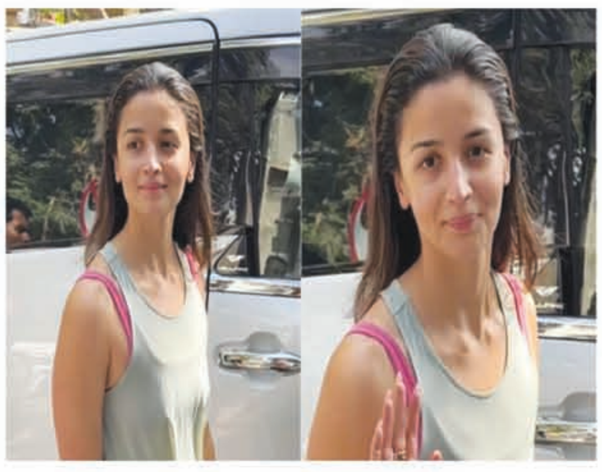

Meanwhile, Alia Bhatt made a splash with her stunning look at the WAVES Summit 2025 in Mumbai a few days ago. She opted for a 'Maharashtra Day special look' and delivered a contemporary take on the traditional nauvari saree, styled in shades of bright pink and orange. She paired the silk saree with a sleeveless plunging neckline blouse, adding a modern aesthetic to her traditional look. Sharing pictures of her look, she wrote, "WAVE-ing at you! From cinema to gaming, from craft to tech… our stories, our talent, our vision, ready to lead. #WAVESummit @mib_india @wavesummitindia.P.S. tell me how you like my #MaharashtraDay special look."

On the professional front, Alia Bhatt is currently shooting for Sanjay Leela Bhansali's 'Love And War' which also stars Ranbir Kapoor and Vicky Kaushal. She will also star alongside Sharvari in YRF's first female-led film from their spyverse, Alpha.

Confirmed: Haseen Dillruba 3 In The Works; Here's What

Taapsee Pannu

Just Revealed

The femme fatale saga is far from over. After the pulpy thrill and twisted romance of Haseen Dillruba and its sequel Phir Aayi Haseen Dillruba, the powerhouse duo of Taapsee Pannu and Kanika Dhillon have all but confirmed a third chapter in the beloved Netflix franchise—and the madness is only set to escalate.According to a Mid-day report, scripting for the third installment is officially underway, with sources close to the production revealing that the story of Rani and Rishu will continue in an even more thrilling, seductive, and chaotic direction. "It is one of the most successful titles for the platform. So, the aim is to create a more fun, juicy, and thrilling third part," the insider said.

The buzz began a few weeks ago when Taapsee shared a nostalgic clip from Phir Aayi Haseen Dillruba with the cheeky caption: "Missing the pagalpan, Pandit ji. What say?"—a direct nudge to the film's writer, Kanika Dhillon. The response was telling. Kanika teased fans with, "The wait won't last that long, Rani ji! Panditji is already onto the agli kitaab. Iss wali mein there is Pagalpan x 3."

The playful exchange set social media abuzz, with Taapsee adding fuel to the fire: "Let's ask the audience who gave us so much love… What twist are you expecting in the unexpected life of Rani this time?"The original Haseen Dillruba premiered in 2021 and quickly became a fan favorite for its dark, twisted take on romance and revenge. Its sequel, released in 2024, expanded the universe with new layers of deception and desire. With each installment, Rani's world has grown more unpredictable—and clearly, fans can't get enough.While plot details for the third film are tightly under wraps, what's clear is that expectations are sky-high. With Haseen Dillruba now one of Netflix India's most popular thriller franchises, the creative team seems ready to raise the stakes.

Meanwhile, Taapsee is also gearing up for her next release, Gandhari, directed by Devashish Makhija and produced by Kanika Dhillon. Co-starring Ishwak Singh, the film wrapped in March and is slated to release on Netflix later this year.

Samantha Ruth Prabhu Greets Paps With A Smile, Gets Papped In Casuals At Airport

Samantha Ruth Prabhu is one of the most loved actresses and enjoys a huge fan following. The actress was spotted today at Mumbai airport and greeted paps with a smile. She was looking chic in casuals as she headed towards the gate. In no time, the video went viral, and fans were seen reacting to it.In the video, shared by Instant Bollywood, we can see Samantha wearing comfy casuals. She looked stylish in a loose tee and pants. While heading towards the airport, the actress smiled for the paps. Fans dropped heart emojis in the comment section. Recently, Samantha Ruth Prabhu sparked an honest conversation around period health with nutritionist Rashi Chowdhary. The actress appeared in a recent episode of Rashi's podcast, where she opened up about perimenopause, a transitional period before menopause. Perimenopause is marked by hormonal changes, irregular menstrual cycles, and potential menopausal symptoms like hot flashes.

Actress Samantha Ruth Prabhu is rumoured to be dating Citadel: Honey Bunny director Raj Nidimoru. On February 1, Samantha Ruth Prabhu took to her Instagram account to share several photos from the World Pickleball League match. The actress is the owner of the pickleball team Chennai Super Champs.Meanwhile, Samantha is all set to return to the big screen with Maa Inti Bangaram, an action thriller that has fans pretty excited. What makes this one extra special? She's not just starring in it—she's also producing it under her own banner, Tarala Media Entertainments. The film is currently in its pre-production stage, with shooting expected to kick off soon.

Samantha Ruth Prabhu, one of South India's highest-paid actresses, is the recipient of several accolades, including four Filmfare Awards South, two Nandi Awards and a Tamil Nadu State Film Award.

Up next, Samantha is gearing up for Rakt Brahmand, a new series where she'll be seen alongside Aditya Roy Kapur.

Ananya Panday Shares Glimpse Of Candid Moments From Life, Fans Call Her 'Beautiful'

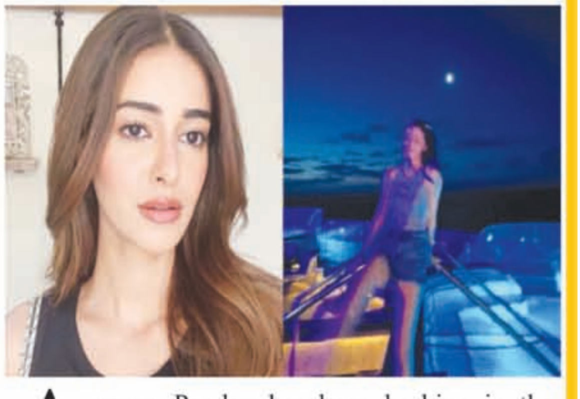

Ananya Panday has been basking in the success of her recently released film Kesari Chapter 2. Recently, she was seen attending the Chanel Cruise 2025/26 show and has been sharing updates. The actor recently took to her social media to share snippets from her trip. In no time, it went viral, and fans were seen reacting to it. Many called her beautiful in the comment section.

Taking to her Instagram handle, Ananya shared photos and wrote, "Final touches and little bit of this and that." One of the fans wrote, "You're one of God's finest creations on Earth." Another wrote, 'beautiful looking." Recently, Ananya Panday posted some sneak peeks from the special day, including her lavish dressing room and glimpses of herself strolling in the picturesque city. There were also lovely snaps of her soaking in the sun while enjoying a serene boat ride with her younger sister, Rysa Panday.

Workwise, Ananya Panday was seen in Kesari Chapter 2. The historical courtroom drama, directed by Karan Singh Tyagi, stars Akshay Kumar in a lead role alongside R Madhavan, Regina Cassandra, Simon Paisley Day and Alexx O'Nell. The film, based on the book The Case That Shook The Empire by Pushpa Palat and Raghu Palat, delves into the legal battle led by barrister C Sankaran Nair (played by Akshay Kumar) to uncover the truth behind the brutal Jallianwala Bagh massacre that shook India on April 13, 1919.

Helmed by debutant Karan Singh Tyagi, the film that recounts the aftermath of the Jallianwalah Bagh massacre has managed to keep its momentum despite being limited to an adult audience due to its 'A' rating from the Central Board of Film Certification (CBFC).

The film is based on the book titled The Case That Shook the Empire by Raghu and Pushpa Palat. Akshay Kumar portrays Sankaran Nair in the film, and R. Madhavan plays Advocate Neville McKinley, who represents the British Crown. Ananya Panday, on the other hand, plays Dilreet Gill, a key supporter in Nair's legal battle.

Up next, Ananya Panday is gearing up for Chand Mera Dil. She is paired opposite the Kill movie fame Lakshya. The Vivek Soni directorial is billed to be a college romance about engineering students. Ananya will also reprise her role as Bella Chowdhury in Call Me Bae season 2.